शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री पद का सम्मान करते हुए तुरंत दें इस्तीफा : विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 25 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-266

पीएम मोदी ने की जेलेंस्की से मुलाकात

यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए भारत का समर्थन दोहराया

- *दोनों नेताओं ने निकट संपर्क में रहने पर जताई सहमति*
- *पिछले एक माह में जेलेंस्की और मोदी की यह दूसरी भेंट*

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को न्यूयॉर्क में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात की। गौरतलब है कि श्री मोदी और श्री जेलेंस्की की पिछले एक महीने में यह दूसरी मुलाकात है। इससे पहले श्री मोदी के यूक्रेन दौरे के दौरान दोनों नेता कीव में मिले थे। इस दौरान श्री मोदी ने बातचीत और कूटनीति के माध्यम से यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की तलाश में रचनात्मक भूमिका निभाने की भारत की इच्छा को दोहराया। प्रधानमंत्री ने सभी हितधारकों के बीच सहभागिता के भारत के रुख को भी दोहराया, जिसका अर्थ है कि दोनों पक्षों (यूक्रेन और रूस) को शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए बैठकर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के लिए हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक के मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात की। इस दौरान नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की तलाश में रचनात्मक भूमिका निभाने की भारत की इच्छा को दोहराया।

मीडिया में जारी बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री मोदी ने 23 सितंबर को न्यूयॉर्क में भविष्य के शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक की। ▶10पर

मोदी ने आर्मेनियाई पीएम और होली सी के शीर्ष अधिकारी से की मुलाकात

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर आर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान और होली सी के विदेश सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन से मुलाकात की। आर्मेनियाई प्रधानमंत्री के साथ यह मुलाकात ऐसी रिपोर्ट के बीच हुई है कि आर्मेनिया 2020 में हस्ताक्षरित 20 लाख डॉलर की रक्षा साझेदारी के हिस्से के रूप में आकाश-1एस वायु रक्षा प्रणाली सहित भारत निर्मित हथियार प्रणालियों की महत्वपूर्ण खरीद कर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, आर्मेनिया को 2024 के अंत में भारत में विकसित आकाश-1एस वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति की जाएगी। ▶10पर

मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण मामले में मुख्यमंत्री को तगड़ा झटका

सिद्धारमैया की याचिका खारिज, जमीन घोटाला मामले में सीएम पर चलेगा केस

कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखा

बेंगलुरु, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के खिलाफ मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) की 14 साइटों के आवंटन में कथित अनियमितताओं की जांच की मंजूरी देने के फैसले को बरकरार रखा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने मंगलवार को कहा- याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है। हाईकोर्ट ने सीएम सिद्धारमैया पर केस चलने की मंजूरी दे दी है।

न्यायालय ने श्री सिद्दारमैया की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत के उनकी (श्री सिद्दारमैया की) पत्नी को एमयूडीए की 14 साइटों के आवंटन में कथित अनियमितताओं की जांच की मंजूरी देने के फैसले को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि इस मामले में राज्यपाल के फैसले में कोई दोष नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने विचार-विमर्श के बाद अपने विवेक का इस्तेमाल करके आदेश पारित किया था। न्यायालय ने कहा कि शिकायतकर्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज कराना और राज्यपाल से मंजूरी मांगना उचित था और इस संदर्भ में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत मंजूरी अनिवार्य है। न्यायालय के इस फैसले से इस मामले में जांच आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है और राज्यपाल की मंजूरी को वैधता मिल गयी है।

इस बीच, श्री सिद्दारमैया ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाने का फैसला किया है। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने स्पष्ट किया कि धारा 17ए में कहा गया है कि किसी पुलिस अधिकारी को अधिनियम के तहत दंडनीय अपराधों के लिए किसी लोक सेवक के खिलाफ धारा 200 या 203 के तहत दर्ज निजी शिकायत के लिए अनुमोदन लेने की आवश्यकता नहीं है। ▶10पर

भाजपा का कर्नाटक सरकार को गिराने का कोई इरादा नहीं: प्रहलाद जोशी

नई दिल्ली/बेंगलुरु, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

उच्च न्यायालय में मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले मामले में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की याचिका खारिज होने के बाद केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार को गिराने का कोई इरादा नहीं है। श्री जोशी ने कहा कि मुडा घोटाले में श्री सिद्दारमैया के खिलाफ अभियोजन के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिका को उच्च न्यायालय द्वारा खारिज करना कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री के लिए चेहरे पर तमाचा लगना जैसा है। उन्होंने इस घोटाले के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा निष्पक्ष जांच की अनुमति देने के लिए मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने का आग्रह किया। ▶10पर

अब सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद में चूहे मिलने का दावा

वीडियो वायरल होने के बाद मचा बवाल

एसएसजीटी बोला- ये वीडियो उनके मंदिर की नहीं

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद की एक चौंकाने वाली वीडियो क्लिप सामने आई है। वायरल हो रही क्लिप में मंदिर के प्रसाद में चूहे के कई बच्चे नजर आ रहे हैं। इस मामले पर अब सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन की ओर से सफाई आई है। उनका कहना है कि, ये वीडियो उनके मंदिर की नहीं है। यह किसी दूसरे स्थान का वीडियो प्रतीत होता है। हाल ही में तिरुपति मंदिर के प्रसादम में कथित तौर पर चर्बी की मिलावट पाए जाने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट (एसएसजीटी) ने इन आरोपों का खंडन किया है। मंदिर प्रशासन ने कहा है कि उसने मामले की जांच शुरू कर दी है। शिवसेना नेता और एसएसजीटी के अध्यक्ष सदा सर्वणकर ने कहा, रोज़ाना लाखों लड्डू बांटे जाते हैं और उन्हें तैयार करने की जगह साफ-सुथरी होती है। वीडियो में एक गंदी जगह दिखाई दे रही है। मैं देख सकता हूं कि यह मंदिर का नहीं है। इसे कहीं बाहर शूट किया गया है। वायरल हो रहे वीडियो में नीले रंग की ट्रे में रखे लड्डू के पैकेटों पर चूहे दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, हम सीसीटीवी की जांच करेंगे और जांच के लिए डीसीपी रैंक के एक अधिकारी को नियुक्त किया जाएगा। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सर्वणकर ने कहा कि मंदिर यह सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास करता है कि प्रसाद साफ-सुथरी जगह पर तैयार किया जाए। ▶10पर

संसदीय प्रक्रिया को डिजिटल प्लेटफार्म पर लाया जाएगा : ओम बिरला

जल्द ही एक राष्ट्र एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का सपना पूरा होने की उम्मीद

लोकसभा अध्यक्ष ने विधानमंडलों में हंगामा और कटुता पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि संसद को एक डिजिटल प्लेटफार्म पर लाया जा रहा है जिसमें सदन में होने वाली चर्चा, समितियों की बैठकों आदि को कहीं भी देख सकता है।

संसद इस डिजिटल प्लेटफार्म पर 1990 के बाद की संसदीय कार्यवाही को उपलब्ध कराएगी जिसमें किसी भी सांसद के किसी भी विषय पर संसद में दिए गए भाषण को एक क्लिक पर आसानी से सुना जा सकेगा। इसमें सुविधा यह है कि यदि भाषण आधे घंटे का है और सुनने वाला बीच के कुछ अंश सुनना चाहता है तो वह अपनी सुविधा के अनुसार अंश सुन सकेगा। इसके साथ ही विभिन्न भारतीय भाषाओं में भी इन चर्चाओं को सुना जा सकता है। श्री बिरला ने 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र की दो दिन चली बैठक के बाद मंगलवार को यहां संसदीय सौंध में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आधुनिक बनाया जा रहा है और ऐसा डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किया जा रहा है जिसमें संसद की कार्यवाही के साथ ही संसद से जुड़ी किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की कार्यवाही को एक क्लिक में डिजिटल प्लेटफार्म पर देखा जा सकता है। इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही एक राष्ट्र एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का सपना पूरा हो सकेगा। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि विधायी निकाय अपने राज्यों में विधानमंडलों में प्रक्रियाओं और अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर रहे हैं और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जनप्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण के लिए प्रयास कर रहे हैं। इससे विधानमंडलों की कार्यकुशलता और प्रभावशीलता को बेहतर बनाया जा सकेगा इसलिए राज्य विधानमंडलों को डिजिटलीकरण की गति को बढ़ाना चाहिए ताकि एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के सपने को साकार किया जा सके। श्री बिरला ने कहा कि सम्मेलन के दौरान पीठासीन अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किये और कई राज्यों की विधानसभाओं द्वारा जो सफल नवाचारी कदम उठाए जा रहे हैं उनको सभी अपने यहां भी लागू करने का प्रयास करेंगे। ▶10पर

एनआईए ने हिज्ब-उत-तहरीर मामले में तमिलनाडु में कई स्थानों पर की छापेमारी

कन्याकुमारी, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) में कट्टरपंथी युवाओं की भर्ती से संबंधित एक मामले की जांच के तहत मंगलवार को तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापे मारे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि चेन्नई, पुदुकोट्टई और कन्याकुमारी में ट्रिप्लिकेन, नीलांकरई, रोयापेट्टा, वन्नारापेट्टई, तांबरम, वंडालूर, वेट्टुवनकेनी सहित 14 स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। एनआईए के अधिकारी एचयूटी के कथित समर्थकों से जुड़े घरों और अन्य स्थानों पर तलाशी ले रहे हैं, जो इस्लामिक स्टेट या खिलाफत की स्थापना करने, कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक और प्रतिबंधित संगठन के संस्थापक तकी अल-दीन अल-नभानी द्वारा लिखित संविधान के मसौदे को लागू ▶10पर

पंजाब की भगवंत सरकार को सुप्रीम फटकार

एनआरआई कोटे का दायरा बढ़ाने वाला नोटिफिकेशन रद्द

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

शीर्ष अदालत ने कहा-यह पूरी तरह से धोखाधड़ी है

सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल और डेंटल कोर्स में एनआरआई कोटो को लेकर पंजाब सरकार को फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमें एनआरआई कोटे का धंधा बंद कर देना चाहिए। यह पूरी तरह से धोखाधड़ी है। इसके साथ ही कोर्ट ने मंगलवार को मेडिकल दाखिले में एनआरआई कोटा बढ़ाने वाले पंजाब सरकार की अधिसूचना को भी रद्द कर दी। 10 सितंबर को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने भगवंत मान सरकार के 20 अगस्त के उस फैसले को खारिज कर दिया था। जिसमें मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए एनआरआई ग्रुप कोटे को 15 प्रतिशत बढ़ा दिया था। इस बढ़े हुए कोटे में दूर के रिश्तेदारों जैसे चाचा, चाची, दादा-दादी और चचेरे भाई-बहनों को भी शामिल किया गया था।

इस मामले पर आज फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हमें धोखाधड़ी को समाप्त करना होगा, हाईकोर्ट का आदेश बिल्कुल सही है। राज्य सरकार के इस नोटिफिकेशन के घातक परिणाम होंगे। जिन सामान्य उम्मीदवारों के नंबर एनआईआई कोटे के छात्र से 3 गुना अधिक हैं, वो सामान्य छात्र लिस्ट से बाहर हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस पर अमल करने की नसीहत दी। कोर्ट ने कहा कि कानून के कुछ सिद्धांतों का पालन करना चाहिए, हम कानून के सिद्धांत निर्धारित करेंगे। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, यह पैसे कमाने की मशीन के अलावा कुछ नहीं है। पीठ ने कहा, हम सभी याचिकाओं को खारिज कर देंगे। ▶10पर

हमें प्रौद्योगिकी-उन्मुख तटरक्षक बल के रूप में भी अपनी पहचान बनानी होगी

भविष्य में बढ़ने वाले समुद्री खतरों के देखते हुए हमें सतर्क और तैयार रहना होगा

रक्षामंत्री ने तटरक्षक कमांडरों के सम्मेलन के 41वें संस्करण का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आजकल के अप्रत्याशित दौर में पारंपरिक और नए उभरते खतरों से निपटने के लिए भारतीय तटरक्षक के मानव-उन्मुख से प्रौद्योगिकी-उन्मुख बल बनने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

श्री सिंह ने मंगलवार को यहां भारतीय तटरक्षक कमांडरों के सम्मेलन के 41वें संस्करण का उद्घाटन किया। तीन दिन का यह सम्मेलन उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य और समुद्री सुरक्षा की जटिलताओं की पृष्ठभूमि में तटरक्षक कमांडरों के लिए रणनीतिक, संचालन तथा प्रशासनिक मामलों पर सार्थक चर्चा में शामिल होने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। तटरक्षक मुख्यालय में वरिष्ठ कमांडरों को संबोधित करते हुए उन्होंने आज के अप्रत्याशित समय में पारंपरिक और साथ ही उभरते खतरों से निपटने के लिए तटरक्षक बल के मानव-उन्मुख से प्रौद्योगिकी-उन्मुख बल बनने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने समुद्री सीमाओं पर अत्याधुनिक तकनीक के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह देश की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत करने के लिए फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में कार्य करती है।

उन्होंने कहा, दुनिया तकनीकी क्रांति के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम टेक्नोलॉजी और ड्रोन के इस युग में सुरक्षा के क्षेत्र में अहम बदलाव देखने को मिल रहे हैं। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भविष्य में समुद्री खतरे बढ़ेंगे। हमें सतर्क और तैयार रहने की जरूरत है। जनसंसाधन का महत्व हमेशा रहेगा, लेकिन दुनिया को हमें प्रौद्योगिकी-उन्मुख तटरक्षक बल के रूप में जानना चाहिए। रक्षा मंत्री ने नवीनतम प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लाभों पर जोर देते हुए कमांडरों को इसके नकारात्मक पक्ष से सावधान रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी को दोधारी तलवार करार दिया और तटरक्षक बल से संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय, सतर्क और तैयार रहने का आह्वान किया। श्री सिंह ने तटरक्षक को भारत का अग्रणी रक्षक बताते हुए कहा कि यह विशेष आर्थिक क्षेत्र की निरंतर निगरानी के माध्यम से देश की विशाल तटरेखा की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, और आतंकवाद तथा हथियारों की तस्करी जैसी ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,070/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 91,012/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 22^0

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मंथन कल आज और कल कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन तथा तेरापंथ युवक परिषद (एचबीएसटी) द्वारा मंथन कल आज और कल कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय तेरापंथ सभा भवन, हनुमंतनगर में विनोद मुथा (शाखा प्रभारी) की अध्यक्षता में किया गया। पूर्व अध्यक्ष रतन कटारिया, गौतम खाब्या, पवन बोथरा, धर्मेश कोठारी, महावीर चावत, अंकुश बैद एवं मंत्री महावीर कटारिया, राजीव हीरावत का परिषद प्रबंधन मंडल द्वारा स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नवकार महामंत्र के मंगलाचरण से हुई। विजयगीत का संगान महाश्रमण सुर संगम के साथियों द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन विनोद मुथा द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आगाज भी उनके द्वारा किया गया। परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया एवं कहा कि अभातेयुप से ये मंथन कल आज और कल ये कार्यक्रम आया है। हमने कल क्या किया और हमको आज क्या करना है और कल हमको परिषद को आगे कैसे बढ़ना है इस के बारे में चिंतन करने के लिए आप सभी पूर्व अध्यक्षों एवं पूर्व मंत्रियों को मंथन कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। संस्थापक अध्यक्ष रतन कटारिया ने संगठन को मजबूत एवं फिटनेश के कार्यक्रम फिट युवा हिट युवा का निरंतर आयोजन एवं सभी किशोरों एवं युवाओं को कैसे जोड़ा जाए इस पर अपने सुजाव दिए। पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या ने सप्ताह में एक दिन सामूहिक सामयिक का आयोजन, तपोयज्ञ, एटीडीसी में नई मशीनरी एवं एक कलेक्शन सेंटर का उद्घाटन करने का सुझाव दिया।

पूर्व अध्यक्ष पवन बोथरा ने संगठन को मजबूत एवं हर एक सदस्य को एटीडीसी से जोड़ने एवं कार्यकारिणी मीटिंग का आयोजन एटीडीसी में करने का सुझाव दिया। अंकुश बैद ने हर घर भिक्षु स्वर एवं जैन संस्कार विधि के द्वारा ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रम करने का सुजाव दिया। मंत्री महावीर कटारिया एवं राजीव हिरावत ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार मंत्री संदीप चौधरी ने व्यक्त किया।

जीवन में स्वार्थ से ऊपर उठकर परमार्थ का कार्य करें: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि यह संसार स्वार्थ के प्रवाह में वह रहा है। हर व्यक्ति की अपने स्वयं के सुखों की चिंता है। हर कोई अपना भला चाहता है।

संसार के सभी प्राणी स्वार्थी हैं। वे उसी से प्रेम करते हैं, जिससे उनके स्वार्थ की पूर्ति होती है। सभी प्राणियों का सर्वश्रेष्ठ स्वार्थ सुख की प्राप्ति है। लेकिन

निस्वार्थ भाव से किया गया कार्य हमेशा प्रसन्नता लाता है, जबकि स्वार्थ व्यक्ति को कमजोर बनाता है।

जिसके अंदर स्वयं के लाभ की भावना नहीं होगी वह सभी का प्यारा होगा। सच्चे भाव से पूरी दुनिया आप की हो सकती है, लेकिन स्वार्थ के चलते आपकी दुनिया संकुचित भी हो जाती है। उन्होंने कहा कि संसार में तीन प्रकार की धारा होती है। स्वार्थ की धारा- जो अपना ही सुख सोचने वाला, परमार्थ की धारा, जो औरों के सुख का भी ध्यान रखने वाला और स्वदर्शन की धारा यानि अपना सुख छोड़ दूसरों के दुख दूर करने वाला। एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का साथ तब तक देता है जब तक उसका स्वार्थ सधता है। जब स्वार्थ नहीं सधता है तो दोस्त भी दुश्मन बन जाता है। अपने भी पराये हो जाते हैं। महान वही होता है जो निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर परमार्थ के लिए अपने जीवन को समर्पित कर देता है। इस अवसर पर पंजाब, हरियाणा, चेन्नई तथा दिल्ली से अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। जिनका अभिनंदन उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर व कार्यकारिणी सदस्यों ने किया। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

नि:शुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक मारवाड़ी समाज ने सोमवार को नि:शुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। केएमएस महिला मंडल ने गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की और सचिव प्रभात यदुका ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। मुख्य अतिथि डॉ. सुनील पीके ने शिविर की सराहना की, जबकि विशिष्ट अतिथि बी. कोदंडाराम (सरला देवी कॉलेज) और महावीर विकलांग सहायता समिति के भरत मेहता व शंकर अग्रवाल ने भी शिविर में योगदान दिया। अग्रवाल समाज के वरिष्ठ सदस्य रतन कांदोई, बिपिन राम अग्रवाल और एफटीएस के देवकीनंदन डागा भी उपस्थित रहे। विशाल (जेएमडी ग्रुप), आनंद गिंदोरिया, आनंद अग्रवाल, विजय बांका, अभिमन्यु, मनोज पोद्दार, राकेश जिंदल, गोपी अग्रवाल, मनीष खेमका, सुनील सर्राफ, पिंटू अग्रवाल, रमेश लोयल्का, दिनेश आर्या और पंकज अग्रवाल ने भी भाग लिया। मंच संचालन मोहित तुलस्यान और प्रभात यदुका ने किया।

रेल पहिया कारखाना में हिंदी सप्ताह समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेल पहिया कारखाना, बेंगलूरु में हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से गत 16 सितंबर से सोमवार तक हिंदी सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान हिंदी की विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिसमें रेपका के सभी विभागों के कर्मचारियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया।

सोमवार को हिंदी सप्ताह समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेपका के कर्मचारियों द्वारा बहुभाषा कविता वाचन भी किया गया। महाप्रबंधक, रेपका एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर. राजगोपाल ने प्रतियोगिता में विजयी कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किया। महाप्रबंधक ने बहुभाषा कविता वाचन की सराहना करते हुए कहा कि हमें हिंदी के साथ-साथ भारत की सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए भंडार विभाग को महाप्रबंधक द्वारा अंतर विभागीय राजभाषा चल ट्रॉफी प्रदान किया गया। मानस कुमार पोद्दार, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर व मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अन्य विभागाध्यक्ष कार्यक्रम में उपस्थित रहे। राजभाषा अधिकारी एस. सविता ने उक्त कार्यक्रम का संचालन किया।

नेत्रदान जागरूकता अभियान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि महाअभियान के तहत प्रचार-प्रसार करते हुए तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर ने गायत्री नगर स्थित मरियप्पनपाल्या पार्क में नेत्रदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया। पार्क में आये हुए स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए नेत्रदान कब, कौन, कैसे कर सकते है एवं नेत्रदान के पश्चात कैसे उन नेत्रों का उपयोग होता है, इसकी विस्तृत जानकारी परिषद सदस्यों द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने तेयुप सदस्यों के इस आयाम की खूब-खूब सराहना की। जागरूकता रैली में तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, संजय मांडोत, जयंतीलाल गांधी, सुनील मेहता, चेतन मांडोत, विनोद कोठारी, रवि चौधरी, मुकेश नाहर, मोहन चौरड़िया, योगेश मेहता, पवन कोठारी ने नेत्रदान जागरूकता रैली के अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

जीवन का एक छोर जन्म है तो दूसरा मृत्यु: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सिरोही जैन संघ बेंगलूरु का स्नेह मिलन सम्मेलन समारोह का आयोजन दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ।

संघ के सभी सदस्यों ने उत्सुकता के साथ सम्मेलन में भाग लिया। आयोजन के बीच सभी पुरुष एवं महिला सदस्यों ने पार्श्व भैरव भक्ति में झुमते हुए आनंद के साथ तीर्थ पर सेवा पूजन का लाभ लिया। समारोह के पश्चात धाम के ट्रस्टी रमेश कुमार कटारिया एवं मैनेजर नवरतन ने सिरोही संघ के अध्यक्ष एवं संघ के अन्य सदस्यों का बहुमान किया।

समाचार इस ई-मेल पर भेजें
sl.newsblr1@gmail.com
विज्ञप्ति के साथ सम्पर्क सूत्र का उल्लेख भी करें...

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि हमारी आत्मा अनादिकाल और यह अनंतानंत जन्मों से मोह की नींद में सो रही है। मोह की नींद से जागना कोई सरल कार्य नहीं है। जिन्दगी बीत जाती है लेकिन सूरज नहीं निकलता है। प्रभात होती ही नहीं है। जीवन को जानने के लिये जीवन को जीने के लिए जागना अनिवार्य है। मानव जन्म तो नींद से जागने का अवसर है। अन्तस के द्वार खोलने का श्रम करें। जिसका अन्तस् सोया हुआ है वह जागकर भी सोया हुआ है। जिस भव्यात्मा का अंतस जाग चुका है वह सोकर भी अन्तस की

जाग रहा है। उन्होंने कहा कि आंखों का खुलना ही सच्ची जागृति है। जागृत व्यक्ति कभी मूल नहीं करता। जिस प्रकार यदि आँखें खुली हुई होतो आदमी दिवार से नहीं टकराता अपितु दरवाजे से होकर बाहर निकल जाता है। उन्होंने आगे कहा कि संसार की मोह - आसक्ति, भोगों को और भोगने की इच्छा बना रहना ही जीव के अनंतकाल से इस चौरासी लाख जीवयोनि के चक्र में जन्म-मरण का सबसे बड़ा कारण है। संत - महापुरुष आपको जगाने आते हैं। प्रारंभ में साध्वी स्नेह प्रभा जी ने उत्-ाराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्ययन पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन का एक छोर जन्म है तो दूसरा छोर मृत्यु। जन्म के समय सभी कोरे कागज की भांति पैदा होते हैं। मृत्यु के क्षण तक सारी कथा उस पर लिख दी जाती है। जीवन के रहते मृत्यु का बोध हो जाए तो अमरत्व का पाना संभव हो जाता है। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *स्नेहा जीवी गैलेरा बलगा द्वारा बसवेश्वरा नगर स्थित नेताजी खेल मैदान में तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा खेल को खेल की भावना से खेलें। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

बच्चों का निशुल्क होमोग्लोबिन परीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा संचालित आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, डेंटल एवं आई केयर द्वारा स्पर्श ट्रस्ट आगनवाड़ी सेंटर गौरिपाल्या में रह रहे 3 से 7 वर्ष की आयु के 20 बच्चों का होमोग्लोबिन टेस्ट निशुल्क करवाया गया। प्रभारी नरेश बांठिया ने बताया आगनवाड़ी सेंटर से उनके पास फोन आया था कि वह लोग वहां के बच्चों का होमोग्लोबिन टेस्ट करवाना चाहते हैं। जिसके बाद हमने एटीडीसी से इस कार्य को निशुल्क करवा दिया। सेंटर के केयर टेकर ने तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के इस कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रकाश राठौड़ सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रामकृष्ण सेवा फाउंडेशन एवं मेजर ध्यानचंद खेल उत्थान सीमित ने प्रभु श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में एक विशाल रक्तदान एवं सम्मान समारोह आयोजित किया।

राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान 2024 में भारतवर्ष के विभिन्न क्षेत्रों एवं राज्यों से रक्तदान की अद्भुत सेवा दे रहे सभी रक्तवीर, रक्तविरंगनाओं को इस राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान में मुख्य अतिथि ओलंपियन हॉकी के विश्व विजेता व भारतीय हॉकी टीम के कप्तान अशोक ध्यानचंद, सिगरा मऊ स्टेट जौनपुर की महारानी डॉक्टर अंजू सिंह, मेयर अयोध्या गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह, रोहित, हरैया विधायक अजय सिंह, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, पूर्व मंत्री तेज नारायण पाण्डेय एवं संस्था के अध्यक्ष आकाश गुप्ता ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन दिलीप दुबे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आलोक अग्रवाल, आकाश गुप्ता एवं उनकी पूरी टीम का सहयोग रहा।

बेंगलूरु-मैसूरु मार्च, संघर्ष की प्रथम चरण की जीत

मुख्यमंत्री पद का सम्मान करते हुए तुरंत दें इस्तीफा: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया राज्य उच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करें और सम्मानपूर्वक मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें।

भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य उच्च न्यायालय ने राज्यपाल की कार्रवाई को बरकरार रखा है जिन्होंने मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ जांच की अनुमति दी थी। सिद्धरामैया की अर्जी खारिज कर दी गई है।

उच्च न्यायालय ने कहा है कि कानून के समक्ष हर कोई समान है। हाई कोर्ट में लंबी बहस और प्रतिवाद के बाद यह फैसला आया। राज्यपाल ने सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी थी। कांग्रेस ने राजभवन को केंद्र का एजेंट होने पर आपत्ति जताने के लिए राज्यपाल की आलोचना की। पिछले कुछ महीनों से भाजपा लगातार भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही थी। हमने वाल्मीकि विकास निगम के भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़ी। बाद में, हमने मैसूरु में मुडा घोटाले के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जहां सीएम का परिवार खुद लाभार्थी है। उन्होंने बताया कि भाजपा-जेडीएस ने बेंगलूरु-मैसूरु पदयात्रा आयोजित करके सफलतापूर्वक एक साथ लड़ाई लड़ी थी। जिसमें पूरे राज्य से लाखों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कई आरटीआई कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल से निजी शिकायत की थी। उन्होंने उचित जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देंगे। इसलिए भ्रष्टाचार के दागदार सिद्धरामैया राज्य के विकास के लिए तुरंत इस्तीफा दें। उन्हें विश्वास है कि वे नैतिक जिम्मेदारी के साथ इस्तीफा देंगे। उन्हें नैतिक जिम्मेदारी के तौर पर तुरंत इस्तीफा देना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा था कि मुडा मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। बाद में राजभवन और राज्यपाल पर हमला किया गया। अब हाई कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा है। इसलिए उन्होंने मांग की कि सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हमारे संघर्ष का पहला चरण जीत लिया गया है। वह पार्टी के अगले कदम के बारे में नेताओं और वरिष्ठों से चर्चा कर निर्णय लेंगे। इस मौके पर भाजपा के राज्य सह प्रभारी सुधाकर रेड्डी, राज्य महासचिव नंदीश रेड्डी उप-स्थित थे।

सीएम इस्तीफा दें व मामले की सीबीआई करे जांच: प्रहलाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा सिद्धरामैया द्वारा दायर याचिका को खारिज करने के बाद केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को सीबीआई जांच की मांग की और सिद्धरामैया से राज्य के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का आग्रह किया। जोशी ने कहा अन्य लोगों को भी अवैध रूप से 500-1000 से अधिक साइटें आवंटित की गई हैं। इनमें से अधिकतर पिछले कुछ महीनों में हुई हैं और इसलिए उनकी जांच होनी चाहिए। इसलिए, निष्पक्ष जांच के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना होगा। धारवाड़ से पत्रकारों से वार्ता में भाजपा सांसद ने कहा कि मुडा घोटाले से संबंधित कर्नाटक उच्च न्यायालय का फैसला कर्नाटक में सत्तासीन वर्तमान कांग्रेस सरकार के लिए आंखें खोलने वाला है। जोशी ने कहा इतनी विस्तृत सुनवाई के बाद जो तथ्य सामने

आए हैं, वे वास्तव में सत्ता में बैठे सभी लोगों के लिए आंखें खोलने वाले हैं। यह एक बहुत बड़ा घोटाला है और यह बिना किसी राजनीतिक प्रभाव के नहीं हो सकता। मैं मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने और सीबीआई से जांच की मांग करने का पुरजोर आग्रह करता हूं। फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा सांसद जगदीश शेट्टर ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि निष्पक्ष जांच हो सके। शेट्टर ने कहा अब मुख्यमंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच शुरू की जानी चाहिए। जब उनका नाम शामिल है, उनकी पत्नी का नाम भी है, तो मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि वे नैतिक आधार पर तुरंत इस्तीफा दें। उन्हें मुडा घोटाले की निष्पक्ष जांच की अनुमति देनी चाहिए। यह एक ऐतिहासिक फैसला है और इसे उच्च न्यायालय ने कानूनी दायरे में सुनाया है।

किसी भी जांच का सामना करने में कोई हिचकिचाहट नहीं: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को किसी भी जांच का सामना करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है और वे यह समझने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करेंगे कि क्या कानून के तहत ऐसी जांच की अनुमति है। उन्होंने कहा कानूनी विश-षज्ञों से चर्चा के बाद मैं आगे की कार्रवाई के बारे में फैसला लूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे मीडिया के माध्यम से उच्च न्यायालय के आदेश के बारे में पता चला है। मैं आदेश की पूरी प्रति प्राप्त करने और उसे पढ़ने के बाद जवाब दूंगा। न्यायालय ने राज्यपाल द्वारा धारा 218 के तहत दी गई अभियोजन स्वीकृति को खारिज कर दिया है। न्यायाधीश ने राज्यपाल के आदेश में केवल धारा 17(ए) तक ही अपना निर्णय सीमित रखा है। शिकायतकर्ता ने बीएनएसएस अधिनियम की धारा 218, 17(ए) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत जांच और अभियोजन का अनुरोध किया था। हालांकि, राज्यपाल ने शुरू में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत अभियोजन के अनुरोध को खारिज कर दिया था। न्यायालय ने बीएनएसएस अधिनियम की धारा 218 के तहत राज्यपाल द्वारा दी गई अभियोजन स्वीकृति को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में सच्चाई सामने आएगी और धारा 17 (ए) के तहत दी गई जांच भी रद्द कर दी जाएगी। उन्होंने कहा इस राजनीतिक लड़ाई में कर्नाटक की जनता मेरे साथ है। उनका आशीर्वाद ही मेरी सुरक्षा है। मुझे कानून और संविधान पर पूरा भरोसा है। इस लड़ाई में मेरा दृढ़ विश्वास है कि अंत में सत्य की जीत होगी। यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रतिशोधी राजनीति के खिलाफ लड़ाई है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा भाजपा और जेडीएस की प्रतिशोधी राजनीति के खिलाफ हमारी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। भाजपा और जेडीएस ने राजनीतिक बदला इसलिए लिया है क्योंकि मैं गरीबों के लिए खड़ा हूं और सामाजिक न्याय के लिए लड़ता हूं। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

मुडा मामले पर कोर्ट के फैसले से याचिकाकर्ताओं में जश्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी रिट याचिका को हाईकोर्ट द्वारा खारिज किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा कि वह इस बारे में बाद में बात करेंगे।

इस मामले में याचिकाकर्ताओं - स्नेहमयी कृष्णा, टी.जे. अब्राहम और प्रदीप कुमार - ने फैसले का स्वागत किया और कहा कि फैसले ने सत्य को बरकरार रखा। स्नेहमयी कृष्णा ने कहा कि यह कर्नाटक हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला है। हमने सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ सावधानीपूर्वक दस्तावेज प्रस्तुत किए थे।

इस संबंध में जो भी व्यक्तिगत बयान दिए गए हैं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, दस्तावेजों से पता चलेगा कि मुडा मामले में उनके परिवार के पक्ष में लिए गए सभी फैसले उनके सत्ता में रहने के दौरान लिए गए थे। विपरीत फैसले की स्थिति में भी, मुझे सुप्रीम कोर्ट में न्याय मिलने का भरोसा था, क्योंकि हमारे पास मुडा मामले और सीएम सिद्धरामैया की संलिप्तता से संबंधित सभी दस्तावेज हैं। उन्होंने कहा यह फैसला उन राजनेताओं के लिए सबक है, जो सोचते हैं कि सत्ता में रहते हुए वे कुछ भी कर सकते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता और एक अन्य याचिकाकर्ता टी.जे. अब्राहम ने कहा कि उच्च न्यायालय ने सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ अदालत में पेश किए गए तथ्यों और प्रस्तुतियों के आधार पर अपना फैसला सुनाया है।

एक अन्य याचिकाकर्ता प्रदीप कुमार ने कहा कि उन्होंने पहले लोकायुक्त और फिर राज्यपाल के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी, क्योंकि सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ मुडा के आरोप एक साल पहले लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि अदालत ने मामले में 30 से 32 घंटे तक दलीलें सुनीं और सार्वजनिक तौर पर यह साबित हो गया कि भ्रष्टाचार हुआ है।

पुलिस कर्मियों को राउंड पर रहने का आदेश

इससे पहले राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने संकेत दिया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की राज्यपाल की अनुमति पर उच्च न्यायालय के फैसले की पृष्ठभूमि में राज्य भर में पुलिस को एहतियात के तौर पर अलर्ट पर रहना चाहिए।

मुख्य रूप से सीएम आवास, कार्यालय और कावेरी के पास दो केएसआरपी दस्ते और एक बीएमटीसी बस तैनात की गई और बेंगलूरु, मैसूरु समेत सभी शहरों के आयुक्तों, जिला एसपी और वरिष्ठ अधिकारियों को पुलिस घेरा बनाने का निर्देश दिया गया। साथ ही किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तैयार रहने को कहा गया। डीजीपी ने कहा कि अगर सीएम के खिलाफ फैसला आता है तो राज्य के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन की आशंका है, एहतियात के तौर पर राज्य के सभी जिलों में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने बेंगलूरु के पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व और व्हाइटफील्ड खंड में सतर्क रहने और हर जगह होयसला वाहन गश्त बढ़ाने और एएसआई सहित सभी पुलिस कर्मियों को राउंड पर रहने का आदेश दिया है।

अगर हिंदू पत्थर उठाएंगे, तो कोई मुसलमान नहीं बचेगा: प्रताप सिम्हा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु के पूर्व भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा, जो इस्लामोफोबिक टिप्पणियों और नफरत भरे भाषणों के लिए जाने जाते हैं, ने मुस्लिम समुदाय पर निशाना साधते हुए अपनी टिप्पणी से विवाद को हवा दे दी है, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर हिंदू पत्थर उठाएंगे, तो कोई मुसलमान नहीं बचेगा। सिम्हा ने ये भड़काऊ टिप्पणियां मंगलवार को मैसूरु में महिषा दशहरा उत्सव के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए कीं, जो पारंपरिक दशहरा का एक प्रति-आधिपत्यवादी विकल्प है, जिसे इस साल मैसूरु के पास चामुंडी हिल पर मनाया जाएगा। हिंदू पौराणिक कथाओं में

महिषासुर को आमतौर पर एक राक्षस के रूप में चित्रित किया जाता है, लेकिन 2015 से, कर्नाटक में हाशिए पर पड़े लोगों का एक बढ़ता हुआ आंदोलन रहा है, जो महिषासुर का उत्सव मनाकर अपने सांस्कृतिक इतिहास पर जोर दे रहे हैं। उनका दावा है कि महिषासुर एक बौद्ध शासक था जिसकी हत्या उच्च जाति के आर्यों ने की थी। सिम्हा ने मुस्लिम समुदाय को चेतावनी दी कि वे हिंदुओं को कम न आँकें। उन्होंने कहा हिंदू जिन्होंने परमाणु बम बनाए हैं, वे यह न समझें कि वे पेट्रोल बम नहीं बना सकते हैं। उन्होंने हाल ही में मांड्या जिले के नागमंगला में सांप्रदायिक झड़प में फेंके गए पेट्रोल बमों का स्पष्ट संदर्भ देते हुए यह बात कही। सिम्हा ने कहा हिंदू जो दुनिया के सॉफ्टवेयर उद्योग को चलाते हैं, वे यह न समझें कि वे आप पर हमला नहीं कर सकते। अगर सभी हिंदू अपने हाथ में एक पत्थर उठा लें, तो आप बहुत लंबे समय तक नहीं रह पाएँगे।

सिम्हा ने महिषा दशहरा उत्सव की भी आलोचना की और दावा किया कि यह उत्सव माँ चामुंडी का अपमान करता है और हिंदू समाज में विभाजन को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा जिन लोगों की महिषा में आस्था है, उन्हें घर पर ही उनकी पूजा करनी चाहिए। महिषा दशहरा के नाम पर विभाजन पैदा न करें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर चामुंडी पहाड़ी पर महिषा दशहरा उत्सव जारी रहा, तो चामुंडी के भक्त उत्सव को रोकने के लिए चामुंडी चलो का आयोजन करेंगे। अपनी टिप्पणी में, सिम्हा ने यह भी दावा किया कि दावणगेरे में गणेश उत्सव को बाधित करने के लिए समुदाय विशेष के लोगों द्वारा एक साजिश रची गई थी। उन्होंने दावा किया कि यह कर्नाटक में गणेश-ोत्सव के उत्सव को समाप्त करने के लिए राज्य सरकार द्वारा समर्थित एक बड़ी योजना का हिस्सा था।

कोर्ट के फैसले के बाद

भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के फैसले को बरकरार रखने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को सत्य की जीत करार देते हुए विपक्ष के नेता आर अशोक ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले राज्यपाल ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में साइटों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी थी। विपक्ष के नेता ने कहा जब से राज्यपाल ने अभियोजन की मंजूरी दी है,

मुख्यमंत्री, उनके मंत्रिपरिषद और अन्य कांग्रेस विधायक पूर्व पर हमला कर रहे हैं। मुख्यमंत्री को राज्यपाल पर हमला करना बंद कर देना चाहिए, नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले दो महीनों से कांग्रेस और उसके भ्रष्ट मुख्यमंत्री पर लगातार हमला कर रही है। हाईकोर्ट ने सीएम के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने के राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखा है। साथ ही यह भी कहा है कि कानून की नजर में सभी समान हैं। इसलिए सिद्धरामैया को हाई कोर्ट के फैसले का सम्मान करना चाहिए और सीएम पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

हम सब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ हैं: शिवकुमार

इस्तीफे की संभावना को किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि मुडा मामले में उनके खिलाफ अभियोजन की राज्यपाल की मंजूरी के खिलाफ उनकी याचिका खारिज होने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। हाईकोर्ट के फैसले के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा हम सब उनके साथ हैं। मेरे पास जिम्मेदारी है और मुझे फैसले के बारे में जानना है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ साजिश है। उन्होंने मेरे खिलाफ मामला दर्ज किया था और भगवान की कृपा से मैं इससे बाहर आ गया। मैं उस मामले में जेल भी गया था और अब वह खारिज हो गया है। अब सीएम के खिलाफ बड़ी साजिश है। उन्होंने कहा भाजपा उनके कार्यक्रमों को बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। उनके इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता। देश में भाजपा का विरोध करने वाले सभी राजनेताओं के खिलाफ राजनीतिक साजिश है। हम उनके (सिद्धरामैया) साथ खड़े रहेंगे। वह कर्नाटक में अच्छा काम कर रहे हैं। परिवहन एवं मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दोषी नहीं हैं, क्योंकि आरोपों को साबित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री भविष्य की कार्रवाई के बारे में कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेंगे।

श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा हमें लगा कि मुडा मामले में राज्यपाल का फैसला कानून के खिलाफ है। हालांकि, हमें अदालत के फैसले का सम्मान करना चाहिए। हम पार्टी और सरकार के स्तर पर इस मामले पर चर्चा करेंगे। फैसले से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को कोई झटका नहीं लगा है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में राज्यपाल द्वारा दिए गए अभियोजन आदेश पर सवाल उठाने वाली मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया है।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के कुंडापुर में सोमवार रात को एनएच 66 पर मुलिकट्टे में स्थित आराटे पुल के पास कार-बस की टक्कर में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक की पहचान भटकल के नजीर के रूप में हुई है। नजीर अपने परिवार के साथ मेंगलूरु से भटकल जा रहे थे, तभी तकनीकी समस्या के कारण उन्हें एनएच 66 पर आराटे पुल के पास रुकना पड़ा।

कार की जांच करते समय नजीर को कुंडापुर से गंगोली जा रही एक बस ने टक्कर मार दी, क्योंकि वह दोबारा कार में बैठने की कोशिश कर रहे थे। बस ने कार के दरवाजे को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि नजीर को कुंडापुर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। गंगोली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

सिद्धरामैया के पास सीएम पद से इस्तीफा देने का एकमात्र रास्ता: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले के मद्देनजर मुख्यमंत्री के लिए एकमात्र रास्ता इस्तीफा देना है। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा की लड़ाई जीत गई है। राज्यपाल पर असंवैधानिक एवं आपराधिक आरोप लगाने वाले कांग्रेसियों को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने संवैधानिक पद का अपमान करने के लिए सार्वजनिक माफी की मांग की। मुख्यमंत्री के पास कोई विकल्प नहीं है। वह कानूनी विद्वान हैं। सीएम के सभी वकीलों ने तर्क-वितर्क किया, लेकिन सच्चाई को छिपा नहीं सके। चाहे आप कहीं भी जाएं, सच्चाई छिप नहीं सकती। झूठ नहीं जीतता। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप झूठ बोलेंगे तो आपका मजाक उड़ाया जाएगा। आप भी बोलिये सत्य की जय। आपका एकमात्र विकल्प इस्तीफा देना है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया को इससे ज्यादा पाखंडी नहीं होना चाहिए। अब जो किया गया है वह और भी विश्वासघात है। उन्होंने सलाह दी कि अभी धोखा न दें। उन्होंने कहा कि इस्तीफा दें और कर्नाटक की गरिमा को बरकरार रखें। आपने एसीबी के जरिये कई मामले बंद किये हैं। आपने भ्रष्टाचार के मामले के कारण लोकायुक्त को भी कमजोर कर दिया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने एसीबी के जरिए क्लीन चिट देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि आप इस तथ्य से अवगत हैं कि ऐसा हमेशा होता रहता है। उन्होंने मांग की कि आप कोर्ट के फैसले का सम्मान करें और नैतिक जिम्मेदारी के तौर पर इस्तीफा दें।

महालक्ष्मी हत्याकांड शहर पुलिस के लिए बन रही चुनौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस जांच में पता चला है कि सिलिकॉन सिटी को हिलाकर रख देने वाले व्यालीकावल के महालक्ष्मी हत्याकांड को हत्यारे ने बड़ी चालाकी से अंजाम दिया था। महालक्ष्मी, एक अकेली महिला, को चाकू से भयानक तरीके से मार डाला गया, फिर टुकड़ों में काट दिया गया, एक्सल ब्लेड से काटा गया, गंध को रोकने के लिए रसायनों के साथ छिड़का गया और एक सब्जी की व्यवस्था की तरह रेफ्रिजरेटर में रखा गया। आरोपियों ने कुछ रसायन छिड़का था, घर को साफ किया था और ताला लगा दिया था, ताकि घर के अंदर कोई खून के धब्बे न दिखें जहां महालक्ष्मी की हत्या की गई थी और चतुराई से उस इलाके को खाली कर दिया था। आरोपी ने अपना कृत्य पूर्व नियोजित साजिश के तहत किया था, ताकि अगर कोई इस घर के अंदर आए तो उसे पता न चले कि उसकी हत्या कर दी गई है। यह जानते हुए कि यदि यह हत्या उजागर हुई तो पुलिस उसके लोगों की तलाश करेगी, आरोपी अपने गृहनगर न जाकर उत्तर पूर्वी राज्यों में छिपा हुआ है। उसने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया है। पुलिस ने महालक्ष्मी का मोबाइल जब्त कर लिया और उसमें कॉल के आधार पर अधिक जानकारी एकत्र की और हत्यारे की खोज की। महालक्ष्मी की हत्या करने के बाद हत्यारा दो-तीन दिनों तक उनके घर में रुका, बहुत सावधानी से सारे सबूत नष्ट कर दिए, पूरे घर की जाँच की कि क्या पुलिस को कोई और निशान मिल सकता है, फिर जगह खाली कर दी। कुल मिलाकर अकेली महिला महालक्ष्मी हत्याकांड शहर पुलिस के लिए एक चुनौती है और हत्यारा कितना भी शातिर क्यों न हो, पुलिस उसे जल्द ही पकड़ लेगी।

एनआईए ने दो लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आतंकवाद को वित्तपोषित करने सहित अन्य राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों की पहचान आईएसआईएस के कट्टरपंथी अब्दुल मथीन अहमद ताहा उर्फ ताहा और मुसाविर हुसैन शाजिब उर्फ शाजिब के रूप में हुई है, जिनके खिलाफ एनआईए ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में पहले भी आरोप पत्र दायर किया था। जांच एजेंसी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि शिवमोग्गा जिले के निवासी, दोनों लोग इस मामले में सह-आरोपी सहित भोले-भाले मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने में लगे हुए थे। एनआईए ने यहां एक विशेष अदालत के समक्ष दोनों कट्टरपंथियों के खिलाफ अपना तीसरा पूरक आरोप पत्र दायर किया। इसके साथ ही मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया जा चुका है। इसमें कहा गया है कि नवंबर 2022 में कर्नाटक पुलिस से एनआईए द्वारा लिया गया मामला प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस, आईएसआईएस) की भारत विरोधी गतिविधियों से संबंधित है।

कन्नड़ और इसकी संस्कृति को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दे सरकार: तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार द्वारा आंगनवाड़ी शिक्षक पदों के लिए उर्दू को अनिवार्य करने के बाद, भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को एक पत्र लिखा और आदेश को तुरंत वापस लेने और कन्नड़ और इसकी संस्कृति को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। तेजस्वी सूर्या ने मंगलवार को एक्स पर पत्र की एक प्रति पोस्ट करते हुए कहा कांग्रेस कर्नाटक में आंगनवाड़ी में उर्दू को अनिवार्य बनाने के लिए टीपू और हैदर अली जैसे फरमानों के साथ कन्नड़ लोगों को फंसा रही है। उन्होंने सीएम को तुरंत आदेश वापस लेने और कन्नड़ और इसकी संस्कृति को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देने को कहा। पत्र में, सूर्या ने कर्नाटक सरकार के उस कदम की निंदा की, जिसमें मुदिगेरे और चिकमगलूरु जिलों में आंगनवाड़ी शिक्षक पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए उर्दू को अनिवार्य भाषा के रूप में अनिवार्य कर दिया गया था। सूर्या ने कहा यह निंदनीय है कि बाल एवं महिला कल्याण मंत्रालय ने आंगनवाड़ी नौकरियों के लिए उर्दू योग्यता का आदेश दिया है। यह कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हो रहा है। कर्नाटक में कांग्रेस भूल गई कि कर्नाटक में कन्नड़ सर्वोच्च है। यह कर्नाटक में कन्नड़ के अस्तित्व के लिए एक बड़ा झटका होगा। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि ऐसे आदेश देने वाले संबंधित अधिकारियों को निलंबित करें और कन्नड़ के खिलाफ साजिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। इससे पहले सोमवार को, पूर्व भाजपा सांसद नलिनकुमार कटील ने इस कदम की निंदा की और कहा कि आंगनवाड़ी शिक्षक की नौकरी पाने के लिए उर्दू जानना जरूरी है, यह घोषणा अस्वीकार्य है। कटील ने एक्स पर पोस्ट किया यह मुस्लिम समुदाय को खुश करने और नौकरी के अवसरों को सीमित करने का कांग्रेस का एक और प्रयास है। यह एक खतरनाक राजनीतिक रणनीति है। इस बीच, कर्नाटक भाजपा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस कन्नड़ गौरव और संस्कृति को दरकिनार कर रही है। कन्नड़, एक समृद्ध इतिहास और विरासत वाली भाषा है, जिसे जीवित रहने के लिए उर्दू की जरूरत नहीं है। हमारे लोगों पर उर्दू क्यों थोपी जा रही है। यह कर्नाटक भारत है, पाकिस्तान नहीं। तुष्टिकरण की नीतियाँ कन्नड़ गौरव और संस्कृति को दरकिनार कर रही हैं। हम कन्नड़ का अपमान नहीं होने देंगे। हम इस अन्याय से लड़ेंगे।

कर्नाटक के सीएम अपने साथियों की गलत सलाह के कारण मुश्किल में: ए.एच. विश्वनाथ

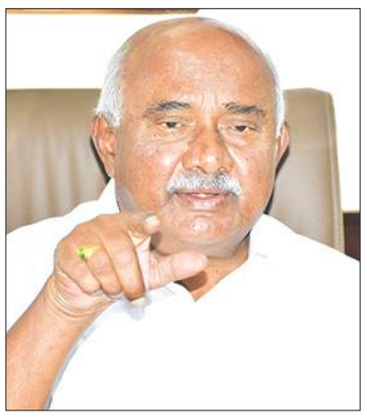

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एमएलसी ए.एच. विश्वनाथ ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से इस्तीफा देने का आग्रह किया, क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) की भूमि को उनकी पत्नी को आवंटित करने में कथित घोटाले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को खारिज कर दिया है।

विश्वनाथ ने कहा कि इस घटनाक्रम ने सिद्धरामैया के 50 साल से अधिक के बेदाग राजनीतिक करियर को कलंकित कर दिया है।

उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री के इर्द-गिर्द मौजूद मंडली की गलत सलाह को जिम्मेदार ठहराया। विश्वनाथ ने कहा इससे न केवल सिद्धरामैया का बेदाग राजनीतिक रिकॉर्ड खराब हुआ है, बल्कि इस घटनाक्रम से राज्य की बदनामी भी हुई है, जिसका के.सी. रेड्डी के कार्यकाल से ही मुख्यमंत्रियों के बीच उच्च ईमानदारी का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। रेड्डी राज्य के पहले मुख्यमंत्री थे। एमएलसी ने कहा कि सिद्धरामैया कुरुबा, अहिंदा समुदाय के सदस्यों और दलितों के प्रयासों और इच्छाओं के कारण दो बार मुख्यमंत्री बने।

विश्वनाथ ने कहा सिद्धरामैया के हालिया रवैये और कार्यशैली से वे सभी निराश हुए, जिसमें अहंकार और अहंकार की बू आ रही थी। एमएलसी ने कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला सरकार और निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक चेतावनी भी है कि वे अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकते। जब मुडा घोटाला सामने आया, तो मैंने सिद्धरामैया को सलाह दी थी कि वे साइटों को सरेंडर कर दें और जांच का आदेश दें। लेकिन उन्होंने सलाह को नजरअंदाज करना चुना और अपने करीबी लोगों का बचाव करने की कोशिश की। इस प्रक्रिया में, उन्होंने अपना खुद का ट्रैक रिकॉर्ड और छवि खराब की है। एमएलसी ने कहा कि सिद्धरामैया को उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय जाने से बचना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अपील करने से और अधिक बदनामी के अलावा कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

दिनदहाड़े दो महिलाओं से छेड़छाड़, आरोपी को पुलिस के हवाले किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में मंगलवार को नवभारत सर्किल के पास दो महिलाओं के साथ दिनदहाड़े छेड़छाड़ की गई। लगभग 10:25 बजे, शिकायतकर्ता और उसकी सहेली सर्किल के पास टहल रही थीं, तभी एक संदिग्ध व्यक्ति उनके पास आया। उसने उनका रास्ता रोका और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया, स्पष्ट यौन प्रस्ताव दिए, जिसमें कहा गया, मैं तुम्हें पैसे दूंगा, मेरे साथ आओ। ऐसा माना जाता है कि उसके इरादे स्पष्ट रूप से दुर्भावना-पूर्ण और यौन प्रकृति के थे। शिकायतकर्ता ने उत्पीड़न के खिलाफ अपनी बात रखी और राहगीरों की मदद से, वे स्थानीय पुलिस के आने तक उस व्यक्ति को हिरासत में रखने में सफल रहे। महिला पुलिस थाने में एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई है। अधिकारी क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के लिए घटना की जांच कर रहे हैं।

अमेरिकी दौरे से वापस लौटे पीएम मोदी

सरकार के साथियों समेत भाजपा के दिग्गज नेताओं ने यात्रा को बताया ऐतिहसिक

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा समाप्त कर वतन वापस आ गए हैं। वे विमान से मंगलवार रात दिल्ली हवाई अड्डे पहुंचे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को विलमिंगटन में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने रविवार को लॉन्ग आइलैंड में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के हजारों सदस्यों के विशाल कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के भविष्य का शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने इन तीनों दिन विश्व के नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी की। उनके दौरे को देश में उनकी सरकार के साथियों समेत उनकी अपनी पार्टी के दिग्गज नेताओं ने ऐतिहसिक करार दिया है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने ट्वीट किया, मैं प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करता हूं क्योंकि वे संयुक्त राज्य अमेरिका की सफल यात्रा के बाद भारत लौट रहे हैं। हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे राजनेता के नेतृत्व में काम करने का मौका मिला है।

उन्होंने राष्ट्रों के बीच भारत की स्थिति को मजबूत किया है और निस्संदेह एक बड़े विश्व नेता के रूप में उभरे हैं, जो समुदायों और देशों को एक साथ ला रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में उनका संबोधन विश्व नेताओं के लिए भारत के महत्व और आने वाले वर्षों में वैश्विक मंच पर हमारी भूमिका के महत्व का प्रमाण है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने के लिए लिए गए निर्णय स्वागत योग्य हैं। दोनों देशों के बीच लिए गए निर्णयों से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं और उनसे उत्पन्न होने वाले नए अवसरों को लेकर बिहार की जनता उत्साहित है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, एक भारतीय होने के नाते मुझे प्रधानमंत्री मोदी पर गर्व है। उनकी हर अंतरराष्ट्रीय यात्रा न केवल देश के सम्मान को बढ़ाती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश की मजबूत पहचान को भी बढ़ाती है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि आज अगर भारत कुछ बोलता है तो दुनिया सुनती है, क्योंकि भारत ने हर क्षेत्र में योगदान दिया है। जिस तरह से प्रधानमंत्री ने अलग-अलग कंपनियों के सीईओ से मुलाकात की। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मजबूत पहचान को दर्शाता है। क्वाड समिट में भी अलग-अलग विषयों पर चर्चा हुई। यह एक मजबूत भारत, एक विकसित भारत की ओर एक कदम है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं और इस यात्रा के सफल समापन के लिए उन्हें बधाई देता हूं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, वैश्विक नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की अपनी तीन दिवसीय यात्रा समाप्त कर आज भारत लौट रहे हैं। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में क्वाड लीडर्स समिट और भविष्य के शिखर सम्मेलन में भाग लिया जो अपने आप में अनूठा था, इसके साथ ही उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान जो महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें कीं, वे राष्ट्र की प्रगति के लिए सार्थक होंगी। केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा पैमाने और इसके परिणामों के मामले में महत्वपूर्ण और सार्थक रही है। हर भारतीय को इस बात पर गर्व है कि राष्ट्रपति बाइडन ने डेलावेयर में अपने आवास पर पीएम मोदी की मेजबानी की। दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्रों के नेताओं के बीच यह निरंतर जुड़ाव वैश्विक शांति और कल्याण के लिए बहुत अच्छा है। भारत के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मैं क्वाड नेताओं द्वारा कैंसर मूनशॉट पहल शुरू करने से बहुत खुश हूं। इससे कैंसर के खिलाफ लड़ाई को मजबूती मिलेगी और दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन पर असर पड़ेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा बेहद सफल रही है। हमारे प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात और समिट ऑफ द फ्यूचर में प्रधानमंत्री मोदी का वक्तव्य भारत की बढ़ती साख को दर्शाता है। प्रधानमंत्री एक सच्चे वैश्विक नेता हैं। कोरोना के दौरान भी पूरी दुनिया ने पीएम मोदी के नेतृत्व का लोहा माना है। वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का उनका विजन वैश्विक शांति और मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मध्य प्रदेश पीएम मोदी के मार्गदर्शन में विश्वगुरू के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करने के हर प्रयास में मजबूती से खड़ा है। हमें गर्व है कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर हम नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसान संगठनों के सुझावों पर कार्य योजना तैयार करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को किसानों और किसान संगठनों के सुझावों पर संबंधित अधिकारियों को कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

श्री चौहान ने यहां पूसा परिसर में किसानों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा खेती और किसानी पर गंभीरता से विचार विमर्श किया। इस अवसर पर श्री चौहान ने कहा कि वह प्रत्येक मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के पूसा परिसर में किसानों और किसान संगठनों से मुलाकात किया करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों और देश हित में फैसले लिए जा रहे हैं। किसानों के साथ मिल-बैठकर समाधान का प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा, अंतरात्मा की आवाज पर किसानों की भलाई के लिए काम कर रहे हैं तथा पूरी ईमानदारी से कोशिश हो रही है।

मुलाकात के दौरान श्री चौहान ने किसानों और किसान संगठनों की शिकायतों तथा सुझावों को सुना। विभिन्न राज्यों के किसान संगठनों ने कृषि क्षेत्र में हुए सुधारों को महत्वपूर्ण बताया और उन्हें लागू करने के सुझाव दिए। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात करने वाले किसान नेताओं में रघुनाथ दादा पाटिल (महाराष्ट्र),

अशोक बालियान (उत्तर प्रदेश), केपी सिंह, धर्मेंद्र मालिक (उत्तर प्रदेश), सलविंद सिंह तथा सुरेंद्र सिंह चौहान (दिल्ली), हरि चंद्र गहलोत, सेवा सिंह आर्य और अमन सिंह (हरियाणा) तथा अमन सिंह, राजेंद्र सिंह, ऊधम सिंह, मांगेराम त्यागी और दलजीत कौर रंधावा सहित कई नेता शामिल थे। इसके अलावा किसान नेता सतेंद्र सिंह तुगाना के साथ मिले प्रतिनिधि मंडल में सर्वश्री धर्मपाल सिंह,धर्मवीर सिंह ,राजपाल सिंह, संजीव सिंह,वीरसेन सिंह,महावीर सिंह,धर्मेन्द्र सिंह,योगेन्द्र सिंह और नरेन्द्र सिंह भी शामिल थे। केंद्रीय कृषि मंत्री ने आश्वस्त किया कि सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। किसानों और किसान संगठनों से संवाद के दौरान श्री चौहान ने संबंधित अधिकारियों को कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा, हमारे अधिकारी प्राप्त सुझावों पर तत्काल गंभीरता-पूर्वक विचार करें और किसानों के हित में जो भी कार्य किए जा सकते हैं, इसकी पूरी कार्य योजना मेरे समक्ष रखें ताकि आवश्यक निर्णय लेकर उन्हें लागू किया जा सकें। उन्होंने कहा कि किसानों की भलाई, उनके उत्थान के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जायेगी। चर्चा के दौरान किसानों को सभी फसलों के उचित दाम दिलाने के लिए सुझाव दिए गए। फल-सब्जी, दूध, शहद आदि का भी उचित भाव दिलाने की मांग की गई।

सरकार की बाजार हस्तक्षेप योजना को और प्रभावी बनाने, प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर फसल बीमा योजना में छोटे किसानों पर ध्यान देने, जलवायु परिवर्तन से कृषि को बचाने के लिए वृहद कार्ययोजना लाने, सस्ते-प्रामाणिक बीज उपलब्ध कराने, किसान सम्मान निधि में आवश्यक संशोधन करने, आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा की व्यवस्था करने, कृषि उत्पादों का निर्यात निर्बाध जारी रखने और कृषि आयात को नियंत्रित करने की मांग किसान संगठनों ने की। श्री चौहान ने मुलाकात के दौरान किसानों और किसान संगठनों को कृषि और किसानों के हित में लिए गए सरकार के फैसलों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार काम किया जा रहा है। कृषि जगत से जुड़ी अनेक योजनाएं पिछले 10 वर्षों में लागू की गई है और ये क्रम जारी है।

तीन धन्नासेठ भी हैं जम्मू कश्मीर के चुनाव मैदान में

जम्मू, 24 सितंबर (ब्यूरो)।

अनुमान लगाइए कि जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में तीन सबसे अमीर राजनेता कौन हैं? तीनों में एक बात समान है कि वे तीनों ही कुशल व्यवसायी हैं, और अपने व्यावसायिक कौशल, मजबूत व्यक्तित्व, विकास की मानसिकता और स्मार्ट निवेश विकल्पों के लिए जाने जाते हैं।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के सभी उम्मीदवारों द्वारा भारत के चुनाव आयोग के पास जमा किए गए आय और संपत्ति के हलफनामों के अनुसार, सूची में सबसे ऊपर अपनी पार्टी के प्रमुख सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी हैं, जिनकी कुल संपत्ति 165 करोड़ है। बुखारी के कई व्यवसाय हैं, और उन्हें अपने पिता मुहम्मद इकबाल बुखारी से काफी व्यवसायिक संपत्ति विरासत में मिली है। जम्मू कश्मीर के कृषि रसायन क्षेत्र में भी उनके महत्वपूर्ण व्यवसाय हैं, और वे जम्मू कश्मीर में खेती में सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले कृषि रसायनों में से एक का उत्पादन और आपूर्ति करते हैं।

सूची में दूसरे स्थान पर जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा हैं, जिनकी संपत्ति 148 करोड़ है। कर्रा श्रीनगर के प्रसिद्ध कर्रा परिवार से हैं, जो पिछले कई दशकों से अपने व्यापारिक प्रयासों के लिए जाना जाता है और आज विभिन्न क्षेत्रों में कई व्यावसायिक हित रखता है। बुखारी की तरह, कर्रा को भी अपने पिता और परिवार से महत्वपूर्ण संपत्ति विरासत में मिली है। पूर्व नेकां जम्मू प्रांतीय अध्यक्ष और अब भाजपा नेता, देवेंद्र सिंह राणा ने 126 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। वह सूची में तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनके वित्तीय खुलासे में चल और अचल संपत्ति का मिश्रण दिखाई देता है। राणा की संपत्ति मुख्य रूप से जमकाश व्हीकलडेस कार डीलरशिप में उनके शेयर से आती है, जो जम्मू क्षेत्र में मारुति सुजुकी ब्रांड की कारों का वितरण करती रही है। वह टेक 1 टीवी नेटवर्क के भी मालिक हैं।

इस विधानसभा चुनाव में सभी दलों में बड़ी संख्या में धनी उम्मीदवार (करोड़पति) दिख रहे हैं। चुनाव निगरानी संस्था, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और जम्मू और कश्मीर इलेक्शन वॉच ने विधानसभा चुनाव लड़ रहे 873 उम्मीदवारों में से 872 के स्व-शपथ पत्रों का विश्लेषण किया है। विश्लेषण किए गए 872 उम्मीदवारों में से 410 (47 प्रतिशत) करोड़पति हैं। 2014 के जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनावों में, 831 उम्मीदवारों में से केवल 317 (38 प्रतिशत) करोड़पति थे। प्रतिशत के हिसाब से, करोड़पति उम्मीदवारों की संख्या 2014 में 38 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 47 प्रतिशत हो गई है। उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 2014 में रू1.93 करोड़ से दोगुनी होकर 2024 में रू3.65 करोड़ हो गई है। पार्टी-वार संपत्ति विश्लेषण से पता चलता है कि भाजपा उम्मीदवार औसत संपत्ति में सबसे आगे हैं, जो अधिक धनी राजनीतिक उम्मीदवारों की ओर रुझान को दर्शाता है।

पांच से छह साल में मिशन मोड में लगाया जाएगा कवच 4.0 : अश्विनी वैष्णव

कवच के नए संस्करण 4.0 किया सफल परीक्षण

सवाई माधोपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम मध्य रेलवे के सवाई माधोपुर क्षेत्र में स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 के परीक्षण की सफलता पर प्रसन्नता जताई और कहा कि देश में कवच को 5 से 6 साल में मिशन मोड में पूरे नेटवर्क पर लगाया जाएगा।

भारतीय रेलवे में रेलगाड़ियों की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्वदेशी तकनीक से निर्मित स्वचालित सुरक्षा प्रणाली (एटीपी) कवच के नये संस्करण 4.0 आज यहां सफल परीक्षण किया गया। रेल मंत्री श्री वैष्णव दिल्ली मुंबई के ट्रंक मार्ग पर सवाई माधोपुर- कोटा सेक्शन पर कवच 4.0 के परीक्षण के प्रत्यक्षदर्शी बने। पश्चिम मध्य रेल ने मात्र दो महीनों में 108 किलोमीटर रेल ट्रैक पर कवच संस्करण 4.0

स्थापित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। श्री वैष्णव ने सवाई माधोपुर में ट्रैक के किनारे टॉवर का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने विशेष ट्रेन से 35 किलोमीटर दूर इंदरगढ़ सुमेरगढ़ मंडी तक कवच प्रणाली का अलग अलग गति पर परीक्षण किया।

श्री वैष्णव ने इंदरगढ़ सुमेरगढ़ मंडी स्टेशन पर संवाददाताओं से कहा कि यह दरअसल कवच 4.0 का परीक्षण नहीं प्रदर्शन था। कवच ने विश्व में सर्वोत्कृष्ट तकनीकी मानक का प्रमाणन एसआईएल-4 हासिल किया है। विश्व के तमाम उन्नत देश भी भारत की स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली कवच को बहुत उत्सुकता से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब 9000 किलोमीटर के रेलमार्ग पर कवच लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस प्रणाली से रेलवे मानवीय त्रुटि के कारण दुर्घटनाओं को टालने में सक्षम हो गई है। सवाई माधोपुर से सुमेरगंज मंडी तक कवच के सात परीक्षण किए गए। पहला, 130 किमी प्रति घंटे की गति से ड्राइवर गाड़ी दौड़ा रहा था लेकिन सिग्नल पार करने पर स्वचालित रूप से कवच होम सिग्नल पर रुक गया क्योंकि सिग्नल से 50 मीटर दूर जाने की अनुमति नहीं है। स्थायी गति प्रतिबंध परीक्षण 120 किमी प्रति घंटे का था और ड्राइवर 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन ले जा रहा था लेकिन कवच ने पूरी सावधानी से गति को नियंत्रित किया। लूप लाइन सेटिंग के परीक्षण में ट्रेन को 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से लाया गया लेकिन कवच ने गति को 30 किमी प्रति घंटे तक नियंत्रित किया। चौथे परीक्षण में स्टेशन मास्टर ने असामान्यताओं का संदेश दिया और कवच ने स्वचालित रूप से ट्रेन रोक दी।

लेवल क्रॉसिंग सीटी परीक्षण में क्रासिंग पर चालक ने हॉर्न का उपयोग नहीं किया, लेकिन कवच ने क्रासिंग गेट नंबर 148 पार करते समय स्वचालित रूप से हॉर्न बजाया। लोको की कैब पर अगले सिग्नल पहलू के बारे में परीक्षण किया गया। यह कैब सिग्नलिंग का भी परीक्षण था। होम सिग्नल पार टेस्ट में ड्राइवर ने होम सिग्नल लाल होने पर उसे पार करने की कोशिश की। कवच ने उन्हें पार नहीं करने दिया और ब्रेक लगा दिया।

रेलवे के सूत्रों का कहना है कि भारतीय रेलवे द्वारा स्वदेशी तकनीक से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली, कवच, ने अपने पूर्ववर्ती, ट्रेन सुरक्षा और चेतावनी प्रणाली (टीपीडब्ल्यूएस) की कई समस्याओं का समाधान किया है और इसके विकास से रेलवे सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कवच प्रणाली का उद्देश्य रेल यातायात की सुरक्षा और दक्षता में सुधार करना है, और यह भारतीय रेलवे की सुरक्षा और आधुनिकीकरण योजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कवच एटीपी सिस्टम रेल परिवहन में ऐसी सुरक्षा प्रणाली है, जो ट्रेनों को सुरक्षित गति से अधिक गति से चलने या लाल सिग्नल पार करने से रोकती है। यह स्वचालित रूप से ट्रेन की गति को नियंत्रित करती है और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यकता पड़ने पर ब्रेक लगा सकती है। एटीपी सिस्टम आधुनिक रेलवे सिग्नलिंग प्रणालियों का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो मानव त्रुटि के विरुद्ध एक सुरक्षा कवच प्रदान करता है और ट्रेनों की सुरक्षित ऑपरेशन सुनिश्चित करता है।

बीरवाह में सुगरा बरकती का भावनात्मक आकर्षण

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 24 सितंबर।

सुगरा बरकती द्वारा अपने पिता, जेल में बंद धार्मिक विद्वान सरजन बरकती के समर्थन में चलाए गए आक्रामक और भावनात्मक अभियान ने बीरवाह निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों को चौंका दिया है क्योंकि वह बड़ी भीड़ को आकर्षित कर रही है और राजनीतिक गतिशीलता को नया आकार दिया है।

बीरवाह में 12 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के शफी अहमद वानी, जम्मू कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (भीम) के अली मोहम्मद डार, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के गुलाम अहमद खान, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के शौकत वानी, अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस के शौकत हुसैन मीर और समाजवादी पार्टी के निसार डार शामिल हैं। जबकि आजाद उम्मीदवारों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नजीर अहमद खान, सरजन अहमद वागय, संजय परवा, फारूक गनई, मीर फनून फारूक और नजीर अहमद खान शामिल हैं। बीरवाह निर्वाचन क्षेत्र में कुल 97,604 मतदाता हैं, जिनमें 49,709 पुरुष मतदाता, 47,891 महिला मतदाता और चार तृतीय लिंग मतदाता हैं। पर मुख्य मुकाबला पीडीपी के गुलाम अहमद खान, नेकां के शफी वानी और डीडीसी अध्यक्ष नजीर अहमद खान के बीच ही है, जिन्हें इंजीनियर राशीद की अवामी इत्तेहाद पार्टी का समर्थन प्राप्त है।

हालांकि, राजनीतिक पंडित कहते हैं कि सुगरा बरकती के अभियान ने महत्वपूर्ण गति प्राप्त की है। उनके भावनात्मक भाषणों और जमीनी स्तर पर जुड़ाव ने उन्हें एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित किया है, जो संभावित

रूप से अपेक्षित चुनावी गतिशीलता को बाधित कर सकता है। पिछले चुनाव परिणाम 2014 के चुनावों में, बीरवाह निर्वाचन क्षेत्र में 93,046 पंजीकृत मतदाता थे, जिनमें से 69,397 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला ने 23,717 वोट हासिल करके सीट जीती, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नजीर अहमद खान 22,807 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, और 910 वोटों के अंतर से हार गए।

वर्ष 2008 के चुनावों में, निर्वाचन क्षेत्र में 83,941 मतदाता थे, और 47,995 वैध वोट पड़े। पीडीपी के शफी अहमद वानी 11,720 वोटों के साथ विजयी हुए, उन्होंने नेकां के अब मजीद मट्टू को मामूली अंतर से हराया, जिन्होंने 11,556 वोट हासिल किए, लेकिन सिर्फ़ 164 वोटों से। 2002 में, बीरवाह निर्वाचन क्षेत्र में 72,976 मतदाता थे, और 25,583 वैध वोट थे। पीडीपी के मोहम्मद सरफराज खान ने 16,886 वोटों के साथ जीत हासिल की, उन्होंने नेकां उम्मीदवार मोहम्मद अमीन बांडे को हराया, जिन्हें 4,966 वोट मिले, और उन्होंने 11,920 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। इसी तरह से 1996 में, निर्वाचन क्षेत्र में 62,988 मतदाता थे, और 43,550 वैध वोट डाले गए थे। नेकां के आगा सैयद महमूद अलमोसवी ने 19,456 वोटों के साथ सीट जीती, उन्होंने जनता दल के उम्मीदवार सरफराज खान को हराया, जिन्हें 17,798 वोट मिले, 1,658 वोटों के अंतर से।

वर्ष 1987 के चुनावों की बात करें तो निर्वाचन क्षेत्र में 45,062 मतदाता थे, और 32,446 वैध वोट थे। नेकां के सैयद अहमद सैयद ने 15,341 वोटों के साथ जीत हासिल की, जबकि स्वतंत्र उम्मीदवार गुलाम मोहम्मद मीर 10,016 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जो 5,325 वोटों से हार गए। वर्ष 1983 में, निर्वाचन क्षेत्र में 40,739 मतदाता थे, और 22,747 वैध वोट डाले गए। नेकां के सैयद अहमद सईद 13,879 वोटों के साथ जीते, जबकि पीसी के अब्दुल अहद मगरे 2,903 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, और 10,976 वोटों से हार गए। 1977 में, निर्वाचन क्षेत्र में 35,225 मतदाता थे, जिनमें 24,563 वैध वोट थे। नेकां के अहमद सईद ने 14,918 वोटों के साथ सीट जीती, उन्होंने जनता पार्टी के उम्मीदवार सैयद अली शाह को 7,181 वोटों के अंतर से हराया था।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण आज

कहीं चाचा-भतीजा तो कहीं मामा-भांजा हैं आमने सामने

जम्मू, 24 सितंबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में 10 सालों के बाद हो रहे विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में हालांकि 239 उम्मीदवार 26 विधानसभा क्षेत्रों से किस्मत आजमा रहे हैं पर इनमें खास बात यह है कि कल होने जा रहे मतदान में कहीं से चाचा-भतीजा और कहीं से मामा-भांजा आमने सामने हैं।

जम्मू कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों में एक श्रीनगर की ऐतिहासिक लाल चौक की सीट भी है। इस सीट पर प्रत्याशियों के बीच जबरदस्त मुकाबला होने की उम्मीद जताई जा रही है। लाल चौक सीट पर 25 सितंबर को दूसरे चरण में मतदान होना है। अन्य प्रत्याशियों के अलावा इस सीट पर चाचा और भतीजा भी आमने-सामने हैं और एक दूसरे को मात देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा को उम्मीद है कि वह पहली बार इस सीट पर अपना परचम लहरा सकती है जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस के इरादे भी कुछ ऐसे ही हैं।

लाल चौक से ताल ठोक रहे अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता अशरफ मीर और पीडीपी के युवा उम्मीदवार जुहैब यूसुफ मीर रिश्ते में चाचा भतीजा हैं। अशरफ मीर पीडीपी की सरकार में मंत्री रह चुके हैं और उन्होंने 2014 के विधानसभा चुनाव में सोनावर सीट से जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को मात दी थी। हालांकि 2018 में भाजपा और पीडीपी का गठबंधन टूटने के बाद अशरफ मीर ने पीडीपी का दामन छोड़ दिया था और अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी में शामिल हो गए थे।

महिलाओं के नेतृत्व क्षमता विकास में महिला आयोग की बड़ी भूमिका: योगी

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवगठित राज्य महिला आयोग को बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि देश में अतिशीघ्र नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रभावी होने जा रहा है। इसके माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की कुल सीटों में से एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। प्रदेश की महिलाओं को इसका वास्तविक लाभ मिल सके, इसके लिए उनमें नेतृत्व क्षमता विकास के लिए विशेष प्रयास किया जाना आवश्यक है। महिला हितों के संरक्षण तथा उनके कल्याण में राज्य महिला आयोग की बड़ी भूमिका है। राज्य महिला आयोग इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार करे।

मंगलवार को नवगठित राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष द्वय और सदस्यों सहित सभी पदाधिकारियों के साथ विशेष बैठक में मुख्यमंत्री जी ने राज्य महिला आयोग के गठन के उद्देश्यों, दायित्वों, अधिकारों पर भी चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिलाओं/बेटियों की सुरक्षा और उनके विकास के लिए अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा महिलाओं के हित में अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। महिलाओं की सहायता के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। इनके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। आयोग के पदाधिकारियों को जनपदीय प्रवास के दौरान इन प्रयासों/कार्यक्रमों के बारे में स्थानीय महिलाओं से संवाद करना चाहिए। वहां से प्राप्त फीडबैक से मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराया जाना अपेक्षित है। यदि कतिपय कारणों से किसी को योजना का लाभ नहीं मिल सका है, तो उनके लिए आयोग द्वारा संस्तुति भी की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भिक्षावृत्ति की अवैध गतिविधियों से फंसे बच्चों को मुक्त कराकर उनकी पढ़ाई, आवास आदि की व्यवस्था कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किया जा रहा है। राज्य महिला आयोग इस कार्य में प्रभावी योगदान करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के सहयोग से वृंदावन में निराश्रित महिलाओं के लिए कृष्णा कुटीर की स्थापना की गई है। निराश्रित महिला केंद्र भी संचालित हैं। यहां निवासरत महिलाओं में बहुत सी शिक्षित हैं। कुछ में हस्तशिल्प का हुनर है। कुछ अन्य किसी विधा की जानकार हैं। इनकी प्रतिभा, क्षमता का सही उपयोग हो, इसके लिए आयोग को इन महिलाओं से संवाद कर अपने सुझाव देने चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि आयोग की पदाधिकारियों द्वारा महिला संवासिनी गृहों, अटल आवासीय विद्यालयों,कस्तूरबा विद्यालयों, महिला छात्रावासों, आश्रम पद्धति के विद्यालयों का भी निरीक्षण किया जाना चाहिए। वहां की व्यवस्था का अवलोकन कर सुधार के लिए अपने सुझाव शासन को देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महिला एवं बाल विकास की माननीय मंत्री, विभागीय अधिकारियों और महिला आयोग के बीच बेहतर समन्वय बना रहे, इससे आयोग और विभाग दोनों ही अपने प्रयासों में सफल हो सकेंगे। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की उपयोगिता पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1090, 181 और 112 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन को इंटीग्रेट किया जा गया है। पूरे प्रदेश से महिलाओं की समस्याएं यहां प्राप्त होती है। आयोग को 1090 का भ्रमण कर वहां आ रही समस्याओं को समझना चाहिए। 1090 की व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए अपने सुझाव भी देने चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह, आंगनबाड़ी, बीसी सखी को भी समय-समय पर आयोग द्वारा मार्गदर्शन दिए जाने की अपेक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री जी ने आयोग के सुचारु कामकाज के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में दुनिया देखेगी यूपी का कौशल

वैश्विक मंच से यूपी के नवाचारों को मिलेगी नई पहचान

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की बढ़ती कौशल क्षमता और नवाचार अब विश्व के सामने अपनी चमक बिखेरने को तैयार हैं। आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2.0, 25 से 29 सितंबर 2024 के बीच इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक सोर्सिंग हब के रूप में स्थापित करना है, जहां कौशल, हुनर, रोजगार और उद्यमिता के प्रमुख सेक्टर्स की गतिविधियों और उपलब्धियों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा, जिससे प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए योगी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत कई विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि प्रदेश के युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग की इकाईयों आईटीआई और उप्र कौशल विकास मिशन की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष पवेलियन तैयार किया गया है, जिसमें 09 विशिष्ट कौशलों का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा।

इसके माध्यम से, आगंतुकों को प्रदेश के उभरते कौशल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल उत्तर प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मंच पर लाने का माध्यम है, बल्कि उनके हुनर को दुनिया के सामने पेश करने का भी एक अनूठा अवसर है। हम इस मंच के जरिए प्रदेश की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और वैश्विक रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना के सत्यापन में कौशांबी अव्वल

27 लाख से अधिक लोगों ने किया आवेदन

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश में तमाम योजनाओं के माध्यम से गरीबों और वंचितों के जीवन स्तर को ऊपर लाने के लिए काम कर रही है। इसी क्रम में केंद्र सरकार की पीएम विश्वकर्मा योजना को भी प्रदेश में पूरी गंभीरता के साथ संचालित किया जा रहा है। सीएम योगी की मॉनीटरिंग का ही नतीजा है कि योजना का लाभ लेने के लिए प्रदेश के 27 लाख से अधिक लोगों ने आवेदन किया है। इन सभी आवेदन का त्रिस्तरीय सत्यापन कराया जा रहा है। इसके बाद इन सभी का नामांकन सुनिश्चित करते हुए आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण और लोन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं प्रथम चरण के बाद द्वितीय चरण के सत्यापन में कौशांबी ने शीर्ष स्थान हासिल किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के निचले तबके के लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने एवं आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रहीं हैं।

इन योजनाओं को लाभ देने के लिए समय-समय पर अभियान भी चलाया जाता है। इसी के तहत पीएम विश्वकर्मा योजना का अधिक से अधिक लोगों को लाभ देने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि पीएम विश्वकर्मा पोर्टल के माध्यम से 27,47,017 लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। इन आवेदनों का त्रिस्तरीय सत्यापन कार्य जारी है। सत्यापन के साथ ही इन सभी आवेदनकर्ता के नामांकन की प्रक्रिया युद्धस्तर पर चल रही है। इसके तहत अब तक 17,32,536 आवेदन का प्रथम स्तर पर, 2,09,172 आवेदन का द्वितीय स्तर और 80,844 आवेदन का तृतीय स्तर पर सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया है। योजना के तहत लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्मा सर्टिफिकेट और आईडी कार्ड के साथ स्किल अपग्रेडेशन, टूलकिट इंसेंटिव, क्रेडिट सपोर्ट समेत डिजिटल ट्रांजेक्शन पर इंसेंटिव और मार्केटिंग सपोर्ट जैसे लाभ मिलेंगे। साथ ही एक लाख और दो लाख लोन की सुविधा दी जाएगी।

पीएम विश्वकर्मा योजना के सत्यापन प्रक्रिया के तहत प्रथम और द्वितीय चरण के सत्यापन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसमें कौशांबी 80 प्रतिशत से अधिक सत्यापन के साथ शीर्ष पर है। वहीं गाजियाबाद दूसरे, बलरामपुर तीसरे, फिरोजाबाद चौथे और फतेहपुर पांचवे स्थान पर है। इसके अलावा ललितपुर, गौतमबुद्धनगर, फर्रुखाबाद, कानपुरनगर और प्रतापगढ़ की बारी आती है। इन जिलों का यह प्रदर्शन पहले चरण के सत्यापन के बाद द्वितीय चरण के सत्यापन प्रतिशत के आधार पर निर्धारित किया गया है। वहीं लोन के लिए 7,606 आवेदन को बैंक को भेजा गया है। इनमें से अब तक 2,457 आवेदन को लोन के लिए स्वीकृत कर दिया गया है जबकि 1,326 लोगों को लोन वितरित किया जा चुका है।

अधिकारियों की मुख्यमंत्री योगी ने बुलाई बैठक, दिए सख्त निर्देश

खाद्य में मानव अपशिष्ट मिलाना वीभत्स, कड़ी सजा मिलेगी

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में घटीं ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी होटलों/ढाबों/रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं। ऐसे ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है। प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन किया जाए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस व स्थानीय प्रशासन संयुक्त टीम द्वारा यह कार्रवाई शीघ्रता से होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से डिस्प्ले किये जाने चहिये। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए। ढाबे/होटलों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी की व्यवस्था हो। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सीसीटीवी से कवर होना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा।

खान पान के केंद्रों पर साफ-सफाई होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि खाद्य पदार्थों को तैयार करने तथा सर्विस के समय संबंधित व्यक्ति मास्क/ग्लव्स का उपयोग जरूर करें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आम जन के स्वास्थ्य हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। ऐसा प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए। खाद्य पदार्थों को बनाने, बेचने अथवा अन्य संबंधित गतिविधियों से जुड़े नियमों को व्यवहारिकता का ध्यान रखते हुए और सख्त किया जाए। नियमों की अवहेलना पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

यूपीआईटीसी 2024

यूपी की सांस्कृतिक धरोहर से परिचित होंगे दुनियाभर के मेहमान

25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होगा इंटरनेशनल ट्रेड शो

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का आयोजन किया जाएगा। एक तरफ जहां उद्यमियों के सपनों को उड़ान मिलेगी, वहीं मेहमान यूपी की सांस्कृतिक धरोहरों से भी परिचित होंगे। योगी सरकार इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के लोकनृत्य-लोकगीत कलाकारों को देश-विदेश के आगंतुकों के समक्ष मंच देगी तो वहीं रूस, बोलिविया, कजाकिस्तान, ब्राजील, वेनेजुएला, इजिप्ट, बांग्लादेश के कलाकार भी अपनी संस्कृति की झलक से मेजबानों को परिचित कराएंगे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर संस्कृति विभाग ने तैयारी कर ली है। यहां के मुक्ताकाशी मंच पर पांच दिन तक आगंतुक सुरमयी कार्यक्रमों का भी आनंद उठाएंगे। 25 सितंबर को पहले दिन नोएडा की माधवी मधुकर का भजन, मेहमान देश वियतनाम के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति होगी। पहले दिन बॉलीवुड सिंगर अंकित तिवारी के गीतों पर दर्शक झूमेंगे। 26 सितंबर को आईसीसीआर के माध्यम से बोलिविया, रूस, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, ब्राजील, वेनेजुएला, इजिप्ट आदि के कलाकार अपने देश की सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। प्रयागराज की नीलाक्षी रॉय के 'प्रेम के रंग, कृष्ण के संग' के जरिए आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति होगी। सांस्कृतिक सांझ की अंतिम प्रस्तुति बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर के गीतों की होगी। 27 सितंबर को मथुरा की माधुरी शर्मा ब्रज के लोकगायन से परिचित कराएंगी। युवाओं के दिलों पर राज करने वाले पवनदीप व अरुणिता भी ट्रेड शो में युवाओं के समक्ष प्रस्तुति देंगे। 28 सितंबर को लखनऊ की संजोली पांडेय, सहारनपुर की रंजना नेब रामकथा पर आधारित कथक नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी।

भर्ती बोर्डों के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

खाली पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शीघ्र शुरू हो: योगी

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं के संबंध में बैठक की। इसमें उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन सेवा आयोग के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष, विद्युत सेवा आयोग के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश सहकारी संस्थागत सेवा मंडल के अध्यक्ष, डीएम और एसएसपी समेत शासन के अधिकारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न बोर्ड व आयोगों के अध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने वर्तमान

में की जा रही सभी भर्तियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और सभी बोर्ड व आयोगों को निर्देश दिया कि रिक्त पड़े पदों पर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी व समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए। मुख्यमंत्री को पुलिस भर्ती प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष ने हाल में ही सकुशल संपन्न कराई गई पुलिस भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया व संचालन के संबंध में अवगत कराया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा प्रदेश में सकुशल संपन्न हुई है। यह एक मॉडल बना है। परीक्षा की इस प्रक्रिया को अन्य भर्ती बोर्ड द्वारा भी अपनाया जाए।

प्रदेश में ई-अधियाचन पोर्टल की व्यवस्था की गई है। सभी विभाग इसका उपयोग कर अधियाचन प्राप्त करें। जिन विभागों में नियुक्ति की जानी है, वहां से तत्काल अधियाचन आयोग को भेजकर नियुक्ति प्रक्रिया को संपन्न कराया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि किसी भी विभाग की तरफ से भर्ती प्रक्रिया को लेकर पेंडेंसी न हो। हर हाल में समयसीमा के अंदर सुचारू रूप से सभी प्रक्रियाएं संपन्न की जाएं। ट्रांसपोर्ट, एजेंसी एवं परीक्षा केंद्रों के चयन की प्रक्रिया में सावधानी बरती जाए। गोपनीयता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। अधिकृत एजेंसी के साथ चयन बोर्ड व आयोग का एमओयू भी होना चाहिए। किसी भी प्राइवेट संस्था को परीक्षा केंद्र न बनाया जाए। केवल राजकीय व राजकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाए। परीक्षा केंद्र का चयन जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में किया जाए।

सीएम ने कहा, परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के संबंध में सभी बोर्ड एवं आयोग के अध्यक्ष मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक करें। परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के दौरान ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस व सीसीटीवी की भी सहायता ली जाए। अफवाह को रोकने पर पूरा ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने सभी बोर्ड व आयोग से कहा कि सभी भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने के लिए क्रेश्चन बैंक तैयार करें। परीक्षा की शुचिता के लिए यह नितांत आवश्यक है। चिकित्सा व तकनीकी विभागों में स्थानीय स्तर पर बोर्ड गठित करके शीघ्र भर्ती की जाए। सभी भर्ती प्रक्रियाओं में आरक्षण के नियमों का पालन हर हाल में सुनिश्चित हो।

संपादकीय

संघर्ष को गलत आयाम न दें

यह सदी जब लिखी जाएगी, मेरी कलम काम नहीं आएगी। मैं समाज हूं, मैं मौन हूं। मेरी हिम्मत के लकवों की पीड़ा, मेरा धर्म मेरे एहसास का बीड़ा उठा रहा है। अचानक हम आंदोलन की राह पर अपने कुनबों से बाहर, आग का कुनबा बना रहे हैं। हमारे बीच जो जाग रहा, उस सहारे की जरूरत क्यों पड़ी। हिमाचल में आपसी भाईचारे की मोमबत्तियां बुझ गईं, लेकिन किसी 'बंद' में मशालें उभर आईं। संजौली घटनाक्रम की तह में जितना भी बारूद था, बिखर गया। उसे हम हिमाचल के हर शहर और हर कस्बे में देख सकते हैं, हमने यह आंदोलन करना भी सीख लिया। अब देखना यह है कि इस गति समाज की प्रगति किस दिशा में होती है और हिमाचल में 98 फीसदी हिंदू बहुसंख्यकों की सुरक्षा के लिए किसे खदेड़ा जाता है। परिणाम आने लगे और बहुत कुछ जमींदोज होने लगा है। हमीरपुर के एक मॉल का बाजार बंद करवाना हमारी शक्ति है और अगर आंदोलन का यही सलीका काम आया तो प्रदेश के प्रत्येक बाजार से कोई तो 'दुश्मन' निकाला जाएगा। •हर सोशल मीडिया का, कहर बन टूटे इस आलम में राजनीतिक हड्डियां संगठित हैं। कल आपको दर्जी-धोबी न मिले, भवन निर्माण को हाथ न मिले, आप अपने आज से सारी लाली निकाल दें, जुबान को विद्वेष से भर दें, ताकि सनद रहे कि कोई लड़ा था इस देश की मिट्टी को लाल करने को फिर इतिहास का दामन था। जरा सोचें कि हिमाचल किस दिशा में चल रहा और बंद की आड़ में हमारे संघर्ष की निशानियों का कब्रिस्तान कहां बनेगा। बेशक हमें अवांछित तत्वों को बाहर करना होगा, लेकिन इस हल्ले की गुल्लक में मवाद भरा है। यह कानून-व्यवस्था की शिकायत हो सकती है, लेकिन हमने शिकायत के लिए मजहब का तंबू लगा लिया। जाहिर है हिमाचल में जो हिंदुत्व बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय भी यहां नहीं आया, वह संजौली मस्जिद के कारनामे से आ गया। जो हिंदुत्व तत्कालीन शांता सरकार की बर्खास्तगी पर भी नहीं आया, वह अब सुक्खू सरकार को चुनौती दे रहा है। यह आंदोलन सरकार को परीक्षा में डाल चुका है, लेकिन हिमाचली समाज के वैचारिक विमर्श में कहीं तो इससे फासले हैं और रहेंगे। निश्चित रूप से आंदोलन की पृष्ठभूमि में मसले रहे हैं और हिमाचल के परिदृश्य में आ रहे आर्थिक, सांस्कृतिक व सामाजिक बदलाव भी इनके लिए जिम्मेदार माने जाएंगे। जो प्रदेश अपने गांव की आर्थिकी से विमुख हो गया और जहां का खेत रोटी नहीं उगा पाता, उसके लिए ये परिस्थितियां स्वाभाविक हैं कि हर वस्तु और मानव संसाधन का आयात करें। जिस प्रदेश के कायदे-कानून औपचारिक हो जाएं और जहां थाने में रपट भी सरकारी हो जाए, वहां के हर पहलू को सियासत से बचाना मुश्किल है। क्या आप बता सकते हैं कि पर्यटकों की भीड़ बनकर कौन कहां घूम रहा है। क्या कोई पद्धति बनी कि हर आगंतुक का पंजीकरण हो सके। हिमाचल के संघर्ष को गलत नाम और गलत आयाम देकर हम देश की सद्भावना से दूर हो जाएंगे और इससे हमारी आर्थिक संभावना भी क्षीण हो जाएगी। पिछले दिनों डलहौजी में पर्यटक से हुई बदसलूकी और भागसूनाग में हाथापाई से मौत के अंजाम तक पहुंचे सैलानी की घटना ने अंतरराज्यीय टैक्सी उद्योग के नीचे विद्वेष की अंगीठी जला दी थी। अगर सेब उत्पादन से बाहरी लोग किनारा कर लेंगे, तो इस तिलांजलि का श्रेय किसे देंगे। हम जिन वस्त्रों से खुद को ढांप कर निर्वस्त्र होने से बचते हैं, वहां जरूरी नहीं कि इसके ताने-बाने में कोई अपना ही धर्म होगा। संघर्ष करना ही है तो शाहपुर बाजार को बचाने में करो जहां से गुजर कर फोरलेन बसी बसायी आर्थिकी उजाड़ देगा। पंजाब पुनर्गठन के 7.19 प्रतिशत के हिस्से की मांग में आओ चलें चंडीगढ़ के दो सेक्टर मांग लें। मांग लें वाटर सैस और वन संपत्तियों के कब्जे में आ गए हिमाचल की आर्थिक भरपाई का कोई अधिकार।

अचानक हम आंदोलन की राह पर अपने कुनबों से बाहर, आग का कुनबा बना रहे हैं। हमारे बीच जो जाग रहा, उस सहारे की जरूरत क्यों पड़ी। हिमाचल में आपसी भाईचारे की मोमबत्तियां बुझ गईं, लेकिन किसी 'बंद' में मशालें उभर आईं। संजौली घटनाक्रम की तह में जितना भी बारूद था, बिखर गया। उसे हम हिमाचल के हर शहर और हर कस्बे में देख सकते हैं, हमने यह आंदोलन करना भी सीख लिया। अब देखना यह है कि इस गति समाज की प्रगति किस दिशा में होती है और हिमाचल में 98 फीसदी हिंदू बहुसंख्यकों की सुरक्षा के लिए किसे खदेड़ा जाता है। परिणाम आने लगे और बहुत कुछ जमींदोज होने लगा है। हमीरपुर के एक मॉल का बाजार बंद करवाना हमारी शक्ति है और अगर आंदोलन का यही सलीका काम आया तो प्रदेश के प्रत्येक बाजार से कोई तो 'दुश्मन' निकाला जाएगा। •हर सोशल मीडिया का, कहर बन टूटे इस आलम में राजनीतिक हड्डियां संगठित हैं। कल आपको दर्जी-धोबी न मिले, भवन निर्माण को हाथ न मिले, आप अपने आज से सारी लाली निकाल दें, जुबान को विद्वेष से भर दें, ताकि सनद रहे कि कोई लड़ा था इस देश की मिट्टी को लाल करने को फिर इतिहास का दामन था।

योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा

योग एवं योग-निद्रा के चमत्कारी प्रभाव से वैज्ञानिक सहमत

ललित गर्ग

विश्व में भारतीय योग की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है।

योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है। नये शोध से तथ्य सामने आया है कि नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस नये वैज्ञानिक शोध में ऐसे कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध

हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। यह गुस्सा दूसरों की वजह से शुरू होता है और अंततः इसे आप अपने ऊपर निकालने लगते हैं। कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया।

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी भीतरी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। इसी के मध्यनजर तरह-तरह के शोध एवं अनुंसधान योग को लेकर हो रहे हैं, अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में यह बात सामने आयी है कि योग से आराम के गहरे अहसास होते हैं। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा आराम देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है। अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। इस आधार पर तो हम यही कह सकते हैं कि हम अपने मस्तिष्क का सही और पूरा उपयोग करना नहीं जानते। चाहे कर्म का क्षेत्र हो या धर्म का क्षेत्र हो, दोनों में हम पिछड़े हुए हैं। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था।

बहुत सारी शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं अज्ञान के कारण पैदा होती हैं। शरीर और उसके विभिन्न अवयवों के बारे में जानकारी के अभाव में आदमी के सामने अनेक शारीरिक कठिनाइयां खड़ी हो जाती हैं। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है। शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक शांति एवं स्वस्थ्यता के लिये योग की एकमात्र रास्ता है। लेकिन भोगवादी युग में योग का इतिहास समय की अनंत गहराइयों में छुप गया है। वैसे कुछ लोग यह भी मानते हैं कि योग विज्ञान वेदों से भी प्राचीन है।

दृष्टि कोण

श्राद्ध की परंपरा और आधुनिक युग

श्राद्ध हिंदू धर्म की एक महत्वपूर्ण और पवित्र परंपरा है, जिसका संबंध पितरों, यानी हमारे पूर्वजों की आत्मा की शांति और तृप्ति से है। श्राद्ध का मूल उद्देश्य उन पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना है जिन्होंने हमारे जीवन में किसी न किसी रूप में योगदान दिया है। यह एक धार्मिक और आध्यात्मिक कर्तव्य है, जो न केवल आत्मा की तृप्ति के लिए बल्कि जीवित व्यक्तियों के बीच पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने के लिए किया जाता है। श्राद्ध की परंपरा का प्रारंभिक उल्लेख वेदों और पुराणों में मिलता है जहां इसे एक महत्वपूर्ण धार्मिक क्रिया के रूप में वर्णित किया गया है। ऋग्वेद और महाभारत जैसे ग्रंथों में इसका विशेष महत्व बताया गया है, जहां पूर्वजों के लिए तर्पण और पिंडदान करने का प्रावधान है। यह प्रक्रिया पितृ पक्ष के दौरान की जाती है, जो भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष में आता है और इस दौरान पिंडदान, तर्पण और ब्राह्मणों को भोजन कराने की परंपरा निभाई जाती है। श्राद्ध को करने के लिए विशेष विधियां होती हैं, जिनमें पवित्र स्थानों पर जाकर अनुष्ठान करना और धार्मिक अनुशासन का पालन करना शामिल है। यह अनुष्ठान पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक माध्यम है और इसे श्रद्धा और आस्था के साथ करना आवश्यक माना जाता है। इसके साथ ही श्राद्ध में ब्राह्मणों को भोजन कराना और दान देना भी अनिवार्य माना गया है, ताकि पूर्वजों की आत्मा को तृप्ति मिल सके। पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध कर्म को विशेष रूप से महत्व दिया जाता है क्योंकि यह समय पूर्वजों की आत्माओं की शांति के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। पिंडदान, तर्पण और आहुति के साथ, श्राद्ध को पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ किया जाना चाहिए, तभी इसका उद्देश्य सफल होता है। श्राद्ध का मूल उद्देश्य अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करना है, न कि आडंबर और दिखावे में लिप्त होना। यह आवश्यक नहीं कि श्राद्ध के दौरान भारी खर्च किया जाए या भव्य आयोजन हो। व्यक्ति अपनी सामथ्र्य और साधनों के अनुसार ही श्राद्ध कर्म कर सकता है। छोटे से छोटे संसाधनों और सादगी से किया गया श्राद्ध भी उतना ही पवित्र और फलदायी होता है, जब उसमें सच्ची श्रद्धा हो। महत्त्वपूर्ण यह है कि आस्था और प्रेमपूर्वक पितरों का स्मरण हो, जिससे वे संतुष्ट हो सकें और उनकी आत्मा को शांति प्राप्त हो। आधुनिकता के इस युग में, जब लोग तेजी से बदलती जीवनशैली और सामाजिक परिवर्तनों के बीच व्यस्त हो गए हैं, श्राद्ध की यह परंपरा कहीं न कहीं धुंधली होती जा रही है। कई लोगों के लिए श्राद्ध अब केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है, जो परिवार के बुजुर्गों के दबाव में निभाया जाता है। कुछ लोग इसे पूरी तरह से छोड़ चुके हैं, जबकि कुछ लोग इसे अब भी निभाते हैं, लेकिन वह श्रद्धा और समर्पण के साथ नहीं, जो पहले हुआ करता था। इस स्थिति के कई कारण हो सकते हैं। शहरीकरण और व्यस्त जीवनशैली के चलते अब लोग धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उतना समय नहीं निकाल पाते जितना पहले होता था। इसके अलावा आधुनिक विज्ञान और तार्किकता के प्रसार ने लोगों को धार्मिक क्रियाओं पर सवाल उठाने की प्रवृत्ति दी है, जिससे कई लोगों को श्राद्ध जैसे अनुष्ठान पुराने रीति-रिवाजों का प्रतीक लगने लगे हैं। इससे भी बड़ी बात यह है कि पारिवारिक ढांचे में हुए बदलावों ने भी श्राद्ध की परंपरा को कमजोर किया है। पहले जहां संयुक्त परिवार होते थे, अब परिवार छोटे हो गए हैं, और पितरों के प्रति कर्तव्य की भावना भी उसी अनुपात में कमजोर हो गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारण सामाजिक दबाव है। आधुनिक समाज में कई लोग श्राद्ध को अंधविश्वास मानते हैं और इसे एक पुरानी प्रथा मानकर छोडऩे की प्रवृत्ति रखने लगे हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि नई पीढ़ी में श्राद्ध के प्रति आस्था और श्रद्धा का अभाव दिखाई देने लगा है। यह स्थिति केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में भी देखी जा रही है। श्राद्ध जैसी परंपराएं जो कभी हर परिवार का हिस्सा हुआ करती थीं, अब केवल कुछ विशेष परिवारों या लोगों द्वारा ही निभाई जा रही हैं। यह भी देखने में आ रहा है कि जिन परिवारों में श्राद्ध होता भी है, वहां भी इसका महत्त्व कम हो गया है। लोग इसे केवल एक धार्मिक कर्तव्य मानकर करते हैं, न कि आत्मीयता और कृतज्ञता के भाव से। इस बदलते परिवेश में श्राद्ध की प्राचीन परंपराएं कहीं खोती जा रही हैं। आधुनिकता और विज्ञान के इस युग में जहां हर चीज का मूल्यांकन तार्किक दृष्टिकोण से किया जाता है, वहां श्राद्ध जैसे धार्मिक अनुष्ठान को फिर से महत्व देने की आवश्यकता है। श्राद्ध केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं है, बल्कि यह पूर्वजों के प्रति हमारी कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का एक तरीका है।

कुछ अलग

चालान भरने का सुख

हवा में लटके हुए विकास की सडक़ों पर यात्रा करने, ख़ासकर गाड़ी चलाने का अपना ही आनंद है। इसी विकास का सुख लेते हुए झुन्नू लाल मटौर से शिमला नेशनल हाईवे पर निर्माणाधीन फोरलेन पर अपनी कार को तांगे की जिस गति से दौड़ा रहे थे, उससे शायद शोले की बसंती और धन्नो भी शरमा जातीं। समय का डाकू उनके पीछे हाथ धो के पड़ा था। बेचारे एक गड्ढे से दाएं टायर को बचाते तो बायां टायर गड्ढे में चला जाता। बायां बचाते तो धड़ की आवाज़ करता हुआ दायां टायर उफ-उफ कर उठता। मुख्यमंत्री से किताबों के विमोचन का समय मिलने के बाद अपने को सौभाग्यशाली मानते हुए झुन्नू जी सोच रहे थे कि जितनी जल्दी शिमला पहुंचे, उतना बेहतर। किताबों से नेताओं का नाता अभी पूरी तरह टूटा नहीं था। कहीं आगे-पीछे हुए तो न जाने उनके कार्यालय में कितनी देर इंतज़ार करना पड़े। फिर हीरा नगर से लेकर सचिवालय तक का चींटियों वाला सफर। गाड़ी चलती है न रेंगती है। दोनों ओर लगी लम्बी क़तारों में सरकारी योजनाओं की तरह पहले गियर में चलती हुई गाड़ी दो-चार क़दम चलने के बाद धक्के के साथ रुक जाती है। फिर चलती है, फिर रुकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की तरह। सडक़ के आधे-अधूरे निर्माण के मध्य पहले ही किसी फौजी की तरह सावधान की मुद्रा में तन चुके टोल प्लाजा को देखते हुए झुन्नू जी सोच रहे थे कि अभी भैंस मरी नहीं और खाल उधेडऩे वाले पहले ही औज़ार और नाप लेकर जूते बनाने के लिए तैयार हो चुके हैं। इसी सोच में मगन झुन्नू जी के दोनों टायर एक गड्ढे में धंस गए। घर से नाश्ता कर निकले झुन्नू के पेट में नाश्ता डाली के बंदर की तरह उछल-कूद कर रहा था। उन्हें उबकाइयां आ रही थीं। लेकिन उनकी आंखों में दूसरे दिन अख़बारों में छपने वाले किताबों के विमोचन के फोटो तैर रहे थे, ख़बर के साथ। मुख्यमंत्री के साथ मुस्कुराते किताबें हाथ में पकड़े हुए। सोशल मीडिया पर तैरते चित्र और उसकी तफ़्सील। किताबों के विमोचन के बाद शाम को शिमला में सैर पर निकले प्रसन्नवदन झुन्नू जी सफर और विमोचन के बारे में सोच रहे थे कि अचानक सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से प्राप्त एसएमएस ने उनकी ख़ुशी में विघ्न डाल दिया। गाड़ी के नम्बर साथ ई-चालान का मैसेज था। वह दिमाग़ पर ज़ोर डाल रहे थे कि कहां का चालान होगा। गाड़ी पार्किंग में थी, सीट बैल्ट भी डाली थी। पेपर भी पूरे थे। फिर क्या हुआ होगा। उन्हें यह अंदाज़ा ही नहीं था कि टूटी सडक़ों पर ओवर स्पीड का चालान भी कट सकता है। वह भी पूरे पंद्रह सौ रुपए का। शायद सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के लिए यही आपदा में अवसर था। विश्व गुरु की यही सोच उसे विश्व पटल पर सशक्त देश बनाने में समर्थ साबित करती थी। मंत्रालय की साईट पर पहुंचने में झुन्नू जी को उतना ही समय लगा जितना आम आदमी को मंत्रालय के गेट तक पहुंचने में लगता है। उसके बाद भगवान मालिक है। मंत्रालय के भीतर जाने के लिए जुगाड़ और साईट पर आगे बढऩे के लिए नेटवर्क की ज़रूरत है। राजधानी में भी नेटवर्क किसी नौकरशाह के ईमान की तरह आंख-मिचौली कर रहा था। काफी देर कोशिश करने के बाद नाकाम आशिक़ की तरह झुन्नू जी ने नेटवर्क कम्पनी, मंत्रालय और ख़ुद को गालियां देते हुए ई-चालान को अगली सुबह तक टाल दिया।

देश दुनिया से

क्यों जरूरी है नीट?

स्कूली शिक्षा के बाद डाक्टर या इंजीनियर बनें या उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उनका स्वप्न होता है कि आईएएस या अन्य सरकारी सेवाओं की परीक्षा उत्तीर्ण करके अपनी जिंदगी में आगे बढ़ें। यह भी सही है कि सभी लोग ये परीक्षाएं उत्तीर्ण नहीं कर पाते, लेकिन यदि व्यवस्था में ईमानदारी ही हो तो कुछ सक्षम विद्यार्थी अवश्य ऐसा कर पाते हैं। हाल ही में राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) में प्रश्न पत्र लीक होने के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। ऐसे में कुछ हल्कों से ऐसी भी आवाज उठने लगी है कि नीट की परीक्षा होनी ही नहीं चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि यह मांग परीक्षार्थियों की ओर से नहीं, बल्कि कुछ राजनेताओं की ओर से उठ रही है।

विद्यार्थियों का सपना होता है कि वे स्कूली शिक्षा के बाद डाक्टर या इंजीनियर बनें या उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उनका स्वप्न होता है कि आईएएस या अन्य सरकारी सेवाओं की परीक्षा उत्तीर्ण करके अपनी जिंदगी में आगे बढ़ें। यह भी सही है कि सभी लोग ये परीक्षाएं उत्तीर्ण नहीं कर पाते, लेकिन यदि व्यवस्था में ईमानदारी ही हो तो कुछ सक्षम विद्यार्थी अवश्य ऐसा कर पाते हैं। हाल ही में राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) में प्रश्न पत्र लीक होने के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। ऐसे में कुछ हल्कों से ऐसी भी आवाज उठने लगी है कि नीट की परीक्षा होनी ही नहीं चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि यह मांग परीक्षार्थियों की ओर से नहीं, बल्कि कुछ राजनेताओं की ओर से उठ रही है। अब सवाल यह है कि यदि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की व्यवस्था को भंग कर दिया जाता है तो उसके स्थान पर कौनसी व्यवस्था लागू होगी? इसमें यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि नीट की व्यवस्था लागू होने से पहले मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं कैसे होती थी, और उसके क्या गुण-दोष थे? नीट की परीक्षा लागू करने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यदि नीट के स्थान पर पुनः पुरानी व्यवस्था लागू होती है तो उसका मेडिकल कॉलेजों में उम्मीदवारों के भविष्य पर क्या असर पड़ सकता है। केवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा ही नहीं, शेष राष्ट्रीय परीक्षाओं, जैसे यूपीएससी परीक्षाओं के भी प्रश्न पत्र लीक होने की घटनाएं हो रही हैं। यही नहीं, प्रवेश परीक्षाओं के प्रारंभ से ही पेपर लीक होने की छुटपुट घटनाएं पहले भी होती ही रही हैं। ऐसे में नीट परीक्षा में पेपर लीक होने की घटना को आधार बनाकर नीट व्यवस्था को ही भंग करना कितना उचित होगा, इस पर विचार करना जरूरी है। नीट लागू होने से पहले अखिल भारतीय स्तर पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा परीक्षा आयोजित की जाती थी, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और अन्य सरकारी प्राधिकरणों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों के एमबीबीएस एवं बीडीएस डिग्री कोर्सों में प्रवेश हेतु कम से कम 15 प्रतिशत सीटें इस परीक्षा में पास होने वाले विद्यार्थियों के लिए आरक्षित की जाती थी। यह सही है कि कुछ बेईमान तत्वों के कारण नीट और यूपीएससी परीक्षाओं में कुछ स्थानों पर पेपर लीक होने के कारण, विद्यार्थियों को धक्का लगा है। लेकिन इस बात का संज्ञान लेते हुए सरकार और व्यवस्था ने लीक के संभावित स्थानों पर परीक्षा परिणाम स्थगित कर पुर्नपरीक्षा करवाने की कार्यवाही भी की है। यह भी समझना होगा कि सही उम्मीदवारों के चयन की दो विधियां या उनका मिला-जुला रूप होता है। एक है प्रवेश परीक्षा और दूसरा साक्षात्कार। शैक्षिक संस्थानों में चयन के लिए चयन लिखित परीक्षा को ही सही माना जाता रहा है और लंबे समय से देश में सरकारी संस्थानों में तो यही पद्धति अपनायी जाती रही है, चाहे वह राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा हो अथवा प्रांतीय स्तर की। लेकिन निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया हमेशा ही विवाद का विषय रही है। गौरतलब है कि नीट व्यवस्था से पूर्व प्राइवेट मेडिकल और डेंटल कॉलेज स्वयं अथवा अपनी एसोसिएशन के माध्यम से एमबीबीएस, बीडीएस और पोस्ट ग्रेजुएट प्रवेश परीक्षा आयोजित तो करते थे, लेकिन उन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना या न होना सामान्यतः परीक्षार्थी के ज्ञान के आधार पर नहीं, बल्कि कॉलेजों को दी जाने वाली राशि के आधार पर होता था। अनेकानेक एजेंट इस काम में संलग्न रहते थे और एक बड़ी रकम देकर ही कोई विद्यार्थी एमबीबीएस/बीडीएस और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश प्राप्त कर सकता था। जाहिर है कि इस प्रकार अपने बच्चों को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश किसी सामान्य अथवा मध्यम वर्ग के अभिभावकों के बूते से बाहर होता था। अधिकांश धनाढय लोग ही इन प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में अपने बच्चों को प्रवेश करा पाते थे। हालांकि इस व्यवस्था में भी कुछ अपवाद हुआ करते थे, जहां मेडिकल कॉलेज अथवा उनकी प्रांतीय एसोसिएशन ईमानदारी से भी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करती थी। इनमें कर्नाटक प्रांत का नाम शामिल किया जाता था। कुछ अपवादों को छोड़ मोटी फीस के अलावा भारी नकद रकम अलग से चुका कर प्राईवेट मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश मिलता था, तो ऐसे में यह व्यवस्था मेडिकल की पढ़ाई में असमानता का एक बड़ा कारण हुआ करती थी। यही नहीं, मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को विभिन्न कॉलेजों अथवा उनकी एसोसिएशन द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिए भारी परीक्षा शुल्क भी जमा करना पड़ता था। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के नियमन में भी भारी धांधलियां चलती थी। ऐसे में हालांकि वर्ष 2012 में सरकार द्वारा अलग-अलग प्रांतों और कॉलेजों के आधार पर विविध प्रकार की परीक्षाओं से निजात पाने के लिए देश में एक साझी परीक्षा आयोजित करने का फैसला लिया गया, जिसके खिलाफ प्राइवेट कॉलेजों के प्रबंधन ने अदालत में आपत्ति दर्ज की। लंबे चले इस मुकदमे में न्यायालय ने अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के प्रबंधन के हित में फैसला देते हुए साझी परीक्षा को यह कहकर निरस्त कर दिया कि यह साझी परीक्षा प्राईवेट कॉलेजों के अधिकारों का उल्लंघन है।

आप का नजरिया

शतरंज के 'राजा-रानी'

शतरंज का जिक्र होते ही महान कथाकार, उपन्यासकार प्रेमचंद की याद ताजा होने लगती है। उनकी प्रख्यात कहानियों में 'शतरंज के खिलाड़ी' भी एक थी, जिस पर फिल्म भी बनाई गई। वह शतरंज वक्तकटी का जरिया थी, लेकिन आज यह पेशेवर खेल है, जो दुनिया भर में खेला जाता है। भारत ने इसी खेल के ओलिंपियाड में नया और स्वर्णिम इतिहास रच दिया। दोहरा स्वर्णिम कीर्तिमान भी स्थापित किया। 1927 में 'चेस ओलिंपियाड' का अधिकृत और वैश्विक सफरनामा शुरू हुआ था। अब 2024 में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने सर्वश्रेष्ठ रहते हुए, पहली बार, दोहरे स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। इन मुकाबलों में रूस, चीन, अमरीका, उजबेकिस्तान सरीखे चैम्पियन देश पिछड़ गए और भारतीय खिलाडिय़ों ने सुनहरी इबारत लिख दी। कुल 195 देशों की 197 टीमों और महिलाओं में 181 देशों की टीमों में भारत 'सर्वश्रेष्ठ' रहा। वाह! कमाल है!! इस अभूतपूर्व खेल उपलब्धि पर पूरे देश को गर्व है। युवा खिलाडिय़ों ने खेल के साथ-साथ देश का सम्मान भी आसमान तक पहुंचा दिया। अकल्पनीय, अतुलनीय तो यह रहा कि पुरुष टीम और उसके चैम्पियन खिलाड़ी डी. गुकेश 'अजेय' रहे। उन्होंने अधिकतर गेम जीते और एक-दो गेम ड्रा खेलने पड़े। पुरुषों में गुकेश और अर्जुन एरिगैसी, महिलाओं में दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने 'व्यक्तिगत स्वर्ण पदक' भी हासिल किए। भारत में पेशेवर शतरंज खेलना अपेक्षाकृत लोकप्रिय नहीं है, लेकिन हमारे खिलाड़ी 2014, 2022 में चेस ओलिंपियाड के कांस्य पदक विजेता बनते रहे हैं। चुनौती के स्पष्ट संकेत थे कि भारत एक दिन 'सर्वोच्च' भी हो सकता है। हालांकि तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद पांच बार शतरंज के 'विश्व चैम्पियन' बने और खेल के महानतम खिलाडिय़ों की जमात में शामिल हुए। उनकी विरासत आज गुकेश, अर्जुन, प्रज्ञाननंदा, विदित गुजराती सरीखे युवा खिलाडिय़ों में झलकती है। महिलाओं में भी शतरंज की एक सशक्त, विजेता पीढ़ी दिव्या, हरिका, वैशाली, वंतिका, तानिया सचदेव और दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी आदि के रूप में सामने है। इन तमाम खिलाडिय़ों को वल्र्ड रैंकिंग हासिल है। गुकेश विश्व चैम्पियनशिप के 'चैलेंजर' हैं। वह नवम्बर, 2024 में सिंगापुर में मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन से मुकाबला करेंगे। गुकेश अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीत कर ऐसी स्थिति में आए हैं कि वह विश्व चैम्पियन को चुनौती दे पा रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि मात्र 18 वर्षीय किशोर गुकेश अगला विश्व चैम्पियन बनकर दुनिया के सामने आए। हैरानी तो यह होती है कि औसत खिलाड़ी की उम्र 18-22 साल है और वे शतरंज के 'राजा-रानी' बनकर उभरे हैं। शायद देश के अधिकांश लोगों ने गुकेश, अर्जुन, प्रज्ञान, दिव्या, वंतिका, वैशाली सरीखे शतरंज के 'ग्रैंडमास्टर्स' के नाम न सुने हों! शतरंज क्रिकेट और अन्य खेलों की तरह लोकप्रिय नहीं है, लेकिन वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैम्पियन खिलाड़ी हैं। अर्जुन और गुकेश क्रमशः वल्र्ड नंबर 4 और 7 हैं। इस स्वर्णिम सफलता के बाद उनकी रैंकिंग बेहतर हो सकती है।

जापान में इजू द्वीप के आसपास 5.9 तीव्रता का भूकंप, आधा घंटे बाद आई सुनामी

टोक्यो, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बरसात और भूस्लखन से कई दिन से बेहाल जापान के लोगों को आज इजू द्वीप समूह के आसपास भूकंप के झटकों का सामना करना पड़ा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 दर्ज की गई। भूकंप आने की वजह ज्वालामुखी गतिविधि बताई गई है। भूकंप के बाद सुबह सुदूर जापानी द्वीपों पर मध्यम दर्जे की सुनामी आई।

खबर के अनुसार, देश की मौसम विज्ञान एजेंसी ने भूकंप आने के बाद आगाह किया कि इजू और ओगासावारा द्वीप शृंखला के तटों पर ज्वार के स्तर से एक मीटर ऊपर तक की लहरें उठ सकती हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी है। इजू समूह के द्वीपों पर लगभग 21,500 और ओगासावारा द्वीप समूह पर लगभग 2,500 लोग रहते हैं। जापान में बरसात और भूस्खलन से भी भारी तबाही हुई है। आज भी राहत और बचाव का काम चल रहा है। लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

भूकंप आने के लगभग 30 मिनट बाद हचिजो द्वीप पर याने जिले में लगभग 50 सेंटीमीटर की सुनामी का पता चला। तीन अन्य द्वीपों कोजुशिमा, मियाकेजिमा और इजू और ओशिमा पर कम ऊंची लहरें उठीं। भूकंप का असर हचिजो द्वीप से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण में दिखा। यह स्थान राजधानी टोक्यो से लगभग 300 किलोमीटर दक्षिण में है। जापान प्रशांत महासागर को घेरने वाली भूकंपीय रेखा रिंग ऑफ फायर पर स्थित है।

जापान के प्रमुख कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि सरकार को भूकंप या सुनामी से किसी तरह के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। एजेंसी ने सरकार को बताया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि मंगलवार का भूकंप इजू द्वीप शृंखला में स्मिथ द्वीप के 19 सितंबर को हुए विस्फोट से संबंधित है या नहीं। टोरीशिमा द्वीप के पास अकसर 6.0 तीव्रता के भूकंप आते रहे हैं। यहां 2023 में 6.5 तीव्रता का भूकंप आया था।

न्यूज ब्रीफ

जयशंकर ने बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुसैन से की मुलाकात

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात की है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के उच्च अधिकारी पहली बार मिले हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान बांग्लादेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्री ने एक्स पर कहा कि दोनों के बीच चर्चा द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा, आज शाम न्यूयॉर्क में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के साथ बैठक हुई। बातचीत हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित थी।

इस बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने झारखंड दौरे के दौरान श्री शाह द्वारा बंगलादेशी नागरिकों के बारे में कथित तौर पर की गई टिप्पणी के खिलाफ सोमवार को कड़ा एतराज जताया। ढाका में भारत के उप उच्चायुक्त को इस संबंध में सोमवार को एक विरोध पत्र सौंपा गया। बंगलादेशने श्री शाह की टिप्पणी को अत्यधिक निंदनीय करार दिया।

बांग्लादेश के पूर्व आईजी अल-मामून चार दिन के पुलिस रिमांड पर

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद सैफुज्जमां की अदालत ने आज पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को एक केस में चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। यह केस अगस्त में विरोध प्रदर्शन के दौरान 16 वर्षीय मोहम्मद इस्मामुल हक की मौत से संबंधित है। खबर के अनुसार, शाहबाग पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर और जांच अधिकारी मोहम्मद मैनुल इस्लाम खान पुलुक ने मामून को अदालत में पेश करते हुए 10 दिन का रिमांड मांगा। अदालत ने सिर्फ चार दिन का पुलिस रिमांड मंजूर किया। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद गंभीर आरोपों का सामना कर रहे जेल में बंद पूर्व कानूनमंत्री अनीसुल हक और पूर्व आईजी मामून पर कल एक और केस पंजीकृत किया गया था। यह केस पांच अगस्त को आरक्षण सुधार आंदोलन के दौरान हाफिज मोहम्मद जुबैर अहमद की हत्या से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक अल-मामून को तीन सितंबर को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया गया था।

सीरिया में नई सरकार का गठन, राष्ट्रपति असद ने दी मंजूरी

दमिश्क। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने हाल ही में एक आदेश में नई सरकार के गठन की घोषणा की। आदेश के तहत पूर्व उप विदेश मंत्री बासम अल-सब्बाग को फैसल मेकदाद के स्थान पर विदेश मंत्री बनाया गया। मेकडैड को उपराष्ट्रपता नियुक्त किया गया। जिसे राष्ट्रपति के निर्देशों के तहत विदेश और मीडिया नीति को लागू करने का काम सौंपा गया। सीरिया के सबसे बड़े प्रिंट मीडिया प्रकाशकों में से एक, अल-वहदा प्रिंटिंग एंड पब्लिशिंग ऑर्गनाइजेशन के पूर्व महानिदेशक ज़ियाद घोसौं को नया सूचना मंत्री नामित किया गया। नई सरकार का गठन शनिवार को अल-असद द्वारा जारी एक आदेश के बाद हुआ है। इसमें उन्होंने पूर्व संचार मंत्री मोहम्मद गाजी जलाली को नए प्रधान मंत्री के रूप में नामित किया। उन्हें जुलाई के संसदीय चुनावों के बाद सरकार बनाने का काम सौंपा था। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार 55 वर्षीय जलाली अक्टूबर 2014 से यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगा रखा है।

इजराइल की लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ एयर स्ट्राइक, 500 लोगों की मौत, अभी भी बरस रहे हैं बम

बेरूत, 24 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने लेबनान में ईरान समर्थित दुर्दांत आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह पर 2006 के बाद का अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। इजराइल के लड़ाकू विमान अब भी दक्षिणी लेबनान में बम गिरा रहे हैं। इजराइल की एयर स्ट्राइक में कम से कम 500 लोग मारे गए और 1600 से अधिक जख्मी हुए। सनद रहे कि गाजा के युद्ध में हिजबुल्लाह के आतंकवादी हमास का साथ दे रहे हैं। खबर में लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया कि लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइली हवाई हमलों में दर्जनों महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 500 लोग मारे गए और 1,600 से अधिक नागिरक घायल हो गए। समूचा लेबनान हमलों से दहल गया। इससे पहले इजराइल हिजबुल्लाह के संचार नेटवर्क (पेजर और वॉकी-टॉकी) को ध्वस्त कर चुका है। लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोट में 37 लोगों की जान जा चुकी है। हिजबुल्लाह के आतंकी सीमा पर: खबर के अनुसार, अब तक इजराइल हिजबुल्लाह को लेबनान-इजराइल सीमा से पीछे हटने के लिए मजबूर करने में विफल रहा है। हिजबुल्लाह ने कहा है कि इजराइल पर तब तक हमला जारी रखेगा जब तक गाजा में इजराइल और हिजबुल्लाह के सहयोगी हमास के बीच संघर्ष विराम पर सहमति नहीं बन जाती। हजारों परिवार विस्थापित: लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, ताजा हमलों में हजारों परिवार विस्थापित हो गए। इजराइल ने एम्बुलेंस और दमकल गाड़ियों को भी निशाना बनाया। उधर, इजराइली बलों ने कल मध्य गाजा में एक स्कूल की इमारत पर हमला किया। इस स्कूल में विस्थापित फिलिस्तीनी रह रहे हैं। लेबनान में 1600 स्थानों पर बमबामी: इजराइल सुरक्षा बल ने मंगलवार सुबह बयान में कहा कि वायुसेना ने सोमवार को लेबनान में हिजबुल्लाह के लगभग 1,600 ठिकानों पर हमला किया। हमला अभी जारी है। इजराइल ने लेबनान के लगभग 165 रॉकेट को एंटीमिसाइल रक्षा प्रणाली से रोक दिया है। अमेरिका की प्रतिक्रिया: पेंटागन ने घोषणा की कि वह लेबनान में रह रहे हजारों अमेरिकियों की सुरक्षा के लिए मध्य पूर्व में अमेरिकी सैनिकों को भेजेगा। फ्रांस की प्रतिक्रिया: फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने मांग की है कि लेबनान की स्थिति पर सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक बुलाई जाए। दोनों ओर से हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का राजनयिकों पर हमले में शामिल होने से इनकार

इस्लामाबाद। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात में राजनयिकों पर रविवार को हुए हमले में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इस हमले में राजदूतों के सुरक्षा काफिले में शामिल पुलिस के एक जवान की मौत हो गई थी। आतंकवादी समूह ने बयान में कहा कि एक दर्जन देशों के विदेशी राजदूतों को निशाना बनाकर किए गए हमले से उसका कोई लेना-देना नहीं है। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र डॉन में छपी खबर के अनुसार, इस हमले की स्वात चैंबर ऑफ कॉमर्स, व्यापारियों के महासंघ, वकीलों और नागरिक समाज के सदस्यों ने निंदा की है। इस हमले में मारे गए कांस्टेबल बुरहान खान को स्वात के शमोजई गांव में उनके पैतृक कब्रिस्तान में ससम्मान सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उल्लेखनीय है कि खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के आतंकवाद निरोधी विभाग ने हमले में एक पुलिसकर्मी के मारे जाने और पांच अन्य के घायल होने के एक दिन बाद एफआईआर दर्ज की है। खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का सर्वाधिक अशांत प्रांत है। टीटीपी ने राजनयिकों पर हुए हमले में हाथ होने से इनकार कर दिया है।

अमेरिका में 10 लोगों के कातिल को लगातार 10 आजीवन कारावास की सजा

वाशिंगटन, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में कुछ साल पहले सामूहिक गोलीबारी में मारे गए 10 लोगों के गुनगहार को अदालत ने दोषसिद्धि के बाद लगातार 10 आजीवन करावास की सजा सुनाई है। यह वारदात 22 मार्च, 2021 को पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलोराडो की किंग सुपर मार्केट में हुई थी।

गोलीबारी के बाद बंदूकधारी अहमद अल अलीवी अलीसा को गिरफ्तार कर लिया गया था। तब से वह सलाखों के पीछे है। इस समय वह 25 साल का है।

खबर के अनुसार, अहमद अल अलीवी अलीसा को सोमवार को हत्या का दोषी ठहराते हुए फैसला सुनाया गया। जूरी ने उसके वकीलों की इस दलील को खारिज कर दिया कि मानसिक बीमारी के कारण वह सही और गलत में अंतर नहीं कर पाता।

जूरी ने फैसले से पहले करीब दो सप्ताह तक गवाहों को सुना। गोलीबारी में मारे गए सभी 10 लोगों की आयु 20 से 65 वर्ष के बीच थी।

जूरी सदस्यों ने सजा पर लगभग छह घंटे तक विचार-विमर्श किया। इसके बाद न्यायाधीश इंग्रिड एस. बैके ने अलीसा को लगातार 10 आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अलीसा को हत्या के 10 मामलों के अलावा कई अन्य आरोपों में भी दोषी ठहराया गया।

राजस्थान के तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस नेपाल में दुर्घटनाग्रस्त, 23 यात्री घायल

काठमांडू, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के तीर्थ यात्रियों की एक बस नवलपरासी जिले के नवलपुर के पास मंगलवार की सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में कुल 43 यात्री सवार थे, जिसमें 23 यात्री घायल हो गए हैं। यह बाद काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करके वापस राजस्थान लौट रही थी। बस में सवार यात्रियों के मुताबिक तीव्र गति से चल रही बस के अनियंत्रित होने के बाद सड़क के किनारे पलट गई। नवलपरासी जिले के पुलिस डीएसपी वेद बहादुर पौडेल के मुताबिक मंगलवार की सुबह राजस्थान की बस (आरजे 14 पीसी 3545) दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें 23 यात्रियों के घायल होने के बाद उन्हें पास के ही अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया है। डीएसपी पौडेल ने बताया कि बस में सवार 45 यात्रियों में से बाकी सकुशल हैं। उन्होंने कहा कि घायल यात्रियों के उपचार के बाद इन सभी को दूसरी बस से भेजने की व्यवस्था की जा रही है। राजमार्ग में तय गति सीमा से अधिक गति में गाड़ी चलाने की शिकायत पर पुलिस ने बस चालक को नियंत्रण में ले लिया है। चालक ने पुलिस को बताया कि सुबह के समय सड़क खाली होने के कारण वो अत्यधिक गति से गाड़ी चला रहा था।

श्रीलंका में भंग की जा सकती है संसद

कोलंबो, 24 सितंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका में संसद को भंग किया जा सकता है। माना जा रहा है नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके संसद भंग करने के साथ दिसंबर तक संसदीय चुनाव कराने की घोषणा कर सकते हैं। इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। खबर में कहा गया है कि प्रधानमंत्री पद से दिनेश गुणवर्धन के इस्तीफे के बाद दिसानायके की पार्टी नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के भरोसेमंद सूत्र ने कहा कि राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके अंतरिम कैबिनेट का गठन करेंगे। इसमें वह खुद और चार मंत्री होंगे। कैबिनेट में 15 विभागों का बंटवारा किया जाएगा।

राष्ट्रपति दिसानायके पर्यटन, रक्षा, वित्त, न्याय, उद्योग और निवेश संवर्धन विभागों को अपने पास रखेंगे। प्रधानमंत्री विदेश मामलों, शिक्षा और मास मीडिया के अलावा अन्य विभागों के मंत्री भी बनेंगे। एनपीपी सांसद डॉ. हरिनी अमरसूर्या को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी, जबकि

वरिष्ठ सांसद विजिता हेराथ और सांसद लक्ष्मण निपुण अराच्ची को कई विभागों के साथ मंत्री नियुक्त किया जाएगा। निपुण अराच्ची ने कोलंबो निर्वाचन क्षेत्र के सांसद के रूप में शपथ ली। यह सीट दिसानायके के राष्ट्रपति बनने से रिक्त हुई थी।

राष्ट्रपति संसद को भंग करने के बाद संसदीय चुनाव की घोषणा करते हुए नामांकन की तिथि तय करेंगे। इस तिथि के बाद निर्वाचन आयोग नामांकन के लिए 10 से 17 दिनों का समय देगा। राष्ट्रपति दिसानायके संसदीय चुनाव के बाद नई संसद के गठन की तिथि की भी घोषणा कर सकते हैं। दिसानायके ने राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने तीनों सेनाओं के कमांडरों और फिर अपने वरिष्ठ पार्टी सदस्यों से मुलाकात की। इसके बाद वह आशीर्वाद लेने के लिए अपनी वृद्ध मां से मिलने तंबुत्तेगामा गए।

72 लाख किमी की रफ्तार से आ रहे एस्टेरॉयड्स से क्या होगा धरती का हाल

वाशिंगटन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। नासा हाल ही में धरती के पास आने वाले एस्टेरॉयड्स के कारण अलर्ट मोड में है। इन एस्टेरॉयड्स में से कई बड़े आकार के हैं, लेकिन नासा ने स्पष्ट किया है कि इनसे धरती को कोई खतरा नहीं है। 15 सितंबर को एक 660 फीट लंबा एस्टेरॉयड धरती के पास से गुजरा, लेकिन इससे कोई विनाशकारी प्रभाव नहीं पड़ा।विशेषज्ञों का मानना है कि एस्टेरॉयड्स का धरती के करीब आना एक प्राकृतिक घटना है, लेकिन इससे उत्पन्न होने वाले प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नासा की इस पहल से मानवता को एक नई चेतना मिली है कि हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए। इस प्रकार, नासा अपने मिशनों के जरिए खगोल विज्ञान की नई जानकारी जुटाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि भविष्य में किसी भी संभावित खतरे का सही समय पर सामना किया जा सके। नासा ने आगामी घटनाओं के बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि 24 सितंबर की रात को दो

एस्टेरॉयड, 2020 जीई और 2024 आरओ11, धरती के करीब आएंगे। इनमें से 2024 आरओ 11 का आकार लगभग 120 फीट है और यह धरती के काफी पास से गुजरेगा। हालांकि, इससे टकराने की संभावना नहीं है। दूसरी ओर, 2020 जीई धरती से लगभग 6 लाख मील की दूरी पर रहेगा। नासा ने कहा कि इन एस्टेरॉयड्स को विशेष दूरबीनों से देखा जा सकेगा।नासा ने यह भी बताया कि 25 सितंबर को एक और एस्टेरॉयड, 2024 आरके 7, धरती के करीब आएगा। इसका आकार लगभग 100 फीट है और इससे भी कोई खतरा नहीं है। लेकिन लगातार बढ़ते एस्टेरॉयड्स के कारण नासा की सतर्कता बढ़ गई है। हाल ही में, 15 सितंबर को एस्टेरॉयड 2024 आरएन 16 धरती के पास से गुजरा, जिससे भयानक शॉकवेव और 16 मेगाटन की ऊर्जा निकली थी।

सुनीता विलियम्स दूसरी बार बनीं स्पेस स्टेशन की कप्तान

वॉशिंगटन। लगभग 4 माह से अंतरिक्ष में रह रहीं एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने के प्रयासों के साथ उन्हे आईएसएस यानी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की कमान सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने ऐलान किया है कि रूसी कॉस्मोनॉट ओलेक कोनोनेंको ने स्पेस स्टेशन की कमान विलियम्स को सौंप दी है। इसे लेकर स्पेस स्टेशन पर छोटा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था। अंतरिक्ष में 374 दिन बिताने के बाद वापस रूस के कोनोनेंको और निकोलाइ चुब और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी सी डायसन धरती पर लौट आए हैं। डायसन 6 महीने अंतरिक्ष में रहीं। इससे पहले करीब 12 साल पहले यानी 2012 में एक्सपीडीशन 33 के दौरान विलियम्स ने स्पेस स्टेशन की कमान संभाली थी। स्पेस स्टेशन की कप्तान होने के नाते भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री के पास कई अहम ऑपरेशन और साइंटिफिक रिसर्च का काम संभालेंगी। कार्यक्रम के दौरान विलियम्स ने कहा, एक्सपीडीशन 71 ने हमें काफी कुछ सिखाया है...। आपने मुझे और बुच को अपनाया। जबकि, यह प्लान का हिस्सा भी नहीं था। आपने परिवार की तरह हमारा स्वागत किया। बता दें कि बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आने के कारण विलियम्स की यह अंतरिक्ष यात्रा लंबी हो गई थी। कहा जा रहा है कि उनकी वापसी फरवरी 2025 तक टल गई है।

हॉकी इंडिया अक्टूबर में दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए करेगा जर्मनी की मेजबानी

नई दिल्ली , 24 सितंबर (एजेंसियां) ।

हॉकी इंडिया (एचआई) ने भारतीय पुरुष टीम और जर्मनी के बीच बहुप्रतीक्षित दो मैचों की द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला की घोषणा की है, जो अक्टूबर 2024 में होगी। भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस 2024 ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था, जहां जर्मनी ने 3-2 से जीत हासिल की थी। दोनों मैच 23 और 24 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी के प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है, और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच एक गहन प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी। हम इस आयोजन की मेजबानी करके गौरवान्वित हैं, जो न केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा देगा बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को भी मजबूत करेगा।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह का मानना है कि दोनों टीमों के पास भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए अपने कौशल को निखारने का मौका होगा। उन्होंने कहा, भारत-जर्मनी हॉकी प्रतिद्वंद्विता हमेशा एक रोमांचक मुकाबला रही है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं, और मेरा मानना है कि यह श्रृंखला दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को निखारने का मौका देगी। हमें इस भारत-जर्मन सहयोग का हिस्सा होने पर गर्व है, जो न केवल व्यापार और कूटनीति बल्कि खेल के प्रति प्रेम को भी साथ लाता है।

जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्टरिच इस द्विपक्षीय श्रृंखला को जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत हमेशा से हॉकी के लिए एक विशेष स्थान रहा है, और हमारी टीम उत्साही भारतीय हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्साहित है। यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, साथ ही दोनों टीमों को आगामी वैश्विक आयोजनों की तैयारी के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा। हम ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने की चुनौती और अनुभव का इंतजार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरानी कप 2024 : रहाणे करेंगे मुंबई की कप्तानी, सरफराज को मैच के लिए किया जा सकता है रिलीज

नई दिल्ली। अजिंक्य रहाणे लखनऊ में शेष भारत के खिलाफ 1 से 05 अक्टूबर तक होने वाले आगामी ईरानी कप मैच में रणजी ट्रॉफी चैंपियन मुंबई की अगुवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, इस मैच में ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की भी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी होगी। समझा जाता है कि श्रेयस अय्यर, मुशीर खान, शम्स मुलानी और तनुश कोटियन सहित सभी शीर्ष खिलाड़ी इस मैच में खेलेंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि भारतीय टीम में शामिल सरफराज खान को इस मुकाबले के लिए चुना जाएगा या नहीं। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट 27 सितंबर से शुरू हो रहा है और अगर सरफराज को प्लेइंग इलेवन में नहीं चुना जाता है, जो कि हो सकता है, तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन अपने प्रमुख बल्लेबाज को ईरानी कप में खेलने देने का अनुरोध कर सकता है। टीम की घोषणा आज हो सकती है। यह समझा जाता है कि भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे, जो दोनों ही भारतीय टी20 टीम में स्वत: चयनित हैं, ईरानी कप नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें 6 अक्टूबर से शुरू होने वाली टी20आई श्रृंखला के लिए 3 अक्टूबर को ग्वालियर में रिपोर्ट करना होगा।

फीफा ने लीगल हैंडबुक 2024 संस्करण प्रकाशित किया

जिनेवा। विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा ने सोमवार को लीगल हैंडबुक का 2024 संस्करण प्रकाशित किया, जिसमें दुनिया भर के फुटबॉल समुदाय को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए नवीनतम नियम, वैधानिक दस्तावेज और परिपत्र शामिल हैं। विश्व फुटबॉल शासी निकाय ने 2020 में पहले संस्करण के बाद से हर साल कानूनी पुस्तिका प्रकाशित की है। नए संस्करण में फुटबॉल संगठनों और मैचों पर लागू सभी नियमों और कानूनों में हालिया परिवर्तन और संशोधन शामिल हैं। अन्य प्रासंगिक दस्तावेजों के अलावा, कानूनी पुस्तिका के 2024 संस्करण में फीफा के नियमों के अद्यतन संस्करण, खिलाड़ियों की स्थिति और स्थानांतरण पर विनियम, तथा महिला खिलाड़ियों और कोचों के लिए नियामक ढांचा शामिल हैं।

पंजाब एफसी, राउंडग्लास हॉकी 'गोल्सटूट्रीस' अभियान में होंगे शामिल; प्रत्येक गोल पर लगाए जाएंगे 500 पेड़

मोहाली। पंजाब एफसी और राउंडग्लास हॉकी अकादमी, राउंडग्लास फाउंडेशन के साथ मिलकर ग़गोल्सटूट्रीस

अभियान में भाग लेंगे और पर्यावरणीय कार्य में योगदान देंगे। इस अभियान के तहत, पंजाब और राउंडग्लास हॉकी अकादमी टीमों द्वारा किये गए प्रत्येक गोल के लिए राउंडग्लास फाउंडेशन पंजाब में 500 पेड़ लगाएगा! ग़गोल्सटूट्रीस अभियान का उद्देश्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच पर्यावरण और वहनीयता के प्रति जागरूकता पैदा करना है। राउंडग्लास फाउंडेशन, अपने प्रमुख 'बिलियन ट्री प्रोजेक्ट' के माध्यम से 1 बिलियन पेड़ लगाने के मिशन पर है। अब तक, फाउंडेशन ने 2.6 मिलियन देशी पेड़ लगाए हैं, जिससे 1,400 से अधिक मिनी जंगलों का निर्माण हुआ है और लगभग 35,000 टन कार्बन को अवशोषित किया गया है। यह परियोजना स्थानीय जैव विविधता को पुनर्जीवित कर रही है, भूजल स्तर को भर रही है, और वायु गुणवत्ता में सुधार कर रही है, साथ ही स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी रोजगार पैदा कर रही है। सरकार की मनरेगा योजना के तहत फाउंडेशन की व्यापक वृक्षारोपण पहल के माध्यम से 13,000 से अधिक रोजगार उत्पन्न किए गए हैं। पंजाब एफसी के फुटबॉल निदेशक, निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, ग़फुटबॉल केवल एक खेल नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर में सामाजिक परिवर्तन का एक उत्प्रेरक भी है। मुझे खुशी है कि पंजाब एफसी के पास पंजाब की हरियाली बढ़ाकर और पर्यावरण को सुधारने का अवसर है। यह अभियान टीम को अतिरिक्त प्रेरणा देगा और खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। राउंडग्लास हॉकी अकादमी के सहायक तकनीकी प्रमुख, राजिंदर सिंह सीनियर ने इस पहल का स्वागत किया, जिसमें हॉकी और फुटबॉल जैसे टीम खेलों का उपयोग पंजाब में पर्यावरणीय चुनौतियों को हल करने के लिए किया जा रहा है।

आईसीसी ने की महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

अंपायरों के अनुभवी समूह में पोलोसाक सहित दस अंपायर, तीन मैच रेफरी होंगे

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के नौवें संस्करण के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। दस अंपायर और तीन मैच रेफरी 3 से 20 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टूर्नामेंट का संचालन करेंगे।

अंपायरों के अनुभवी समूह में क्लेयर पोलोसाक सहित अनुभवी अधिकारी शामिल हैं, जो अपने पांचवें आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे, जबकि किम कॉटन और जैकलिन विलियम्स मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अंतिम चैंपियन, ऑस्ट्रेलिया, के बीच। पिछले फरवरी में केप टाउन में हुए फाइनल की जिम्मेदारी संभालने के बाद अपने चौथे विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे। सू रेडफर्न, जो उस फाइनल में टीवी अंपायर थीं, भी टूर्नामेंट में अपनी चौथी उपस्थिति के लिए वापस आ गई हैं। स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, जिम्बाब्वे की सारा दंबनेवाना अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

मैच रेफरी की टीम में जीएस लक्ष्मी शामिल हैं, जिन्होंने 2012 में अपना पहला टी20ई रेफरी किया था और 2023 में फाइनल की देखरेख की थी। उनके साथ शैंड्रे फ्रिट्ज और मिशेल परेरा भी शामिल हैं, जो अपने दूसरे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में रेफरी की भूमिका में हैं।

आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक - अंपायर और रेफरी, सीन इज़ी ने कहा- आईसीसी को हमारे खेल में महिलाओं की उन्नति में योगदान देने पर गर्व है।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की इस पूर्ण महिला लाइनअप की घोषणा करना अद्भुत है। द्विपक्षीय और अन्य क्रिकेट में अपने हालिया फॉर्म के बाद इस आयोजन के लिए सबसे योग्य अंपायरों के रूप में चुने गए इस समूह में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन अंपायर हैं।

उन्होंने आगे कहा, हमें विश्वास है कि वे इस आयोजन में बहुत अच्छा काम करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि वे इसमें शामिल सभी लोगों के लिए एक रोमांचक टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष महिला क्रिकेटरों की देखरेख करेंगी। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच ऑफिशियल्स इस प्रकार हैं-

मैच रेफरी - शैंड्रे फ्रिट्ज़, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा।

अंपायरों का पैनल - लॉरेन एजेनबैग, किम कॉटन, सारा दंबनेवाना, अन्ना हैरिस, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, जैकलीन विलियम्स।

क्रिकेट को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने टी10 प्रारूप अपनाएं : नीशम

हरारे। न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज जेम्स नीशम ने कहा है कि अगर क्रिकेट को विश्व भर में लोकप्रिय बनाना है तो टी10 प्रारूप इसके लिए सबसे बेहतर रहेगा। नीशाम के अनसार ये सबसे छोटा प्रारुप है। इस कारण तेजी से लोकप्रिय भी हो रहा है। नीशम सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। उनका मानना है कि इस प्रारूप की अपनी चुनौतियां हैं पर उन्हें भरोसा है कि ये अभी आगे बढ़ेगा। नीशम ने कहा, टी10 में खेलना इसलिए सबसे कठिन है क्योंकि ये काफी छोटा है, ऐसे में फॉर्म हासिल करने या समस्याओं को ठीक करने का कोई अवसर नहीं रहता है। इसमें आपको बस बाहर जाना है और आक्रामक तरीके से खेलना है। इसमें पारंपरिक रूप से क्रिकेट खेलने वाले देशों से अलग जगहों पर खेलने का अवसर मिलता है। मैं इसे वैश्विक रग्बी सेवेंस श्रृंखला की तरह विकसित होते हुए देखता हूं, जहां हर सप्ताह के अंत में दुनिया के अलग-अलग शहरों में प्रतियोगिताएं होती हैं।। नीशम ने हाल ही में जिम एफ्रो टी10 के सीजन 2 में अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया था। इस खिलाड़ी ने केप टाउन सैम्प आर्मी के खिलाफ अपनी टीम हरारे बोल्ट्स को अपनी बल्लेबाजी से मुश्किलों से उबारा था। उनकी टीम को इस मैच में जीत मिली। इसी पारी और जीत को लेकर नीशम कहा, माहौल अच्छा था। घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा फायदेमंद होता है, इसलिए उम्मीद है कि यह हमारे लिए आगे बढ़ने का एक फायदा होगा। ड्रेसिंग रूम में माहौल अच्छा है। हालांकि टूर्नामेंट अभी बहुत शुरुआती दौर में है, इसलिए हम आने वाले मैच का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, टी10 में आक्रमक रुख अपनाने के लिए अपने पलों को चुनना और उसका पूरा फायदा उठाना शामिल है।

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने 2012 की ब्लैकफेस फोटो के लिए मांगी माफी

लंदन, 24 सितंबर (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट को क्रिकेट अनुशासन आयोग (सीडीसी) ने 2012 में ब्लैकफेस वाली तस्वीर के लिए फटकार लगाई है और 1000 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड का जुर्माना लगाया है, उनके इस व्यवहार को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण आचरण माना गया है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, 2012 में क्रिकेट क्लब पार्टी में स्पोर्ट्स स्टार थीम वाली फैंसी ड्रेस पार्टी में किसी तीसरे पक्ष द्वारा ली गई तस्वीर ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निर्देश 3.3 का उल्लंघन किया, जिसमें उस समय कहा गया था, कोई भी व्यक्ति खुद को इस तरह से संचालित नहीं कर सकता है या कोई ऐसा कार्य या चूक नहीं कर सकता है जो क्रिकेट के हितों के लिए हानिकारक हो या जो क्रिकेट के खेल या किसी क्रिकेटर या क्रिकेटरों के समूह को बदनाम करे।

नाइट, जो उस समय 21 वर्ष की थी, ने आरोपों को स्वीकार कर लिया और अपने आचरण के लिए माफ़ी मांगी। ईसीबी द्वारा जारी एक बयान में नाइट ने कहा, 2012 में मैंने जो गलती की थी, उसके लिए मैं सच में खेद व्यक्त करती हूं। यह गलत था, और मुझे लंबे समय से इसका पछतावा है। उस समय, मैं अपने कार्यों के निहितार्थ और परिणामों के बारे में उतना शिक्षित नहीं थी, जितना कि अब हो गई हूं। मेरा कोई गलत इरादा नहीं था।

उन्होंने कहा, मैं अतीत को नहीं बदल सकती, खेल में समावेशिता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों को खेल के भीतर समान अवसर और संतुष्टि मिले, जैसा कि मुझे मिला है, मैं अपने मंच का उपयोग करने के लिए भावुक और प्रतिबद्ध हूं।

यह पहली बार है जब नाइट किसी अनुशासनात्मक कार्यवाही में शामिल हुई हैं और विविधता और समावेश के आसपास उनके अवैतनिक राजदूत के रूप में काम पर भी विचार किया गया। 2021 में, उन्होंने प्रोफेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन की समानता, विविधता और समावेश प्रशिक्षण लिया, जिसने उनके सहयोग के साथ, एक हल्की सजा दी।

क्रिकेट नियामक के अंतरिम निदेशक डेव लुईस ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, क्रिकेट नियामक खेल को एक अधिक समावेशी बनाने के लिए काम कर रहा है, और जब भी नस्लवादी व्यवहार की सूचना हमारे पास आती है, तो हम सकारात्मक और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मामले में नाइट का व्यवहार भेदभावपूर्ण और आक्रामक था, हालांकि, क्रिकेट अनुशासन आयोग (सीडीसी) ने स्वीकार किया कि उनके आचरण में कोई नस्लवादी इरादा नहीं था। मैं उनके व्यवहार के संभावित प्रभाव की उनकी स्वीकृति और उनकी बिना शर्त माफ़ी का स्वागत करता हूँ।

मुंबई सिटी इस बार आईएसएल जीतने के पूरे प्रयास करेगी : विक्रम प्रताप सिंह

नई दिल्ली , 24 सितंबर (एजेंसियां) ।

मुंबई सिटी एफसी के फॉरवर्ड विक्रम प्रताप सिंह का कहना है कि उनकी टीम इस बार ट्रॉफी जीतने के लिए पहले से अधिक प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा, हम पिछली बार से ज्यादा उत्साहित और प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि जब आप मुंबई सिटी एफसी जैसे क्लब के लिए खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि जीतना है। हमारे लिए ड्रॉ हार के समान है और हर कोई इसी मानसिकता के साथ खेलता है।

उन्होंने माना कि इस समय टीम कठिन हालातों का सामना कर रही है। उसे इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप में अपने शुरुआती दो मैचों में ड्रॉ और हार का सामना पड़ा है।

जीत में अहम रोल निभाया

विक्रम चार साल पहले अक्टूबर 2020 में मुंबई सिटी एफसी में शामिल हुए थे पर साल 2023/24 सीजन उनके लिए अच्छा रहा। इस फॉरवर्ड ने इस सत्र में 20 मैच खेलकर सात गोल किये। उन्होंने एफसी गोवा के खिलाफ सेमीफाइनल के पहले चरण में ही 91वें मिनट में एक अहम गोल करके अपनी टीम को 3-2 से जीत दिलाई थी।

बेहतर प्रदर्शन करना है

हालांकि विक्रम का कहना है कि उनपर कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दबाव ज्यादा मायने नहीं रखता। मैं हमेशा पिछले सत्र से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करता हूं। मेरा लक्ष्य केवल पिछले सत्र से ज्यादा गोल करना है। अब इस खिलाड़ी का लक्ष्य टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है।

डेविस कप फाइनल्स : नडाल-अल्काराज़ स्पेन की टीम में शामिल, इटली का खिताब बचाने उतरेंगे सिनर

मैड्रिड, 24 सितंबर (एजेंसियां) ।

स्पेन ने नवंबर में मलागा में खेले जाने वाले डेविस कप फाइनल्स के लिए राफेल नडाल और कार्लोस अल्काराज़ को अपनी टीम में शामिल किया है। स्पेन 19-24 नवंबर को मलागा, स्पेन में आठ टीमों के आयोजन डेविस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल दौर में नीदरलैंड से भिड़ेगा।2024 डेविस कप खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले आठ देशों ने फाइनल 8 के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है, जिसमें खेल के कुछ सबसे बड़े सितारे 2024 विश्व चैंपियन बनने के अधिकार के लिए संघर्ष करने को तैयार हैं।

विश्व नंबर-1 जानिक सिनर एक इतालवी टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसका लक्ष्य 2012-13 में चेक गणराज्य के बाद से अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाला पहला देश बनने का है और सारा ध्यान नडाल और अल्काराज के साथ स्पेन पर होगा। नडाल ने पेरिस ओलंपिक के बाद से नहीं खेला है, क्योंकि उन्होंने यूएस ओपन और लेवर कप से नाम

वापस ले लिया था। वे स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे।

अल्काराज ने सीजन के चार ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो फ्रेंच ओपन और विम्बलडन जीते हैं। इटली के क्वार्टरफाइनल प्रतिद्वंद्वी अर्जेंटीना भी पूरी ताकत से खेल रहे हैं, जिसमें सेबस्टियन बाएज़, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और टॉमस मार्टिन एटचेवरी सभी कप्तान गुइलेर्मो कोरिया को एकल मैचों में कई विकल्प प्रदान कर रहे हैं।

डेविस कप इतिहास के दो सबसे सफल देश यूएसए और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे। अमेरिकी मैलागा में तीन शीर्ष 20 एकल खिलाड़ियों को मैदान में उतारेंगे। यूएस ओपन उपविजेता टेलर फ्रिट्ज़, टॉमी पॉल और बेन शेल्टन के साथ उतरेंगे। जबकि ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व मॉन्ट्रियल चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन करेंगे। ड्रॉ के निचले हिस्से में जर्मनी का मुकाबला कनाडा से होगा। चौथे डेविस कप खिताब के लिए जर्मनों की खोज का नेतृत्व जान-लेनार्ड स्ट्रफ करेंगे, जबकि कनाडा ने उसी टीम का चयन किया है, जिसने 2022 का खिताब जीता था, जिसमें फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और डेनिस शापोवालोव सबसे आगे हैं।

स्पेन, जिसने अपनी टीम में रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत, पाब्लो कारेनो बुस्टा और मार्सेलो ग्रैनोलर्स जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को भी शामिल किया है, क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा, जिसमें डच टीम का नेतृत्व टैलोन ग्रिएक्सपुर और बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचुल्प करेंगे। डेविस कप क्वार्टर फाइनल 19-21 नवंबर को होंगे, जबकि सेमीफाइनल 22-23 नवंबर को और फाइनल 24 नवंबर को खेला जाएगा।

अश्विन ने अपनी बढ़ती उम्र को लेकर कप्तान रोहित के साथ हुई मजेदार बातचीत को किया साझा

नई दिल्ली , 24 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारत के अनुभवी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट के दौरान कप्तान रोहित शर्मा के साथ एक मजेदार बातचीत को साझा किया। 22 सितंबर को भारत की 280 रनों की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले अश्विन की ऑलराउंड प्रतिभा ने एक बार फिर उनकी बेहतरीन प्रतिभा को उजागर किया है।

38 साल की उम्र में, अश्विन अपनी निरंतरता और मैच जीतने वाले प्रदर्शनों के लिए प्रशंसा बटोर रहे हैं, जबकि भारतीय क्रिकेट टीम युवा खिलाड़ियों की ओर बढ़ रही है।

अपने नवीनतम यूट्यूब वीडियो में, अश्विन ने एक मजेदार किस्सा साझा किया कि कैसे उनकी पत्नी, प्रीति नारायणन ने दलीप ट्रॉफी के हाइलाइट्स देखते हुए उम्र के बारे में बातचीत शुरू की। प्रीति के सवाल के कारण अश्विन ने रोहित से उनकी उम्र के बारे में मजाकिया अंदाज में बातचीत की। भारतीय टीम के वरिष्ठ सदस्य अश्विन और रोहित दोनों ने अपनी बढ़ती उम्र की चिंताओं को दरकिनार करते हुए महत्वपूर्ण क्षणों में टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम परसों कुछ हाइलाइट्स देख रहे थे। मेरी पत्नी ने मुझसे कुछ कहा-ये ऑफ स्पिनर, गेंदबाजी करते समय अपने मन में आपको गाली नहीं दे रहे होंगे? मुझे आश्चर्य हुआ कि ऐसा क्यों है और मुझे लगा कि वे सोच रहे होंगे कि वह कब हमारे लिए ब्रेक लेने के लिए निकलेंगे? अचानक, मुझे थोड़ा अजीब लगा। मुझे एहसास हुआ, हाँ, मैं अब उसी दौर में हूँ। जब हम छोटे थे, तब भी हम टीम में अपनी जगह के बारे में सोचते थे। हर कोई ऐसा करता है। जब मैं अब इसे देखता हूँ, तो यह मुझे वास्तविकता में ले जाता है। यह आपको एहसास कराता है कि आपने बहुत सालों तक खेला है। अश्विन ने कहा, मैंने आधिकारिक प्रसारण चैनल पर एक ग्राफिक देखा। उन्होंने

साल-दर-साल का ब्योरा दिया था और यह 38वें नंबर पर समाप्त हुआ। मैं उस क्लब में अकेला हूं। फिर अचानक मैंने रोहित को देखा, वह मेरे पास से गुजर रहा था। मैंने उससे पूछा तुम्हारा जन्मदिन कब है?। उसने कहा कि यह आने वाला है। मैं उसके जन्मदिन का इंतजार कर रहा हूं। फिर हम कुछ समय के लिए एक ही उम्र के हो जाएंगे।

चेन्नई टेस्ट के दौरान, अश्विन ने न केवल अपना छठा टेस्ट शतक बनाया, बल्कि छह विकेट भी लिए, जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। यह सम्मान 2021 में उनकी जीत के बाद चेन्नई में उनके लगातार दूसरे प्लेयर ऑफ द मैच सम्मान को दर्शाता है।

उल्लेखनीय रूप से, अश्विन अब एक ही टेस्ट में शतक बनाने और पांच विकेट लेने की उपलब्धि हासिल करने के मामले में इयान बॉथम के बाद दूसरे स्थान पर हैं, उन्होंने ऐसा चार बार किया है। मैचों की चौथी पारी में अश्विन की उत्कृष्टता ने उन्हें भारत के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया है। चौथी पारी में 99 विकेट लेकर उन्होंने अनिल कुंबले के 94 विकेट के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है और खुद को भारत के गेंदबाजी आक्रमण में एक अपरिहार्य संपत्ति के रूप में स्थापित किया है। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में भारत की 1-0 की बढ़त में अश्विन का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

ड्रेसिंग रूम माहौल के लिए की गंभीर की प्रशंसा

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर की उनके आरामदायक दृष्टिकोण के लिए प्रशंसा की, जिसने ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाने में योगदान दिया है। अश्विन ने भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज की सराहना की और विश्वास जताया कि गंभीर को मौजूदा टीम और भविष्य के सदस्य खूब पसंद करेंगे। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर यह टिप्पणी बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट के दौरान कोच गंभीर के साथ काम करने के अपने पहले अनुभव के बाद की है। इस दिग्गज स्पिनर ने अपने गृहनगर में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में शतक बनाया और दूसरी पारी में छह विकेट लिए, जिससे भारत ने 280 रनों से शानदार जीत हासिल की। अपने यूट्यूब चैनल पर अश्विन ने गंभीर और द्रविड़ के नेतृत्व वाले ड्रेसिंग रूम के बीच अंतर को उजागर किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत शांत है। मैं उसे रिलैक्स्ड रांचो कहना चाहता हूँ। उस पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है। सुबह, टीम की बैठक होगी। वह इस बारे में भी बहुत शांत है।

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.8 फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली,24 सितंबर (एजेंसियां) ।

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी पर बरकरार रखा है। एजेंसी ने उम्मीद जताई है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा।

रेटिंग एजेंसी ने मंगलवार को जारी एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में चालू

आरबीआई अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती शुरू करेगा

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसदी पर बरकरार रखा है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में ठोस वृद्धि से आरबीआई मुद्रास्फीति को अपने लक्ष्य के अनुरूप लाने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा। एजेंसी ने कहा कि कहा कि आरबीआई अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीति एमपीसी की समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा। इससे पिछले हफ्ते जारी एक रिपोर्ट में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा था कि भारत वित्त वर्ष 2030-31 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी को बिग थ्री क्रेडिट-रेटिंग एजेंसियों में सबसे बड़ी माना जाता है, जिसमें मूडीज रेटिंग्स और फिच रेटिंग्स भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की विकास दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। वहीं, मूडीज रेटिंग्स ने पिछले महीने कैलेंडर वर्ष 2024 में 7.2 फीसदी और कैलेंडर वर्ष 2025 में 6.6 फीसदी की दर से जीडीपी बढ़ने का अनुमान जताया था।

न्यूज ब्रीफ

एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ को दी मंजूरी

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के आईपीओ को मंजूरी दे दी है, जिसमें कंपनी 2,500 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इश्यू का वैल्यूएशन 7-8 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है और यह दिसंबर तक सूचीबद्ध हो सकता है। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो रिटेल और कॉरपोरेट सेक्टर में सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड लोन की विभिन्न श्रेणियों में सेवाएं प्रदान करती है। आईपीओ के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी जरूरी है, खासकर अक्टूबर 2022 के सर्कुलर के बाद, जब इसे अपर लेयर एनबीएफसी कैटेगरी में रखा गया था। एचडीएफसी बैंक की एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में 94.64 फीसदी हिस्सेदारी है। फिलहाल, आईपीओ के लिए बैंकरों का चयन किया जा रहा है। इसमें मॉर्गन स्टेनली, बैंक ऑफ अमेरिका, नोमुरा, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल और आईआईएफएल जैसी प्रमुख फर्मों को शामिल किया जा रहा है।

देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में 18 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । दुनिया भर में कमजोर मांग की वजह से देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 में सालाना आधार पर रत्न-आभूषण निर्यात 18 फीसदी घटकर 2.01 अरब डॉलर रह गया। जबकि अगस्त 2023 में यह 2.47 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के मुताबिक मासिक आधार पर निर्यात में तेजी देखने को मिली है। जुलाई में देश से 1.66 अरब डॉलर मूल्य के रत्न आभूषणों का निर्यात किया गया था। परिषद ने कहा है कि अमेरिका और चीन जैसे बाजारों में निर्यात बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

गोवा में मंत्रियों की बैठक में होगी जीएसटी दरों की समीक्षा

नई दिल्ली । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में छह सदस्यीय मंत्रियों का समूह गोवा में

मंगलवार और बुधवार को जीएसटी दरों की समीक्षा करेगा। उर्वरक, हैंडलूम और टेक्सटाइल सहित 100 से अधिक उत्पादों पर कर दरों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस पैनल की सिफारिशें नवंबर में होने वाली 55वीं वस्तु एवं सेवा कर काउंसिल की बैठक में पेश की जाएंगी। बैठक में रियल एस्टेट से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी, जिसमें एक मुआवजा योजना भी शामिल हो सकती है, जो इस सेक्टर पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इस मामले से सीधे तौर पर जुड़े एक सूत्र के मुताबिक इस बैठक में 90-100 उत्पादों की दर को तार्किक बनाने के असर की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। समिति में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खीमसर और केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल शामिल हैं।

सेबी ने अनिल अंबानी के बेटे अनमोल पर 1 करोड़ का जुर्माना लगाया

मुंबई । शेयर बाजार नियामक सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सामान्य कॉरपोरेट लोन (जीपीसीएल) को मंजूरी देते समय उचित सतर्कता न बरतने पर उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेबी ने रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दोनों को 45 दिनों के भीतर यह राशि चुकानी होगी। यह आदेश अगस्त में सेबी द्वारा अनिल अंबानी और 24 अन्य लोगों को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के फंड डायवर्जन (धन की हेराफेरी) के मामले में पांच साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित करने के बाद आया है। साथ ही अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी ने सामान्य कॉरपोरेट लोन को मंजूरी दी थी, जबकि 11 फरवरी 2019 को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने ऐसे किसी भी लोन को मंजूरी न देने का स्पष्ट निर्देश दिया था। इसके बावजूद अनमोल अंबानी ने 14 फरवरी 2019 को 20 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी दी थी।

शेयर बाजार : सेंसेक्स पहली बार 85 हजार और निफ्टी 26 हजार के स्तर के पार पहुंचा

ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला मार्केट, सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली,24 सितंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने के बाद मुनाफा वसूली की वजह से सपाट स्तर पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स पहली बार 85 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल हुआ। इसी तरह निफ्टी भी पहली बार 26 हजार अंक के ऊपर पहुंच गया। मुनाफा वसूली की वजह से दोनों सूचकांकों ने अपनी बढ़त गंवा दी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस और आईटी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर रियल्टी, एफएमसीजी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार उठा पटक होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को शेयर बाजार में लगातार उतार चढ़ाव होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का

मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 476.16 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 473.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 13 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,076 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,932 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,045 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 99 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,477 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,168 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,309 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 67.88 अंक की कमजोरी के साथ 84,860.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ही इस सूचकांक ने 85 हजार अंक के स्तर को पार कर लिया। हालांकि, सुबह 10 बजे के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण दोपहर 12 बजे के करीब ये सूचकांक 212.54 अंक की कमजोरी के साथ 84,716.07 अंक के स्तर तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिससे ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 450 अंक उछल कर 234.62 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 85,163.23 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की ये मजबूती अधिक देर तक टिक नहीं सकी, क्योंकि बाजार में एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स गिर कर लाल निशान में पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 14.57 अंक की कमजोरी के साथ 84,914.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 17.60 अंक की कमजोरी के साथ 25,921.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक थोड़ी देर में ही हरे निशान में पहुंच कर कारोबार करने लगा। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 12 बजे तक ये सूचकांक 52.20 अंक टूट कर 25,886.85 अंक तक गिर गया, लेकिन इसके बाद खरीदारों में एक बार फिर बाजार में मोर्चा संभाल लिया। लगातार हो रही लिवाली की वजह से कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 125 अंक की रिकवरी करके 72.50 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 26,011.55 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इस स्तर पर एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 1.35 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 25,940.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील 4.25 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 3.95 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.61 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.86 प्रतिशत और अडाणी इंटरप्राइजेज 1.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.91 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 2.58 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.78 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.68 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 1.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में उछला सोना चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने के भाव में तेजी का रुख है। हालांकि चांदी की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी के कारण देश के सभी सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच कर 76,310 रुपये से लेकर 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 69,960 रुपये से लेकर 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में गिरावट आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,210 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

यूक्रेन संघर्ष के...

दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री की हाल की यूक्रेन दौरे को याद किया और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर सुदृढ़ीकरण पर संतोष व्यक्त किया। यूक्रेन की स्थिति के साथ-साथ शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने के तरीके पर भी प्रमुखता से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने कूटनीति और संवाद के साथ-साथ सभी हितधारकों के बीच सहभागिता के माध्यम से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में भारत के स्पष्ट, सुसंगत और रचनात्मक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के लिए सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

उल्लेखनीय है कि पिछले तीन महीने से भी कम समय में दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी बैठक है। दोनों नेताओं ने निकट संपर्क में रहने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने यूएनजीए के शांति शिखर सम्मेलन में कहा था कि मानवता की सफलता हमारी सामूहिक शक्ति में निहित है, युद्ध के मैदान में नहीं। भारत ने कहा है कि संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं पाया जा सकता है, और संघर्ष को हल करने के एकमात्र साधन के रूप में बातचीत और कूटनीति के अपने रुख को दोहराया है, जिसमें दोनों पक्ष मामलों पर चर्चा करने के लिए मेज पर बैठते हैं। प्रधानमंत्री मोदी 23 अगस्त को कीव में थे और यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा थी, जिसके दौरान उन्होंने संघर्ष का समाधान खोजने के लिए अपनी व्यक्तिगत क्षमता में किसी भी तरह की मदद की पेशकश की। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, यह इस साल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तीसरी द्विपक्षीय बैठक थी।

हम सक्रिय रूप से अपने संबंधों को विकसित कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। हमारी बातचीत का मुख्य फोकस अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र और जी20 में हमारी बातचीत को बढ़ाने के साथ-साथ शांति सूत्र को लागू करने और दूसरे शांति शिखर सम्मेलन की तैयारी पर था। मैं हमारी संप्रभुता के स्पष्ट समर्थन के लिए आभारी हूं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक विशेष ब्रीफिंग के दौरान कहा कि बैठक के दौरान, जेलेंस्की ने यूक्रेन में संघर्ष पर भारत के ध्यान की सराहना की और इससे बाहर निकलने के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। मिस्री ने कहा कि दोनों नेता निकट संपर्क में रहने पर भी सहमत हुए।

मोदी ने आर्मेनियाई ...

आर्मेनिया ने 2022 में 72 करोड़ डॉलर में 15 आकाश मिसाइल प्रणालियों का ऑर्डर दिया था और वह इस प्लेटफॉर्म का पहला विदेशी खरीदार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले चार वर्षों में आर्मेनिया भारत से हथियारों का सबसे बड़ा आयातक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह संयुक्त राष्ट्र में समिट ऑफ द फ्यूचर के दौरान आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान से मिलकर बहुत अच्छा लगा। श्री मोदी ने होली सी के अधिकारी के साथ अपनी मुलाकात पर कहा, न्यूयॉर्क में होली सी के विदेश सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई।

सिद्धारमैया की ...

उन्होंने कहा कि इस तरह की स्वीकृति लेना शिकायतकर्ता का कर्तव्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्यपाल आमतौर पर संविधान के अनुच्छेद 163 में उल्लिखित प्रावधानों के तहत मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करते हैं, लेकिन वे असाधारण परिस्थितियों में स्वतंत्र निर्णय ले सकते हैं। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने कहा, वर्तमान मामला ऐसे अपवाद का उदाहरण है। न्यायाधीश ने कहा कि राज्यपाल द्वारा स्वतंत्र विवेक का प्रयोग करने में कुछ भी गलत नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्णय के कारणों को फैसला लेने वाले प्राधिकारी की फाइल में दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, राज्यपाल के आदेश में विवेक की कमी नहीं थी, बल्कि, यह विवेक के भरपूर उपयोग को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धारा 17ए के तहत मंजूरी से पहले सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य नहीं है। उन्होंने कहा, यह प्राधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है। यह निर्णय जांच को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करता है, राज्यपाल की मंजूरी की पुष्टि करता है और पूरी तरह से कानूनी जांच को सक्षम बनाता है।

श्री गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन के दौरान 2021 में किए गए भूमि आवंटन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों की तटस्थ, वस्तुनिष्ठ और गैर-पक्षपातपूर्ण जांच की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री सिद्दारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। यह मामला बेंगलुरु के टीजे अब्राहम और मैसूरु की स्नेहमयी कृष्णा की शिकायतों के आधार पर शुरू किया गया था। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि श्री सिद्दारमैया उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं। दूसरी तरफ श्री सिद्दारमैया की याचिका खारिज होने को लेकर राज्य में राजनीति शुरू हो गयी है। यह फैसला जहां श्री सिद्दारमैया की राजनीतिक विश्वसनीयता और कांग्रेस पार्टी में उनकी स्थिति को कमज़ोर कर सकता है। वहीं, विपक्षी दलों, विशेष रूप से भाजपा ने उपचुनावों के नज़दीक आने के मद्देनजर स्थिति का फ़ायदा उठाते हुए उनकी नैतिकता पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है।

भाजपा का कर्नाटक...

उन्होंने कहा, लोगों ने शासन करने का जनादेश दिया है। कांग्रेस को सरकार को ठीक से चलाने दें और भ्रष्टाचार में फंसने से बचें। उन्होंने जवाबदेही की मांग करते हुए चुनावी प्रक्रिया को बनाए रखने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने इस फैसले के बाद श्री सिद्दारमैया पर राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की परंपरा को जारी रखने का आरोप लगाया और कहा कि मुख्यमंत्री गरीबों से खोखले वादे करते हैं और खुद को और अपने परिवार को समृद्ध बनाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा, भाजपा भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र जांच की सुविधा के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के इस्तीफे की मांग करती है। उन्होंने दावा किया कि मुडा मामला एक मौजूदा मुख्यमंत्री द्वारा पद के दुरुपयोग का ज्वलंत उदाहरण है। बेंगलुरू में भाजपा नेता सीटी रवि ने अदालत के फैसले का अनुमोदन करते हुए कहा, हम इसका स्वागत करते हैं। कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है। क्या सिद्दारमैया के लिए कोई अलग कानून है, इस देश में ऐसा नहीं है। भ्रष्टाचार हुआ है... उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा एमएलसी शशिल जी. नमोशी ने भी इन भावनाओं को दोहराया और कहा कि अदालत के फैसले ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत के अभियोजन के आदेश को वैध ठहराया है। उन्होंने कहा, इससे केवल यह साबित होता है कि हम जो कह रहे थे वह सच था। मैं केवल सिद्दारमैया जी से इस्तीफा देने का अनुरोध करता हूं।

इस बीच हुबली में भाजपा सांसद जगदीश शेट्टार ने अदालत के फैसले के बाद तत्काल जांच की मांग की और जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जब उनका नाम शामिल है और उनकी पत्नी का नाम भी है तो मैं आग्रह करता हूं कि सीएम नैतिकता के आधार पर तुरंत इस्तीफा दें। उन्होंने फैसले को कानूनी सिद्धांतों के अनुरूप एक ऐतिहासिक फैसला बताया।

अब सिद्धिविनायक ...

उन्होंने यह भी कहा कि संभवतः किसी ने प्लास्टिक थैले में चूहों को रखा होगा। ट्रस्ट ने घोषणा की है कि इस मामले की जांच डीसीपी स्तर के पुलिस अधिकारी द्वारा की जाएगी। जांच से यह स्पष्ट होगा कि यह क्लिप कब की है, कहां की है, थैली कहां से आई और इसे किसने रखा। उन्होंने कहा कि, घी, काजू और अन्य सामग्री को पहले बृहन्मुंबई नगर निगम की प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा जाता है और मंजूरी के बाद इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला में पानी की भी जांच की जाती है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि हम इस बात पर पूरा ध्यान देते हैं कि भक्तों को दिया जाने वाला प्रसाद शुद्ध हो। उन्होंने कहा कि, ट्रस्ट के खिलाफ षड्यंत्र हो सकता है। इसके पहले भी इस तरह का प्रयास हुआ है। जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी। हिंदू धर्म संस्थानों को बदनाम करने की साजिश हो रही है।

संसदीय प्रक्रिया को...

उनका कहना था कि इस प्लेटफार्म पर कहीं से भी किसी भी सदन की किसी भी कार्यवाही को देख जा सकता है।

लोकसभा अध्यक्ष ने विधानमंडलों में हंगामा और कटुता पर चिंता जताई और कहा कि इस मुद्दे पर समय-समय पर पीठासीन अधिकारियों के साथ चर्चा की गई है और पीठासीन अधिकारियों से सदन की कार्यवाही का संचालन गरिमा और शिष्टाचार के साथ तथा भारतीय मूल्यों और मानकों के अनुसार करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सदन की परम्पराओं और प्रणालियों का स्वरूप भारतीय हो तथा नीतियां और कानून भारतीयता की भावना को मजबूत करें ताकि एक भारत, श्रेष्ठ भारत का लक्ष्य प्राप्त हो सके। श्री बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सदन में सभी की भागीदारी हो और सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों पर शालीनतापूर्वक चर्चा हो।

एनआईए ने ...

करने के लिए भोले-भाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाने तथा भर्ती करने में लगे हुए थे। गौरतलब है कि चेन्नई साइबर अपराध शाखा द्वारा इस साल मई के आखिरी सप्ताह के दौरान चेन्नई में एचयूटी से जुड़े छह लोगों को गिरफ्तार करने के बाद यह छापेमारी की गई। एनआईए ने तमिलनाडु पुलिस से मामला अपने हाथ में ले लिया और इसकी जांच कर रही है। गिरफ्तार लोगों में अहमद मंसूर, उसके पुत्र हमीद हुसैन, अब्दुल रहमान, मोहम्मद मौरिस, खादर नवाज शरीफ और अहमद अली शामिल हैं। उन पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। इन छह आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनका पोस्ट अपलोड करने के पीछे का उद्देश्य देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करना था। उन्होंने विभिन्न सोशल मीडिया अनुप्रयोगों पर कई खाते बनाए थे। दरअसल, एचयूटी एक प्रतिबंधित अंतरराष्ट्रीय पैन-इस्लामवादी और कट्टरपंथी संगठन, आईएसआईएस से संबद्ध है जो देश में इस्लामी खिलाफत स्थापित करने के लिए काम कर रहा है।

एनआरआई कोटे ...

यह एनआरआई व्यवसाय धोखाधड़ी के अलावा कुछ नहीं है। हम इस सब को खत्म कर देंगे... अब तथाकथित मिसालों की जगह कानून को प्राथमिकता देनी होगी। शीर्ष अदालत का कहना है कि वो जल्द ही इस संबंध में गाइडलाइन जारी करेंगे। तब तक के लिए यह फ्रॉड बंद होना चाहिए।

बता दें कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार ने 20 अगस्त को नोटिस जारी करते हुए सरकार ने नीट के एडमिशन में एनआरआई कोटा देने का ऐलान किया था। पंजाब सरकार ने एनआरआई को 15 प्रतिशत तक आरक्षण देने का ऐलान किया था। जिसके बाद डॉ बीआर अंबेडकर स्टेट इंस्टीटयूट मेडिकल साइंसेज मोहाली में एमबीबीएस की जनरल सीटें कम कर दी गई थी। कम की गई सीटों को एनआरआई कोटे में शामिल कर दिया गया।

जिसके बाद कुछ छात्र इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में पहुंच गए। 10 सितंबर को इस मामले पर सुनवाई करते हुए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने इस कोटे को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को सही बताते हुए याचिका खारिज कर दी।

हमें प्रौद्योगिकी-उन्मुख...

अवैध गतिविधियों की रोकथाम करता है। तटरक्षक कर्मियों की बहादुरी और समर्पण की सराहना करते हुए उन्होंने उन बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने पोरबंदर के पास हाल ही में एक ऑपरेशन में अपनी जान गंवा दी।रक्षा मंत्री ने देश को आंतरिक आपदाओं से बचाने में तटरक्षक बल के योगदान को अद्वितीय बताया। उन्होंने चक्रवात मिचौंग के बाद चेन्नई में तेल रिसाव के दौरान बल की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की, जिससे क्षेत्र के तटीय पारिस्थितिकी तंत्र को बड़ी क्षति होने से बचा लिया गया। श्री सिंह ने सशस्त्र बलों तथा तटरक्षक कर्मियों को स्वदेशी प्लेटफार्मों और उपकरणों के साथ आधुनिक बनाने और मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि तटरक्षक के लिए 4,000 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के 31 समुद्री पोत भारतीय शिपयार्ड द्वारा बनाए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री ने तीनों सेनाओं के बदलते समय के साथ खुद को विकसित करने का उल्लेख करते हुए तटरक्षक बल से सुधार जारी रखने, एक विशिष्ट पहचान बनाने, अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने और नए जोश के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। इस अवसर पर रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार और सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण) डॉ नितेन चंद्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

घर में बार-बार आ रहा है चूहा

जानिए यह शुभ या अशुभ, किस बात का दे रहा है संकेत

घर में चूहों को देखकर लोग डर जाते हैं। दरअसल, ये गंदगी भी फैलाते हैं और कई बार चीज-सामान कुतरकर नुकसान भी करते हैं। ऐसे में सवाल ये उठता है कि गणेश जी के वाहन मूषक से कैसे निपटा जाए क्योंकि ज्योतिष शास्त्र में यह भी कहा जाता है कि चूहों का दिखना शुभ संकेत भी देता है।

इंदौर के ज्योतिषाचार्य पंडित गिरीश व्यास बताते हैं कि भाद्र पद माह चूहों और कीट पतंगों का महीना होता है। ऐसे में उनका बार-बार दिखना शुभ नहीं माना जाता है। अन्य महीनों में उनका दिखना हानिकारक नहीं होता है।

घर में अगर बार-बार चूहा आता है, तो यह संकेत है कि भगवान गणेश की कृपा आप पर है। घर में एक से ज्यादा चूहे आना खुशियों के आगमन का संकेत देते हैं। चूहों को मारे नहीं, न ही घर से बाहर भगाएं। गणेश स्तोत्र का पाठ करने से चूहा खुद ही बाहर चला जाएगा।

नुकसान से बचने के लिए यह करें

पंडित गिरीश व्यास के अनुसार, घर में आने वाला चूहा कोई नुकसान न करे, इसके लिए भी कुछ उपाय किए जा सकते हैं। जहां चूहा दिखता हो, उस जगह पर एक कटोरी में भरकर पानी रख दें। इससे वह कपड़े या घर के सामान को कुतरेगा नहीं।

घर में साफ-सफाई रखें और घर के बाहर चूहे के बिल के पास कुछ खाने का सामान, अनाज के दाने भी रख सकते हैं। इससे भी चूहे घर में उत्पात नहीं मचाते हैं। हालांकि, यदि चूहों की वजह से घर में नुकसान हो रहा है, तो यह अच्छे संकेत नहीं हैं। इसका मतलब है कि घर में दरिद्रता आ रही है।

इसके अलावा घर में एक-एक कर चूहों की संख्या बढ़ना और रात को चूहों का आवाज करना भी अनहोनी की आशंका को बताता है। इससे बचने के लिए गणेश स्तोत्र का पाठ करें और गणेश जी की आराधना करें।

रसोई में इस दिशा में लगवाएं खिड़की, घर आएगी सुख-शांति

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। आप घर में सकारात्मक माहौल चाहते हैं, तो वस्तुओं को सही दिशा में ही रखें। गलत दिशा में वस्तुओं को रखने से जीवन में अशुभ परिणाम आना शुरू हो जाते हैं।

वास्तु शास्त्र के हिसाब से रसोई व मंदिर की दिशा पहले से ही तय है। रसोई में खिड़की भी वास्तु शास्त्र के हिसाब से लगानी चाहिए। यह आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करेगी। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी ने विस्तार से बताया है कि रसोई घर की खिड़की किस दिशा में होनी चाहिए?

रसोईघर में किस दिशा में होनी चाहिए खिड़की?

रसोई घर में खिड़की की दिशा को लेकर वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा में खिड़की लगाने से सकारात्मकता आती है।

रसोई घर में पूर्व दिशा में हो खिड़की

पूर्व दिशा में खिड़की लगाने का कारण यह है कि इस दिशा में सर्योदय होता है। यह बहुत ही शुभ दिशा होती है। इस दिशा में खिड़की बनवाने से घर में खुशहाली आती है।

रसोई घर में उत्तर-पूर्व दिशा में होनी चाहिए खिड़की

उत्तर-पूर्व दिशा को ज्ञान और आध्यात्मिकता की दिशा माना जाता है, इसलिए रसोई में खिड़की इसी दिशा में लगवानी चाहिए, जिससे आपके घर में सकारात्मकता का माहौल बनता है।

दांपत्य जीवन से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए करें आंवले के पेड़ से जुड़े ये उपाय

हिंदू धर्म में कई पेड़-पौधों को पूजनीय माना जाता है। उन्हीं में से एक है आंवले का पेड़ भी है। शास्त्रों के अनुसार, आंवले के वृक्ष में सृष्टि के रचयिता भगवान विष्णु का वास होता है। जिस घर में आंवले का पेड़ होता है, वहां सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। आर्थिक स्थिति भी अच्छी होती है। ऐसे में हम आपको आंवले के पेड़ से जुड़े कुछ वास्तु नियम बताने जा रहे हैं।

इस दिशा में लगाएं पेड़

वास्तु शास्त्र के अनुसार, आंवले का पेड़ घर की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। इस पेड़ इस दिशा में लगाने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। प्रतिदिन इस वृक्ष की पूजा करने और जल देने से घर में देवी-देवताओं का वास होता है।

इस दिन लगाएं आंवले का पेड़

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में आंवले का पेड़ लगाने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और धन से जुड़ी समस्याएं खत्म होती हैं। मां लक्ष्मी का भी आगमन होता है। आंवले का पेड़ लगाने के लिए गुरुवार और शुक्रवार को शुभ दिन माना जाता है।

जरूर करें यह उपाय

धार्मिक मान्यता है कि आंवले के वृक्ष के निचले भाग में भगवान ब्रह्मा, मध्य भाग में श्रीहरि और तने में देवों के देव महादेव का वास होता है। अगर आपके वैवाहिक जीवन में किसी भी तरह की समस्या आ रही है, तो आंवला एकादशी के दिन आंवले के पेड़ की शाखाओं पर धागा बांधना चाहिए। इसके बाद दीपक जलाएं और आरती करें। माना जाता है कि इस तरह दांपत्य जीवन हमेशा सुखी रहता है।

भूलकर भी किसी को तोहफे में न दें ये चीजें

वरना हमेशा के लिए खराब हो जाएगा रिश्ता

किसी को कोई भी गिफ्ट देने से पहले हम बहुत सोचते हैं कि उस व्यक्ति के लिए सबसे अच्छा गिफ्ट कौन-सा होता है। ऐसे में अगर आप वास्तु या ज्योतिष के अनुसार, तोहफा देते हैं, तो काफी फायदेमंद साबित होता है। दरअसल, हम कई बार कुछ ऐसी चीजें गिफ्ट कर देते हैं, जो उस व्यक्ति के भाग्य पर असर डालती हैं, साथ ही आपके रिश्ते पर भी असर होता है। वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में कुछ चीजों को गिफ्ट में देने से मना किया गया है।

गिफ्ट में न दें घड़ी

आमतौर पर लोग एक-दूसरे को अलग-अलग तरह की घड़ियां भी गिफ्ट करते हैं। लेकिन वास्तु की दृष्टि से ऐसा करना बिल्कुल सही नहीं होता है। वहीं, वास्तु शास्त्र के अनुसार, कभी भी किसी को परफ्यूम गिफ्ट नहीं करना चाहिए।

गिफ्ट में न दें रुमाल

लोग अक्सर एक दूसरे को रुमाल देना भी पसंद करते हैं, लेकिन ज्योतिष शास्त्र में ऐसा करना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता है। इससे आपके रिश्ते में खटास पैदा हो सकती है। तोहफे में जूते, चप्पल आदि देना भी अच्छा नहीं माना जाता है।

महाभारत ग्रंथ न दें

महाभारत एक पौराणिक ग्रंथ है, लेकिन माना जाता है कि इसे घर में रखने से नकारात्मकता का माहौल रहता है। इससे कलह की स्थिति भी उत्पन्न होने लगती है। ऐसे में किसी भी व्यक्ति को गिफ्ट में भी महाभारत काव्य नहीं देना चाहिए। इससे उस व्यक्ति के साथ आपका रिश्ता खराब हो सकता है।

गिफ्ट में न दें कपड़े

कई लोग एक-दूसरे को कपड़े भी गिफ्ट देते हैं। ले कि न ज ब भी आप किसी को कपड़े गिफ्ट करें, तो ध्यान रखें कि कभी भी काले रंग के कपड़े गिफ्ट न करें। क्योंकि काला रंग अशुभता का प्रतीक माना जाता है।

घर के मुख्य द्वार के सामने दिखीं ये चीजें तो जीवन पर पड़ेगा नकारात्मक असर

घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के लिए वास्तु के नियमों का हिसाब से ही चीजें रखनी चाहिए, जिससे आपके जीवन पर नकारात्मक असर न पड़े। पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी ने विस्तार से इस बारे में बताया है।

घर के सामने न रखें कचरे का ढेर

आपके घर के मुख्य द्वार के सामने अगर कचरे का ढेर है, तो यह बहुत ही नकारात्मक होता है। ऐसा होने पर आपके बनने वाले कामों में भी बाधा उत्पन्न होना शुरू हो जाएगी। आप घर के बाहर निकलेंगे वैसे ही कचरा देखकर मन में नकारात्मकता आने लगेगी। यह आपके बनने वाले कामों को भी बिगाड़ देगी।

घर के सामने न लगाएं कांटेदार पौधे

घर के सामने कांटेदार पौधों को लगाने से बचना चाहिए। अगर, आपने कैक्टस का पौधा घर के मुख्य द्वार पर ही लगा दिया है, तो यह आपको बेवजह की चिंताएं देगा। घर में ऐसा माहौल बन जाएगा कि सभी लोग परेशान ही रहेंगे। घर के सामने कांटेदार पौधे को तुरंत हटा देना चाहिए।

घर के सामने न लगाएं बड़ा पेड़

घर के सामने कोई बड़ा पेड़ नहीं लगाना चाहिए। यह आपके जीवन में नकारात्मकता लेकर आता है। इसका सीधा प्रभाव घर के मुखिया के जीवन पर पड़ता है। ऐसे में यह कोशिश करनी चाहिए कि घर के मुख्य दरवाजे के सामने किसी भी तरह का बड़ा पेड़ नहीं लगाना चाहिए।

घर के मुख्य द्वार के सामने न हो नाली या नाला

आपके घर के मुख्य द्वार के सामने कोई बड़ा नाला या नाली बनी हुई है, तो यह आपका जीवन वास्तु दोष का शिकार हो सकता है। ऐसे में जीवन में नकारात्मकता आने से आपको बहुत नुकसान हो सकता है। आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है।

इन चीजों के दान से नहीं मिलेगा कोई पुण्य, भुगतने पड़ेंगे बुरे परिणाम

दान का असल अर्थ है कि दी गई वस्तु पर से अपना अधिकार समाप्त करना। हिंदू धर्म में धार्मिक कार्यक्रमों में गरीबों, जरूरतमंदों या फिर धार्मिक स्थलों पर दान देने का महत्व माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार दान-पुण्य करता है, उसपर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है और उसके जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

हो सकती है धन की समस्या

हिंदू धर्म में झाड़ू को मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है। इसलिए यह माना गया है कि झाड़ू को कभी भी किसी को दान के रूप में नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी आपसे रुष्ट हो सकती हैं, जिससे धन संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं।

भूलकर भी न करें इन चीजों का दान

शास्त्रों के अनुसार, कभी नुकीली चीजें जैसे चाकू, छुरी, सुई या कैंची आदि का भी दान नहीं करना चाहिए। धार्मिक दृष्टि से ऐसा करना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना गया। इससे गृह क्लेश की स्थिति बन सकती है।

झेलनी पड़ेगी शनिदेव की नाराजगी

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, सरसों के तेल का दान करने से न्याय के देवता शनि देव की कृपा प्राप्त हो सकती है। लेकिन इस दौरान इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी इस्तेमाल हुआ तेल या फिर खराब हो चुका तेल का दान नहीं करना चाहिए। अन्यथा शनिदेव रुष्ट हो सकते हैं, जिससे आपको शुभ के स्थान पर अशुभ परिणाम मिलने लगते हैं।

इन बातों का जरूर रखें ध्यान

शास्त्रों में इस बात का वर्णन मिलता है कि व्यक्ति को हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार ही दान आदि देना चाहिए। कभी भी कर्ज आदि लेकर दान-पुण्य न करें। वहीं अगर आप किसी जरूरतमंद को भोजन का दान दे रहे हैं, तो इस बात का ध्यान जरूर रखें कि भोजन बासी या खराब नहीं होना चाहिए। वरना आपको इस दान का कोई लाभ नहीं मिलता।

हर रोज खाना बनाते समय करें ये काम

कभी नहीं होगी अन्न और धन की कमी

वास्तु शास्त्र के मुताबिक हर कार्य किया जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वास्तु शास्त्र में घर में सभी चीजों को रखने के लिए विशेष नियम बताए गए हैं। कई बार वास्तु दोष के कारण भी परिवार की तरक्की रुक जाती है। लगभग सभी लोग अपने घरों में देवी-देवताओं की तस्वीर लगाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोईघर में भी यदि आप मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाते हैं, तो यह बहुत शुभ होता है। इससे घर में हमेशा धन-धान्य भरा रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोई घर के दक्षिण-पूर्व कोने यानी आग्नेय कोण में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाना शुभ होता है। यह दिशा पवित्र मानी जाती है। माना जाता है कि रसोई में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाने से घर में सौभाग्य आता है। साथ ही कभी भी अनाज की कमी नहीं होती है।

मूंग की दाल अर्पित करें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मां अन्नपूर्णा को मूंग की दाल चढ़ानी चाहिए। इसके बाद इस दाल को गाय को खिलाएं। माना जाता है कि ऐसा करने से व्यक्ति को जीवन में मान-सम्मान और यश मिलता है।

सात्विक भोजन का भोग लगाएं

प्रतिदिन मां अन्नपूर्णा को सात्विक भोजन का भोग लगाना चाहिए। फिर लोगों को भोजन कराना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि रसोई में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाने से घर में हमेशा खुशियां बनी रहती हैं। साथ ही भोजन की शुद्धता बनी रहती है।

पहली रोटी गाय की निकालें

अगर आप चाहते हैं कि जीवन में कभी भी अन्न की कमी न हो, तो हर दिन पहली रोटी गाय के लिए, दूसरी रोटी कुत्ते के लिए और तीसरी रोटी कौवे के लिए निकालें। इस प्रकार मां अन्नपूर्णा का आशीर्वाद मिलता है।

राम गोपाल वर्मा की फिल्म साड़ी का पहला सिंगल आई वांट लव लिरिकल वीडियो सॉन्ग रिलीज

पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संगीत तैयार!!रामगोपाल वर्मा की नवीनतम फिल्म सारी की टैगलाइन टू मच लव कैन बी स्केरी है और यह नवंबर में तेलुगु, हिंदी, तमिल और मलयालम भाषाओं में पैन इंडिया फिल्म के रूप में रिलीज होगी। गिरि कृष्ण कमल के निर्देशन में, इस फिल्म का निर्माण एआरवी आरवी प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रसिद्ध व्यवसायी रवि वर्मा द्वारा किया जा रहा है।राम गोपाल वर्मा ने कहा: मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं और मेरे साथी रवि वर्मा आरजीवी डेन म्यूजिक लॉन्च कर रहे हैं, जिसमें केवल हमारे सहयोग से एआई एप्स द्वारा तैयार किया गया संगीत होगा। एआई म्यूजिक का पहला प्रयोग हमारी नई फीचर फिल्म सारी में किया गया है। दूसरे शब्दों में, सारी का पूरा संगीत जिसमें इसका बैकग्राउंड स्कोर भी शामिल है, एआई द्वारा तैयार किया गया है, जो सारी को एआई द्वारा तैयार किए गए संगीत का उपयोग करने वाली पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म बनाता है।बहुत जल्द ही एआई म्यूजिक निश्चित रूप से मानव संगीत उद्योग को प्रभावित करेगा। निकट भविष्य में मानव संगीतकार, संगीतकार, गीतकार और गायक पूरी तरह से गायब हो जाएंगे क्योंकि एआई ऐप्स तेजी से विकसित होते रहेंगेएआई ऐप्स के विपरीत, मानव संगीतकार अक्सर समय सीमा को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं, संगीतकारों को शेड्यूलिंग संघर्षों का सामना करना पड़ता है और गीतकार गीत के सार को पकडऩे में विफल हो सकते हैं और गायक भी अपने स्वयं के मुद्दों के साथ आते हैं। ये रचनात्मक प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं और संगीत निर्माण को समय लेने वाला और महंगा बना देते हैंएआई म्यूजिक ऐप्स हमें दिए गए संकेतों पर गाने बनाते हैं, ताकि हम अनुवाद में किसी नुकसान के बिना संगीत बना सकें, संपादित कर सकें और बना सकें क्योंकि वे शून्य लागत पर सेकंड में असीमित विकल्प देते हैं, यह भी सुनिश्चित करता है कि संगीत पर हमारी अपनी छाप हो क्योंकि संकेत हमसे ही आ रहा हैइस नई एआई तकनीक को अपनाने से, अब मैं अपने विजऩ के अनुरूप संगीत बनाने के लिए स्वतंत्र हूँ।एआई म्यूजिक में सबसे बड़ा गेम चेंजर यह है कि यह संगीत को लोकतांत्रिक बनाता है और इसे आम लोगों के हाथों में देता हैपहले के विपरीत, जहाँ केवल संगीत उद्योग के लोग ही संगीत बना सकते थे, अब ड्राइवर से लेकर खेत मजदूर, नर्स, कॉलेज के छात्र से लेकर स्कूली बच्चे तक अपनी पसंद के हिसाब से संगीत बना सकते हैंकुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि एआई ऐप्स अच्छा संगीत नहीं बनाएँगे, लेकिन अच्छा संगीत व्यक्तिगत पसंद का मामला है और जो एक के लिए अच्छा है, वह दूसरे के लिए अच्छा नहीं हो सकतायह समझने की ज़रूरत है कि एआई का उद्देश्य ऐप का उद्देश्य उस व्यक्तिगत उपयोगकर्ता को संतुष्ट करना है जो इसे प्रेरित कर रहा है..क्या कोई विशेष गीत लोकप्रिय होगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्तिगत उपयोगकर्ता का स्वाद कई लोगों को पसंद आएगा या नहीं, जो मानव निर्मित संगीत के मामले में भी लगभग वैसा ही है।इसमें कोई संदेह नहीं है कि आने वाले दिनों में एआई संगीत ऐप दुनिया भर में लाखों कंप्यूटर जनित संगीत, गीत, गायन आवाज़ और संगीत शैलियों की बाढ़ लाकर गायकों, गीतकारों, संगीतकारों और संगीतकारों के करियर को खत्म कर देंगे। युवा लोगों के लिए संगीत उद्योग में अपना करियर बनाना मूर्खता होगी क्योंकि कोई भी इंसान एआई संगीत का मुकाबला नहीं कर सकता।हर नई तकनीक मौजूदा सिस्टम को मिटा देगी और हाँ, करियर भी खत्म हो जाएँगे, लेकिन सामाजिक उन्नति इसी के बारे में हैकार ने घोड़े की गाडिय़ों को मिटा दिया, स्ट्रीमिंग सेवाओं ने डीवीडी को मिटा दिया, ईमेल ने डाक मेल को मिटा दिया और कौन जानता है कि भविष्य में एआई को क्या मिटा देगा।

जूनियर एनटीआर की देवरा का धांसू रिलीज ट्रेलर आउट

समंदर के अंदर राज करने के लिए खौफनाक अंदाज में दिखे अभिनेता

जूनियर एनटीआर देवरा साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है जिसमें एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान खास रोल में हैं। फैंस फिल्म के ट्रेलर के बाद से ही काफी एक्साइटेड हैं वहीं मेकर्स ने एक और ट्रेलर रिलीज करके फैंस की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ा दी है। हाल ही में देवरा का रिलीज ट्रेलर दर्शकों के लिए रिलीज किया गया है। जिसमें जूनियर एनटीआर समंदर पर राज करने के लिए सैफ अली खान के साथ लोहा ले रहे हैं।देवरा के रिलीज ट्रेलर में समंदर के अंदर की दुनिया की झलक दिखी। जिसके लिए जूनियर एनटीआर युद्ध कर रहे हैं।

इससे पहले देवरा का ट्रेलर किया गया था, जिससे पता चलता है कि एनटीआर का इसमें डबल रोल है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि देवरा (जूनियर एनटीआर) और भैरा (सैफ अली खान) समंदर पर कब्जा करने के लिए एक-दूसरे के खून के प्यासे बन हुए हैं। वहीं रिलीज ट्रेलर में भी समंदर के अंदर उनके बीच खतरनाक युद्ध होता है। वहीं एक सीन में एनटीआर को शार्क की सवारी करते हुए भी देखा गया। वाकई ट्रेलर देखकर फिल्म के लिए एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है।

फिल्म देवरा पार्ट 1 में सैफ अली खान विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं उनके कैरेक्टर का नाम भैरा है जिसकी टक्कर देवरा से होती है। वहीं जाह्नवी कपूर फिल्म में एनटीआर के अपोजिट नजर आएंगी। देवरा पार्ट 1 को सिवा कोराताला ने बनाया है वहीं युवासुधा आर्ट्स ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। आपको बता दें, जूनियर एनटीआर को साल 2022 में आई मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर में देखा गया था। इस फिल्म के सॉन्ग नाटू-नाटू ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में ऑस्कर जीता था। जिसमें उनके साथ राम चरण भी थे।

रिलीज से पहले कमल हासन की ठग लाइफ ने की 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की आने वाली फिल्म का नाम ठग लाइफ है। इन दिनों कमल हासन उसी की शूटिंग में व्यस्त हैं और ये फिल्म इसी साल नवंबर या दिसंबर में रिलीज हो सकती है। फिलहाल ठग लाइफ कब रिलीज होगी ये तो नहीं पता लेकिन इस फिल्म ने रिलीज से पहले एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है, ऐसी खबरें खूब सुर्खियों में है।जी हां, कमल हासन की आने वाली फिल्म ठग लाइफ के डिजिटल राइट्स की कीमत बहुत ज्यादा है जिसे अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड माना जा रहा है। चलिए ठग लाइफ के डिटिजल राइट्स की कीमत पर डिटेल्स में बताते हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, कमल हासन की आने वाली फिल्म ठग लाइफ की ओटीटी डील पक्की हो गई है। फिल्म के ओटीटी राइट्स 149।7 करोड़ में बिके हैं और ये रिकॉर्ड ब्रेकिंग डील है जब किसी तमिल फिल्म की ओटीटी राइट्स के लिए इतनी बड़ी डील लॉक हुई है। अभी ये बात साफ नहीं है कि फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी लेकिन फैंस इसके लिए एक्साइटेड हैं। ठग लाइफ की रिलीज डेट भी अभी सामने नहीं आई है और इसके कंफर्मेशन के लिए अभी आपको इंतजार करना होगा।मणि रत्नम के निर्देशन में बन रही फिल्म ठग लाइफ को राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, रेड गेंट मूवीज और मद्रास टॉकीज बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म में ए आर रहमान का म्यूजिक होगा और लीड एक्टर कमल हासन हैं। फिल्म ठग लाइफ में कमल हासन के अलावा ऐश्वर्या लक्ष्मी, त्रिषा कृष्णन, जयम रवि, पंकज त्रिपाठी, जोजू जॉर्ज और सलमान दुलकीर जैसे कलाकार नजर आएंगे।बता दें, कमल हासन की पिछली रिलीज फिल्म इंडियन 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन उनकी एक और फिल्म कल्कि: 2898 एडी भी इसी साल आई जो सुपरहिट रही। इस फिल्म में कमल हासन का निगेटिव रोल था लेकिन उनके काम की हमेशा की तरह तारीफ हुई।

इंटरनेट पर छाया रकुल प्रीत सिंह का हॉट बॉसी लुक

बी-टाउन की खूबसूरत हसीना रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपनी अदाओं से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका स्टाइलिश लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से लोगों का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टाइलिश अंदाज इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर का ब्लेजर और स्टाइलिश स्कर्ट पहनी हुई है, जिसमें वो सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों का हाई बन बनाकर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स कर के अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू हॉट टू हेंडल। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक स्टनिंग।

लापता लेडीज की ऑस्कर 2025 में एंट्री, बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज कैटेगरी में सेलेक्ट हुई फिल्म

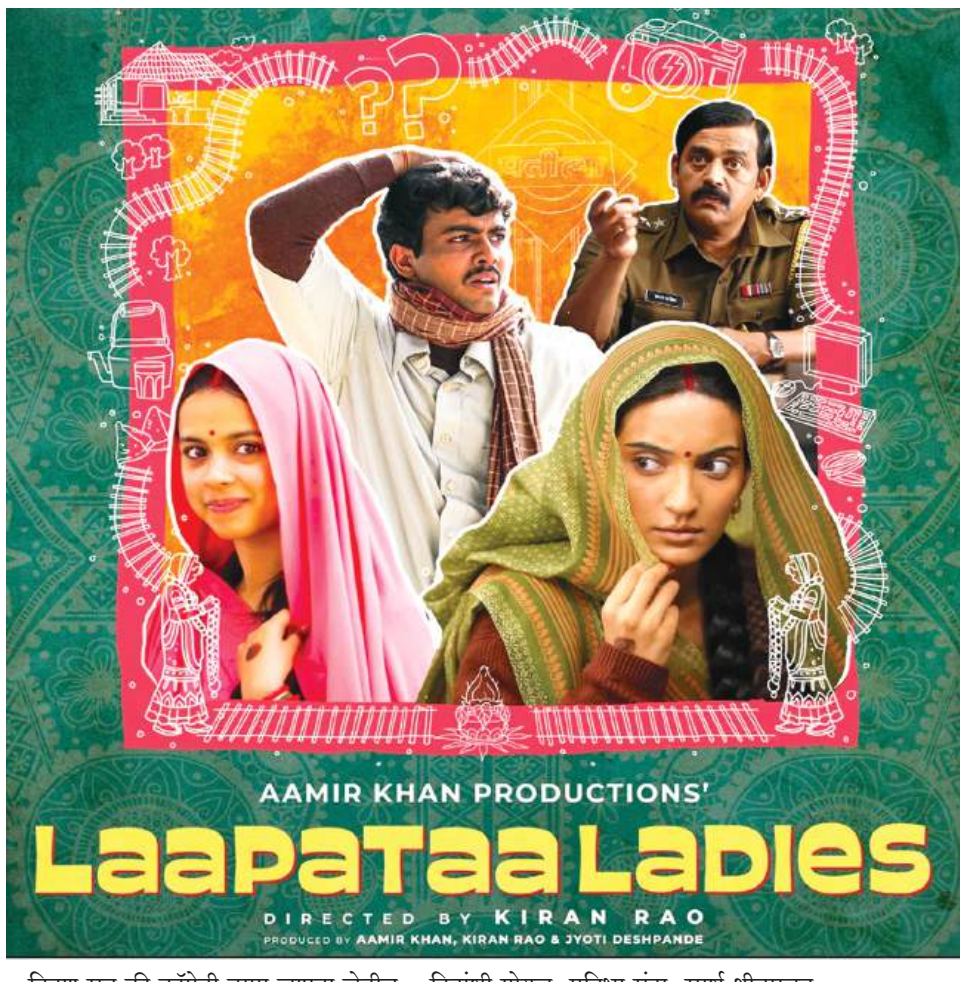

किरण राव की कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज की 97वें ऑस्कर अवॉर्ड्स में एंट्री हो चुकी है। फिल्म को बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज कैटेगरी के लिए चुना गया है। इस फिल्म का निर्देशन किरण राव ने किया है और आमिर खान इसके को-प्रोड्यूसर हैं। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने अहम रोल प्ले किया है। हाल ही में किरण राव ने कहा था कि यह उनका सपना है कि लापता लेडीज ऑस्कर में जाए। जिसके बाद फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य चेन्नई में इक्ठे हुए और घोषणा की कि वे 97वें अकादमी पुरस्कारों में भारत की ऑफिशियल एंट्री के रूप में लापता लेडीज को भेज रहे हैं।आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म लापता लेडीज से धोबी घाट के बाद किरण राव ने निर्देशन में वापसी की है। सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले, फिल्म को 2023 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था।

इसे फेस्टिवल में मौजूद दर्शकों से स्टैंडिंग ओवेशन मिला। 95वें अकादमी पुरस्कार भारत के लिए बहुत खास थे क्योंकि एसएस राजामौली की आरआरआर के गाने नाटू नाटू ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग के लिए अकादमी पुरस्कार जीता। डॉक्यूमेंट्री सेक्शन में भी भारत ने बाजी मारी, जिसमें द एलीफेंट व्हिस्परर्स ने सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री (शॉर्ट) जीती। शौनक सेन की ऑल दैट ब्रीथ्स को भी बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फीचर के लिए नॉमिनेशन मिला लेकिन यह नहीं जीत पाई।

लापता लेडीज की कहानी दो दुल्हनों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी ट्रेन यात्रा के दौरान अदला-बदली हो जाती है। उतार-चढ़ाव से भरी यह यात्रा तब शुरू होती है, जब उनके पति असली दुल्हन की तलाश शुरू करते हैं। कॉमेडी के तड़के के साथ फिल्म एक सोशल मैसेज भी छोड़ती है जो दर्शकों का दिल छु जाता है। रिलीज के बाद से फिल्म ने चारों तरफ से तारीफें बटोरीं हैं और अब इसकी ऑस्कर में एंट्री देश के लिए गर्व की बात है।

शहनाज गिल ने स्टायलिश आउटफिट में कराया बोल्ड फोटोशूट

टीवी की मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कुछ बेहद ही हॉट और स्टाइलिश तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में शहनाज व्हाइट ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं और उनका ये अवतार फैंस को काफी पसंद आ रहा है। शहनाज गिल ने अपने इस फोटोशूट में लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने कुछ ऐसे पोज दिए हैं जो उनके फैंस को दीवाना बना रहे हैं। शहनाज का ये स्टाइलिश लुक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है और उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इन तस्वीरों में शहनाज गिल का अभी तक का सबसे हसीन लुक देखने को मिल रहा है। जिसे देख उनके फैंस भी दंग रह गए हैं। शहनाज ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के लिए व्हाइट कलर की शॉर्ट्स ड्रेस पहनी हुई है। जिसके साथ उन्होंने एक रेड लॉन्ग दुपट्टा ओढ़ा है। हर तस्वीर में शहनाज का एक अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। फोटोज में एक्ट्रेस बेबाकी से अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। शहनाज ने अपने ये सिजलिंग लुक खुले गीलों बालों, ग्लोसी मेकअप और गले में मैचिंग नेकलेस पहनकर पूरा किया है। इसके अलावा शहनाज ने हाथ में कुछ स्टाइलिश कड़े भी पहने हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में हार्ट वाली इमोजी बनाई है।शहनाज गिल की इन तस्वीरों को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। फैंस इन तस्वीरों पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और शहनाज की खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। कुछ फैंस ने तो उन्हें सबसे स्टाइलिश अभिनेत्री तक कह दिया है।वर्कफ्रंट की बात करें तो शहनाज गिल आखिरी बार भूमि पेडनेकर के साथ थैंक्यू फॉर कमिंग में नजर आई थी। अब जल्द ही वो वरुण शर्मा के साथ सब फर्स्ट क्लास में दिखने वाली हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। आप मोबाइल या टीवी पर आवश्यकता से अधिक समय जाया कर सकते हैं। लगता है कि आपका जीवनसाथी आज बहुत ख़ुश है। आपको सिर्फ़ वैवाहिक जीवन से जुड़ी उसकी योजनाओं में मदद करने की ज़रूरत है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं।

बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी। जिन दोस्तों से अरसे से मुलाक़ात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शौकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूज़िक सुन सकते हैं। आपके जीवनसाथी का आन्तरिक सौन्दर्य बाहर भी पूरी तरह महसूस होगा। किसी भी काम को करने से पहले यह जान लें कि इसका परिणाम आपके ऊपर कैसा पड़ेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है। आज कोई उलझन आपको दिन भर तंग कर सकती है। इस उलझन को दूर करने के लिए आपको अपने घर वालों से बात करनी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं ।अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है। संयमपूर्वक अपनी योजना को अन्तिम रुप दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। आपकी निजी ज़िंदगी के बारे में दोस्तों से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है। किसी को काम देने से पहले उस काम के बारे में आपको खुद भी जानकारी एकत्रित कर लेनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है। कारोबारी में मुनाफ़ इस राशि के कारोबारियों के लिए आज सुनहरे सपने के सच होने जैसा होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुंचाएंगे। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आपके किये गये कामों को आज आपके सीनियर्स के द्वारा सराहा जाएगा जिससे आपके चेहरे पर भी मुस्कान दौड़ जाएगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका रूखा बर्ताव आपके जीवनसाथी का मूड ख़राब कर सकता है। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपका प्रिय आपको तोहफ़े/उपहार दे सकता है।

आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज का दिन तनाव से मुक्त रहने की कोशिश करें, इसलिए आराम करने पर ज़ोर दें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बच्चों के साथ आप सुकून पाएंगे। बच्चों की यह क्षमता क़ुदरती है और न केवल आपके परिवार के बच्चों में, बल्कि हर बच्चे में यह गुण होता है। वे आपको सुकून और राहत दे सकते हैं। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 25 सितंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 12:13 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 10:24 तक
योग : वरियान रात्रि 12:16 तक
करण : कौलव दोपहर 12:13 तक
चन्द्र राशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:09 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:13 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:06 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:01 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अष्टमी श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस सरकार के समय में हरियाणा में हुआ जमकर भ्रष्टाचार

सैनी ने बरवाला में भाजपा प्रत्याशी गंगवा के समर्थन में की रैली

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को बरवाला विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी रणवीर गंगवा के समर्थन में नॉन-स्टॉप विकास, भाजपा पर विश्वास जनआशीर्वाद रैली की।

श्री सैनी ने इस दौरान कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय में जमकर भ्रष्टाचार हुआ, किसानों और दलितों पर अन्याय किए गए। उन्होंने कहा कि हुड्डा ने तो हरियाणा का विकास रोक दिया था। उन्होंने कहा कि हुड्डा सरकार ने किसानों, मजदूरों और दलितों का अपमान किया है। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में डूबकर हरियाणा का भविष्य बर्बाद कर दिया था। आज कांग्रेस पार्टी का कोई नेता हरियाणा के लोगों के सामने जवाब देने के काबिल नहीं है। हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को सिरे से नकार दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ अक्तूबर को जब नतीजे आयेंगे, तो जनता कांग्रेस को आईसीयू में भेजने का काम करेगी। कांग्रेस ने झूठ, भ्रष्टाचार और कुशासन के अलावा हरियाणा को कुछ नहीं दिया। जनता अब कांग्रेस के छल-कपट को समझ चुकी है और इस बार भाजपा की सरकार बहुमत से लौटेगी। रैली में भाजपा प्रत्याशी रणवीर गंगवा, जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, जिला के प्रवासी प्रभारी राजेंद्र राठौर और जिला महामंत्री आशीष जोशी उपस्थित रहे।

श्री सैनी ने लाडो लक्ष्मी योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने इस योजना के तहत हर महीने महिलाओं को 2100 रुपये देने का फैसला लिया है। इसके अलावा, गैस सिलेंडर अब केवल 500 रुपये में मिलेगा। अगले साल तक यह योजना 12 सिलेंडर प्रति वर्ष तक बढ़ाई जायेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दो लाख नयी नौकरियों का वादा किया है और हर वादा पूरा किया जायेगा। मुख्यमंत्री सैनी ने भाजपा के 10 साल के शासनकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि हमने बिना पर्ची और बिना खर्च के युवाओं को नौकरियां दी हैं, और भाजपा सरकार हरियाणा में तीसरी बार सत्ता में आ रही है। चाहे राहुल गांधी आ जाएं या सोनिया गांधी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

हरियाणा देश में पहली सरकार 24 फसलों पर देती है एमएसपी

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा की सरकार देश में पहली सरकार है जो 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) किसानों को देती है।

श्री विज ने कहा, न पहले की कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने किसानों को एमएसपी दी और न ही हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकारें किसानों को एमएसपी दे रही हैं और न ही किसी और सरकार ने अब तक एमएसपी दी। केवल और केवल हरियाणा सरकार ने ही 24 फसलों पर एमएसपी देने का काम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा दिये गये बयान कि सरकार बनते ही सबसे पहले शंभू बॉर्डर को खोलने का प्रयास किया जायेगा, के संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा, आम आदमी पार्टी (आपा) के साथ भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन है। हुड्डा जी पंजाब की सीमा में किसान बैठे हुए हैं, आप पंजाब में आम आदमी पार्टी को और उनके मुख्यमंत्री को कहकर किसानों को उठवा दें। उन्होंने अभी तक किसानों की समस्यायें क्यों नही सुनी, किसानों की बात सुनते और इतने महीने हो गये लेकिन उनके पास फुर्सत नहीं है। अगर वे उनकी बात सुनते तो किसान उठ जायेंगे और रास्ते अपने आप खुल जायेंगे।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने फिर से जताई मुख्यमंत्री की दावेदारी

कहा- प्रजातंत्र में स्वीकार्य

कैथल, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस के दिग्गज रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री पद की दावेदारी जताई है। सुरजेवाला ने मंगलवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता में बयान देकर मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताई है। सुरजेवाला ने कहा कि अपनी दावेदारी जताना प्रजातंत्र में स्वीकार्य है। वहीं, अपने बारे, शैलजा और हुड्डा पर कहा कि मुख्यमंत्री तो तीनों बनना चाहते हैं, लेकिन यह हाईकमान तय करेगा। मुख्यमंत्री किसे बनाया जाएगा, ये हाईकमान तय करेगा।

बता दें कि उनके बेटे व कैथल विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी आदित्य सुरजेवाला ने कहा था कि उनकी इच्छा है कि उनके पिता कांग्रेस सरकार बनने पर मुख्यमंत्री बनें। इसके जवाब में रणदीप ने कहा कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा यह हर व्यक्ति की आंकाक्षा है। सुरजेवाला ने कहा कि मैं, कुमारी सैलजा, जो मेरी बड़ी बहन है, चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा सीएम बनना चाहते हैं। हम तीन लोगों के अलावा किसी और साथी का भी यह अधिकार है, यहां प्रजातंत्र है। आखिर में यह निर्णय राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे करते हैं, जो निर्णय वह करेंगे, वह हम सभी को स्वीकार होगा। कुमारी सैलजा को पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा ट्विटर पर बधाई देने पर रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इन बातों में कोई वजन नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री का मैं आदर करता हूं, वह पिता समान हैं, उनकी उम्र की वजह से, पर वे बचकाना बातें कर रहे हैं। कुमारी सैलजा कांग्रेसी थी, हैं और रहेंगी।

प्राकट्योत्सव पर महालक्ष्मी माता को पहनाई सवा पांच लाख की पोशाक

उदयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में झीलों की नगरी उदयपुर वासियों की प्रमुख आस्था का केंद्र माता महालक्ष्मी मंदिर में प्राकट्योत्सव मंगलवार को धूमधाम के साथ मनाया गया।

शहर के भट्टियानी चौहट्टा स्थित माता महालक्ष्मी का मंदिर उदयपुर संभाग का सबसे पुराना मंदिर है और प्राकट्योत्सव के अवसर पर हर वर्ष हजारों भक्त पूरे दिन में दर्शन करते हैं। इस मौके पर माता महालक्ष्मी का सोने और चांदी की बनी मनमोहक पोषक से श्रृंगार किया गया। प्राकट्योत्सव के अवसर पर तड़के चार बजे न्यासी जतिन श्रीमाली एवं पुजारी राजेंद्र ओझा ने मातेश्वरी महालक्ष्मी का अभिषेक किया। उसके बाद मातेश्वरी महालक्ष्मी जी को सवा लाख रुपए की सोने-चांदी से बनी पोशाक धारण करायी गयी। प्रातः काल 10:00 बजे श्री सूक्त के पाठ एवं हवन प्रारंभ हुआ, जिसमें मुख्य यजमान जयप्रकाश श्रीमाली के साथ पांच जोड़े हवन में बैठे। उसके पश्चात पूर्णाहुति हुई, जिसमें समाज के कई प्रबुद्ध लोग शामिल हुए।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का कांग्रेस पर तंज, कहा

राहुल गांधी ने लगाई पर्ची-खर्ची पर मुहर, पुत्रमोह में फंसे हुए हैं हुड्डा

रोहतक, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली का कहना है कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 62 सीट जीतकर बहुमत से सरकार बनाएगी। प्रदेश के अंदर जो माहौल बना हुआ है, उसके आधार पर यह आंकलन किया गया है। बड़ौली मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मीडिया केंद्र में पत्रकारों बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का ढोल फट चुका है। राहुल गांधी जहां विदेशों में जाकर देश को अपमानित करने का मौका नहीं चूके, वहीं रैली की तैयारी कर पर्ची व खर्ची की मंशा पर मोहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि जहां से कांग्रेस प्रत्याशी ने पहले अपना घर भरने की बात कही थी, वहीं पर राहुल गांधी रैली करने जा रहे हैं। इससे साफ है कि उन्होंने भ्रष्टाचार व पर्ची व खर्ची की कांग्रेस नेताओं की मंशा पर मोहर लगा दी है। बड़ौली ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा पुत्र मोह में फंसे हुए हैं। इसलिए पहले अशोक तंवर और अब कुमारी सैलजा का अपमान किया। बड़ौली ने बताया कि 25 सितंबर बुधवार को गोहाना में रोहतक-पानीपत राजमार्ग के किनारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली होगी।

रेलवे ने गठित किए रेल रक्षक दल

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने रेल दुर्घटनाओं में त्वरित राहत एवं बचाव कार्रवाई के लिए रेल रक्षक दल का गठन किया है जो दुर्घटना राहत ट्रेन से पहले सड़क मार्ग से घटनास्थल पर पहुंच कर काम करने में सक्षम है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की पहल पर उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बनी इस टीम को राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) ने प्रशिक्षित किया है और ज़ोन के चारों मंडलों में चार स्थानों - बांदीकुई, लालगढ़, उदयपुर एवं मेड़ता रोड पर तैनात किया है। श्री वैष्णव ने जयपुर के गांधीनगर स्टेशन पर पुनर्विकास के काम का निरीक्षण करने के साथ ही रेल रक्षक दल की दो टीमों को भी देखा।

सूत्रों के अनुसार रेल मंत्री ने नवंबर, 2023 में एक बैठक में दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी से यात्रियों की तेजी से निकासी के मुद्दे पर काम करने की जरूरत व्यक्त की थी जिसके बाद रेलवे बोर्ड द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे, पूर्वी तटीय रेलवे, भारतीय रेलवे आपदा प्रबंधन संस्थान (आईआरआईडीएम) बेंगलुरु, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) और रेल कोच फैक्ट्री (आरसीएफ) की एक समिति गठित की गई थी। समिति की सिफारिशों के अनुरूप रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और कैरिएज एंड वैगन विभाग के इंजीनियरों की टीम बना कर एनडीआरएफ द्वारा एक माह का प्रशिक्षण दिलाया गया।

कांग्रेस की जिनको टिकट नहीं मिली वो अंदरखाने कर रहे भाजपा की मदद :मनोहर लाल

फतेहाबाद, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय आवास, शहरी मामलों तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस में 2500 लोग टिकट मांग रहे थे। एक-एक सीट पर 35 से 40 दावेदार थे। आखिरी समय पर 89 लोगों को तो टिकट दे दी। मगर बाकी लोग अंदरखाते भाजपा की मदद कर रहे हैं। कुछ खुलकर भी साथ आए हैं। हो सकता है कि फतेहाबाद में चार-पांच मदद कर रहे हों। कांग्रेस ने जिन 89 लोगों को टिकट दी है, उसमें से कई अपराधिक प्रवृत्ति के लोग हैं। एक तो दो दिन पहले तक जेल में था। कई ईडी के शिकंजे में आए हुए हैं। कई लोगों पर दर्जनों केस बने हुए हैं।

वे मंगलवार शाम को फतेहाबाद के भूना मोड़ स्थित भाजपा चुनावी कार्यालय में कार्यकर्ताओं व सामाजिक लोगों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने 58 साल तक हमेशा इतिहास दोहराया है। केंद्र में जिसकी सरकार होती है, उसी की सरकार प्रदेश में बनती है। प्रदेश की समझदार जनता इस बार भी वही इतिहास दोहराएगी। कांग्रेस शासित प्रदेशों में तो केंद्र सरकार की योजनाएं लागू नहीं कर रहे हैं। इसलिए जनता मन बना चुकी है कि केंद्र की तरह हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनेगी, जिसका नेतृत्व नायब सिंह सैनी करेंगे। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार में रेहड़ी, फड़ी वालों से पैसे वसूल जाते थे। मासिक हफ्ते की वसूली होती थी। नौकरियां देने के लिए भी रिश्ते करवाए जाते थे। अधिकारियों की हर सीट की कीमत होती थी। थानों में एसएचओ लगने के लिए भी लाखों रुपये की बोलियां लगती थी। पहले नौकरियां भी बिकती थी। मगर गांवों में बिना पर्ची-बिना खर्ची की बात सिर चढ़कर बोल रही है।

कांग्रेस के झूठ की हांड़ी अब फूट चुकी है : अश्विनी वैष्णव

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 संविधान की व्यवस्था के तहत पूरी तरह समाप्त हो चुकी है और उसके वापस आने की कोई संभावना नहीं है। श्री वैष्णव ने मंगलवार को यहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 एक अस्थाई व्यवस्था थी जो पूरी तरह समाप्त हो चुकी है और अब उसके वापस आने की कोई संभावना नहीं है। अगर कोई विपक्षी दल यह बोल रहा है तो वह भ्रम फैला रहा है, उसकी बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रयासों एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प से जम्मू और कश्मीर में सभी नागरिक भारत के

संविधान के अनुसार एक मजबूत राष्ट्र के लोकतंत्र की प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभा रहे है। आरक्षण को लेकर कांग्रेस नेताओं के बयान के सवाल पर श्री वैष्णव ने कहा कि झूठ की हांडी काठ की हांडी की तरह होती है और वह बार बार नहीं चढ़ती।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के झूठ और भ्रम फैलाने के उसके सिस्टम को लोगों ने समझ लिया है और अब उसकी कोई नहीं मानता है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय राजस्थान जैसे महत्वपूर्ण प्रदेश को रेलवे के विकास के लिए 682 करोड़ रुपए साल के मिल रहे थे जबकि आज श्री मोदी राजस्थान को 9960 करोड़ रुपए का बजट रेलवे विकास के लिए आवंटन किया है और इसके कारण पूरे प्रदेश में रेलवे को विकसित करने का काम अच्छा एवं तेजी से चल रहा है तथा 85 रेलवे स्टेशन नए तरीके से बन रहे है। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि वहां चुनाव परिणाम अच्छे आएंगे।

रेलमंत्री ने जयपुर के गांधीनगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का किया अवलोकन

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को जयपुर के गांधीनगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के कार्यों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत में रेलवे स्टेशन कि पुनर्विकास योजना चल रही है जो कि विश्व की सबसे बड़ी पुनर्विकास योजना है। उन्होंने कहा कि देश भर में 1324 रेलवे स्टेशनों को पुनर्विकास किया जा रहा है उन्हीं में से एक जयपुर का गांधी नगर रेलवे स्टेशन है। उन्होंने बताया कि गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर दोनों प्रवेश द्वार पर बिल्डिंग के ढांचे का कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिसिंग कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि गांधीनगर रेलवे स्टेशन पर 72 मीटर चौड़ाई वाले एयर कॉनकोर्स के निर्माण के लिए गर्डर लॉचिंग का काम पूरा किया है जो कि सम्पूर्ण भारतीय रेलवे पर पहली बार हुआ है। गर्डर लॉचिंग के बाद एयर कॉनकोर्स से सम्बंधित कार्य प्रगति पर है। एयर कॉनकोर्स में यात्रियों को वेटिंग रूम की सुविधा के साथ-साथ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, कैफेटेरिया, गेम ज़ोन जैसी सुविधाएं भी मिलेगी और यह क्षेत्र यात्रियों के साथ-साथ आमजन के लिये भी उपलब्ध रहेगा।

उन्होंने कहा कि गांधीनगर स्टेशन के पुनर्विकास से स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होगी । स्टेशन पुनर्विकास में ऊर्जा खपत में कमी के लिए ग्रीन बिल्डिंग आधारित व्यवस्थाएं होंगी, जो नवीनीकरणीय ऊर्जा, वर्षा जल संचयन आदि जैसे संसाधनों युक्त होगी। स्टेशन पर लगभग 1400 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित किया जाएगा।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

पटना उच्च न्यायालय ने संस्थान कर्मियों के हक में सुनाया फैसला, 20 साल बाद मिला न्याय

पटना (एजेंसियां)।

ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एव सामाजिक परिवर्तन संस्थान के कर्मियों के लिए अच्छी खबर है। पटना हाई कोर्ट ने उन्हें बहुत बड़ी राहत दी है। राहत इसलिए क्यों कि पटना उच्च न्यायालय ने ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एव सामाजिक परिवर्तन संस्थान के कर्मियों को सेवानिवृति लाभ एवं पेंशन भुगतान का आदेश दिया है। पटना हाई कोर्ट के इस आदेश के बाद आर्थिक विकास एव सामाजिक परिवर्तन संस्थान के कर्मियों में खुशी का माहौल हो गया। संस्थान के प्रोफेसर एवं याचिकाकर्ता एस डी सिंह ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया है कि पटना उच्च न्यायालय के न्यायादेश का सम्मान करते हुए संस्थान के शैक्षणिक और गैर- शैक्षणिक कर्मियों के सेवांत लाभ के साथ-साथ पेंशन का भी भुगतान करने का आदेश निर्गत करें।

बिहार सरकार ने शिक्षा विभाग के लिए 13 नवम्बर 1990 को संस्थान के प्रबंधन और संचालन के लिए ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान नियमावली, 1990 आधिसूचित की गई। परन्तु शिक्षा विभाग, बिहार (प्रशासी विभाग) ने 2017 तक संस्थान के शैक्षणिक एव गैर-शैक्षणिक कर्मियों के लिए कोई प्रभावकारी सेवा-शर्त नियमावली नही बनाई। फलस्वरूप संस्थानकर्मी वर्ष 1986 से 2017 तक विभाग द्वारा नियुक्त होते रहे और बिना सेवांत लाभ के सेवानिवृत होते रहे। संस्थान के कर्मियों ने सरकार से लगातार गुहार लगाते रहे। पटना उच्च न्यायालय द्वारा पारित विभिन्न न्यायादेश के बाद 28 जून 2017 को शिक्षा विभाग की अधिसूचना में संशोधन कर नियम 9 को ही समाप्त कर दिया गया, जिसके कारण संस्थान कर्मी बिना सेवा-निवृति लाभ के ही सेवा-निवृत होते रहे।

इस लड़ाई को लड़ने वाले कई शिक्षकों एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों की अब मौत भी हो चुकी है, जो इसको लेकर संघर्ष करते रहे।

उन लोगों में गुनानद मिश्रा, इन्द्रकांत झा, रंजीत कुमार झा, सुशील कुमार झा, अमरनाथ ठाकुर के अलावे कई गैर शिक्षक भी थे। गैर शिक्षकों में इब्राहिम, मोहम्मद हाफिज, गोपाल झा सहित अन्य कई कर्मी थे, जो इस लड़ाई में शामिल थे। आज हाई कोर्ट ने ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एव सामाजिक परिवर्तन संस्थान के पक्ष में फैसला आने का श्रेय डॉ शिवदेव सिंह और डॉ चन्द्र सिंह का अहम् योगदान रहा।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मनमानी और गैरकानूनी रवैया से तंग आकर संस्थान कर्मियों ने पटना उच्च न्यायालय में अलग-अलग पांच (सी.डब्लू. जे0 सी0 नम्बर - 644/2023 10463/18, 172/63/18, 20846/18 6/9 22613/18) दायर किया। पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने सभी पांच याचिकाओं का एक साथ सुनवाई करते हुए दिनांक 24 अगस्त 2024 को अपने 37 (सैतीस) पृष्ठों का ऐतिहासिक न्यायादेश पारित कर संस्थान कर्मियों की सेवा- शर्त नियमावली 2017 को बहाल करते हुए नियमावली के नियम 9 तहत सभी कर्मियों को सेवांत लाभ और पेंशन भुगतान का आदेश दिया है।

न्यायालय के इस आदेश के बाद संस्थान कर्मियों और उनके परिवार जनों में काफी खुशी का माहौल है। संस्थान के प्रोफेसर एवं याचिकाकर्ता एस डी सिंह ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया है कि पटना उच्च न्यायालय के न्यायादेश का सम्मान करते हुए संस्थान के शैक्षणिक और गैर- शैक्षणिक कर्मियों को सेवांत लाभ के साथ साथ पेंशन भुगतान कराने की कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस कानून और संविधान में करती है विश्वास: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने मंगलवार को कहा कि वे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की याचिका को खारिज करने से हैरान नहीं हैं, जिसमें कथित मुडा भूमि आवंटन घोटाले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती दी गई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कानून और संविधान में विश्वास करती है। मुझे आश्चर्य नहीं है। राज्यपाल और राज्यपाल कार्यालय को शामिल करने का विचार यह

सुनिश्चित करना था कि यह इस तरह से हो। राज्यपाल ने बहुत स्पष्ट रूप से अपने कानूनी दायरे को लांघा है और उन्होंने ये काम किए हैं। हम इसे एक मानक संचालन प्रक्रिया के रूप में देखते हैं, हम इसे एक प्लेबुक के रूप में देखते हैं - झारखंड में जो हुआ, दिल्ली में जो हुआ, हम उसे कर्नाटक में भी देख रहे हैं। हम अभी भी देश के कानून में विश्वास करते हैं। हम भारत के संविधान में विश्वास करते हैं। भाजपा के पास कर्नाटक के राज्यपाल हो सकते हैं, हमारे पास बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान है।

सरकार सीएम के अभियोजन के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में अपील करेगी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायर गौड़ा ने कहा कि कर्नाटक सरकार मुख्यमंत्री के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी के हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में अपील करेगी।

गौड़ा ने कहा हम हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच का दरवाजा खटखटाएंगे। बाद में, हम सुप्रीम कोर्ट जाने के बारे में देखेंगे। गौड़ा ने आरोप लगाया कि विपक्षी भाजपा ने देश में कांग्रेस और गैर-भाजपा सरकारों को अस्थिर करने के लिए एक राजनीतिक साजिश रची है। उन्होंने कहा हम आक्रामक तरीके से लड़ेंगे और आरोप लगाया कि राजभवन को भाजपा कार्यालय में बदल दिया गया है। मंत्री ने कहा कि

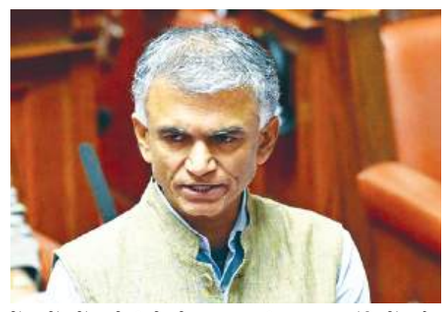

केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने के लिए ईडी, सीबीआई कार्यालयों का उपयोग कर रही है और लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास कर रही है।

बाढ़ के पानी से घड़ियाल घर में घुसा, सो रहे बच्चों पर किया हमला, परिजनों ने बांधा, हुई मौत

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर में सदर प्रखंड के मोहली पंचायत में बाढ़ के पानी के साथ एक घड़ियाल एक घर में घुस गया। इससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना बुद्धन्न मरर टिकारामपुर टोला निवासी सुजीत सिंह के घर की है। जहां देर रात घड़ियाल ने घर में सो रहे बच्चों पर हमला कर दिया। उसके बाद परिजनों ने जैसे-तैसे उसे पकड़ लिया।

जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान घर के तीन बच्चे चौकी पर सो रहे थे। अचानक घड़ियाल घर में घुस आया और सोए हुए बच्चों में से एक पर हमला कर दिया। बच्चों के चीखने की आवाज सुनकर परिवार वालों की नींद खुल गई और उन्होंने तुरंत घड़ियाल को रोकने की कोशिश की। किसी तरह उन्होंने घड़ियाल के मुंह को रस्सी से बांध दिया,

ताकि वह किसी और पर हमला न कर सके या घर से बाहर भाग न जाए। घड़ियाल को बांधकर परिवार ने रात भर उसे वहीं रखा। लेकिन अगले दिन सुबह जब उन्होंने रस्सी हटाई, तो घड़ियाल की मौत हो चुकी थी। उसके बाद ग्रामीणों ने मिलकर मृत घड़ियाल को गंगा नदी में फेंक दिया।

ग्रामीण सुजीत सिंह ने बताया कि बाढ़ के कारण गांव में चार-पांच फुट तक पानी भर गया है, जिससे घरों में रहना मुश्किल हो रहा है। यह घटना इसी बाढ़ के कारण हुई, जब घड़ियाल बहकर गांव में घुस आया। सुजीत सिंह ने बताया कि गंगा नदी के किनारे बसे गांवों में अक्सर बाढ़ के दौरान ऐसे जीव-जंतु बाहर निकल आते हैं और कई बार लोगों पर हमला भी कर देते हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि इस प्रकार की घटनाओं से निपटने के लिए सुरक्षा के उपाय किए जाएं और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं पर रोकथाम के लिए कदम उठाए जाएं।

सीएम नीतीश कुमार की बैठक के बाद जागी पुलिस

डीजीपी ने टीम को बताया- अब कैसे काबू करेंगे अपराध

पटना (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में मंगलवार को बिहार पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक आलोक राज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण अंतरप्रभागीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी जिलों और क्षेत्रीय पुलिस के वरीय पदाधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विधि-व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण, और आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर पुलिस की तैयारियों की समीक्षा करना था।

पुलिस महानिदेशक ने अपराध नियंत्रण के लिए पांच प्रमुख बिंदुओं पर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। इनमें (रोकथाम), (पूर्वानुमान), (पता लगाना), (अभियोजन) और (धारणा) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अपराधों की रोकथाम प्राथमिकता होनी चाहिए और अगर अपराध होते हैं, तो उनका शीघ्र पता लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही, अपराधियों को कानून के तहत सजा दिलाने पर भी बल दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि आपराधिक घटनाओं में कमी आई है। लेकिन इस बारे में जनता की धारणा को बदलने की आवश्यकता है।

बैठक में आने वाले पर्व-त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस की सतर्कता और सुरक्षा की व्यवस्था पर चर्चा की गई। पुलिस महानिदेशक ने सांप्रदायिक घटनाओं पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने का निर्देश दिया। साथ ही वार्डों में संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में लीडरशिप की भूमिका निभाएं और कनीय अधिकारियों की मार्गदर्शन करें।

बैठक में पेशेवर अपराध जैसे लूट, डकैती, रंगदारी, अपहरण, और संगठित अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया गया। इसके साथ ही, साइबर अपराध, भू-माफिया, शराब और बालू माफिया पर भी कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। जनता में पुलिस की छवि को सुधारने के लिए जन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाने की आवश्यकता बताई गई।

पुलिस महानिदेशक ने अपने पूर्व के छह 'स' के मूलमंत्र को दोहराते हुए कहा कि अपराधों के खिलाफ कार्रवाई के लिए समय, सार्थकता, संवेदनशीलता, शक्ति, सत्यनिष्ठा और स्पीडी ट्रायल (तीव्र न्याय प्रक्रिया) बेहद जरूरी हैं। इन सिद्धांतों के आधार पर पुलिस के हर कार्रवाई को मजबूत और प्रभावी बनाया जाएगा।

बैठक में अन्य वरीय पुलिस अधिकारियों ने भी अपने प्रभागों की कार्यवाहियों का विवरण प्रस्तुत किया। अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) जितेंद्र सिंह गंगवार ने जिलों से लंबित विभागीय कार्यवाहियों को शीघ्र निपटाने पर जोर दिया। यह बैठक आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिससे जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत हो सके।

शंकराचार्य सरस्वती ने दिया विवादित बयान, कहा-

भाजपा करती है बीफ का निर्यात, ओवैसी को देंगे वोट

पटना (एजेंसियां)।

जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पटना पहुंचे और गौ हत्या को रोकने के लिए एक कठोर कानून बनाने की बात कही। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भी जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि गौ रक्षा को लेकर कानून बने, इसको लेकर हम लोगों ने कई राजनीतिक दलों को जिताया लेकिन अब तक किसी ने भी कानून नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि गोहत्या विरोधी कानून अब तक बन जाना चाहिए था, लेकिन नहीं बन पाया। जगतगुरु

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गौ रक्षा आंदोलन को लेकर देश भर में भ्रमण कर रहे हैं।

जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भाजपा पर जमकर बोले। उन्होंने कहा कि जो सबसे ज्यादा गौ रक्षा की बात करते थे, आज वही बीफ का निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं इस आंदोलन को लेकर देश भ्रमण के लिए निकला तो मुझे लगा कि मेरा सबसे पहले विरोध मुसलमान करेंगे लेकिन हमारा विरोध भारतीय जनता पार्टी ने किया। उन्होंने मुझे नागालैंड नहीं जाने दिया। कहा कि आप नागालैंड नहीं जा सकते। जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में एक केंद्रीय मंत्री थे मुख्तार अब्बास नकवी। उन्होंने कहा कि जिसे गौ मांस खाना है उसे पाकिस्तान चल जाना चाहिए लेकिन वहीं एक दूसरे भाजपा के ही नेता केंद्रीय मंत्री ने मुख्तार अब्बास नकवी के बयानों का विरोध किया। मुख्तार आवास नकवी को केंद्रीय मंत्री से हटा दिया गया लेकिन जिन्होंने मुख्तार अब्बास नकवी के बयानों का विरोध किया था, उसे अभी भी केंद्रीय मंत्री बना कर रखा गया है।

जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आमजन से अपील की कि आप किसी भी दल को वोट दें तो उसके शपथ पत्र को जरूर देखें कि वह गौ रक्षा को लेकर कानून बनवाएगा कि नहीं। उन्होंने साफ़ तौर पर कहा कि यदि असदुद्दीन ओवैसी भी हमें शपथ दे कि हम गौ रक्षा को लेकर कानून बनवाएंगे तो हम उसे भी वोट देंगे।

मुजफ्फरपुर में पानी की किल्लत से परेशान लोगों ने किया प्रदर्शन

नगर निगम के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर के नगर निगम क्षेत्र में पानी की किल्लत से जूझ रहे लोगों ने सोमवार को माड़ीपुर वार्ड-8 स्थित मलहा टोली में जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सभी ने हिस्सा लिया, जिनके हाथों में खाली बाल्टियां और डिब्बे थे। वे पानी की आपूर्ति न होने के खिलाफ नारे लगाते हुए नगर निगम की नाकामियों पर सवाल उठा रहे थे।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि नगर निगम शहरी इलाकों में पानी की सप्लाई करने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा है। लोगों को पीने के पानी के लिए टैंकरों का इंतजार करना पड़ता है। लेकिन निगम की सप्लाई कब और कहां हो रही है, इसकी कोई जानकारी नहीं है। इससे नाराज लोगों ने 'खाली डिब्बा करे पुकार, पानी दो पानी दो' जैसे नारे लगाते हुए नगर निगम के खिलाफ अपना विरोध जताया।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि उनकी समस्या का कोई हल नहीं निकल रहा है। हम दूसरी जगहों से आने वाला गंदा पानी पीने के लिए मजबूर हैं। इसके बावजूद वार्ड पार्षद और नगर निगम उनकी समस्याओं को सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे सड़क पर उतरकर चक्का जाम करेंगे और नगर निगम के खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा करेंगे।

मुंगेर में टूटा बाढ़ पीड़ितों के सब्र का बांध

मुआवजे की मांग को लेकर सड़कों पर आगजनी कर किया प्रदर्शन

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर में गंगा के जलस्तर में कमी के बाद अब बाढ़ पीड़ित अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने लगे हैं। कई दिनों से बाढ़ का दंश झेल रहे नगर निगम के वार्ड-41 के निवासियों ने मुंगेर-हेरुदियरा मुख्य पथ चंदन बाग चूआबाग के पास आगजनी और जाम कर प्रदर्शन किया। साथ ही जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि वार्ड पार्षद अपने ही लोगों को राहत दे रहे हैं। बाकी बाढ़ पीड़ित जिनके घरों में कई दिनों से बाढ़ का पानी घुसा है, उनकी कोई सुध नहीं ले रहे। न तो पॉलिथीन शीट दी जा रही और न ही सूखा राशन। उन्होंने कहा कि हम लोगों की मांग है कि बाढ़ पीड़ित लोगों को सरकार द्वारा मुआवजा मिले। अगर मुआवजा नहीं मिलता है तो हम लोग इसी तरह सड़क जाम कर प्रदर्शन करेंगे। जानकारी के मुताबिक, लोगों के सड़क जाम कर प्रदर्शन करने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस वजह से आने-जाने वाले राहगीरों और स्कूली बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि हम लोग पिछले चार-पांच दिन से बाढ़ के पानी से परेशान हैं। घर में तीन से चार फुट बाढ़ का पानी जमा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय वार्ड पार्षद द्वारा बाढ़ राहत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। वह अपने ही क्षेत्र में बाढ़ राहत सामग्री का वितरण करवा रहे हैं, जबकि हम लोगों को बाढ़ के कारण जान माल की काफी क्षति हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com